● वर्ष-4
● अंक-118
रायपुर, शुक्रवार
27 दिसंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» कौन हैं वामिका गब्बी?...

चुनावी प्रक्रिया में लोगों का विश्वास धीरे-धीरे कम हो रहा-खड़गे

भाजपा पर बरसे कांग्रेस अध्यक्ष, कहा - झूठ को चकनाचूर कर देंग

नईदिल्ली। सीडब्ल्यूसी की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया में लोगों का विश्वास धीरे-धीरे कम हो रहा है और भारत के चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। खड़गे ने सत्तारूढ़ भाजपा पर आरोप लगाए और दावा किया कि वह भारत के लिए महत्वपूर्ण सभी संस्थानों पर कब्जा करना चाहती है। उन्होंने कहा कि बीजेपी श्वष्ट जैसी सभी संवैधानिक संस्थाओं पर कब्ज़ा करना चाहती है, लेकिन हम ये लड़ाई लड़ते रहेंगे। ऐसा क्या है जो यह सरकार उन चुनाव नियमों को बदलकर छिपाने की कोशिश कर रही है जिन्हें अदालत ने साझा करने का आदेश दिया था।

इसके अलावा, राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को याद

दिलाया कि पार्टी महात्मा गांधी और जवाहर लाल नेहरू की विरासत है। हमारे पास गांधी-नेहरू की विरासत है, नए संकल्प के साथ बेलगाम से लौटेंगे; यह निराशा का नहीं बल्कि एकजुट होने का, विरोधियों के झूठ को तोड़ने का समय है। इसके अलावा, खड़गे ने अपने संबोधन में न केवल कड़ी मेहनत बल्कि बेहतर रणनीतियों के महत्व पर भी जोर दिया। खड़गे ने कहा कि केवल कड़ी मेहनत पर्याप्त नहीं है, समय पर ठोस रणनीति, दिशा जरूरी है; नई शक्ति, नेतृत्व को मौका देने की जरूरत है।100 साल पहले यहीं 26 दिसंबर 1924 को 3 बजे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली थी। इससे पहले मौलाना मुहम्मद अली कांग्रेस अध्यक्ष थे। इस मौके पर सेवादल के संस्थापक डॉ. एनएस हाडिकर को याद कर मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। यहीं से कांग्रेस के इतिहास में रोज सुबह राष्ट्रीय ध्वज समारोह पूर्वक फहराने और शाम को उतारने का सिलसिला आरंभ हुआ। गांधीजी केवल एक बार एक साल के लिए ही कांग्रेस अध्यक्ष बने थे। लेकिन उन्होंने इसके बाद इतनी लंबी लकीर खींची कि उसकी बराबरी कर पाना किसी भी राजनेता के लिए संभव नहीं है । खड़गे ने कहा कि गांधीजी ने कांग्रेस के संविधान को नया रूप दिया। गांव, गरीब, किसानों और मजदूरों के दिलों में कांग्रेस के लिए मजबूत आधार बनाया। कांग्रेस संगठन को रचनात्मक कामों से जोड़ा। छुआछूत और भेदभाव के खिलाफ मुहिम को कांग्रेस के मुख्य एजेंडे में शामिल किया।

बेलगाम सत्र की 100वीं वर्षगांठ मनाने के लिए गुरुवार को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक हुई, जिसका शीर्षक नव सत्याग्रह बैठक था, जहां महात्मा गांधी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्षता संभाली थी। यह ऐतिहासिक बैठक पार्टी के लिए 2025 में सामने आने वाली राजनीतिक और चुनावी चुनौतियों पर अपनी प्रतिक्रिया की रणनीति बनाने के लिए एक मंच के रूप में भी काम करती है।

खतरे में है महात्मा गांधी की विरासत-सोनिया गांधी

नईदिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) प्रमुख सोनिया गांधी ने गुरुवार को नई दिल्ली में सत्ता में बैठे लोगों पर महात्मा गांधी की विरासत को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनकी विरासत को दिल्ली में सत्ता में बैठे लोगों और उन्हें पोषित करने वाली विचारधाराओं और संस्थानों से खतरा है। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में पढ़े गए अपने संदेश में, सोनिया गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर जमकर हमला बोला और उन ताकतों से लड़ने का आह्वान किया, जिनके बारे में उन्होंने दावा किया कि उन्होंने जहरीला माहौल बनाया, जिसके कारण महात्मा गांधी की हत्या हुई।

सोनिया गांधी ने कहा कि यह

हमारे देश के इतिहास में एक परिवर्तनकारी मील का पत्थर था। आज, हम महात्मा गांधी की विरासत को संरक्षित, संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए खुद को फिर से समर्पित करते हैं। वह हमारी प्रेरणा के मूल स्रोत रहे हैं और रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह वह ही थे जिन्होंने उस पीढ़ी के हमारे सभी उल्लेखनीय नेताओं को तैयार किया और उनका मार्गदर्शन किया। उनकी विरासत को नई दिल्ली में सत्ता में बैठे लोगों और उन्हें पोषित करने वाली विचारधाराओं और संस्थानों से खतरा है। गांधी ने कहा कि इन संगठनों ने कभी भी हमारी आज़ादी के लिए लड़ाई नहीं लड़ी। उन्होंने महात्मा गांधी का कटु विरोध किया। उन्होंने एक विषाक्त वातावरण बनाया जिसके कारण उनकी हत्या हुई। वे उसके हत्यारों का महिमामंडन करते हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि देश भर में विभिन्न स्थानों पर गांधीवादी संस्थानों पर हमले हो रहे हैं और कहा कि यह उचित है कि इस बैठक को नव सत्याग्रह बैठक कहा जाए। उन्होंने कहा कि अब यह हमारा पवित्र कर्तव्य है कि हम इन ताकतों का पूरी ताकत से और अडिग दृढ़ संकल्प के साथ मुकाबला करने के अपने संकल्प को नवीनीकृत करें।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन

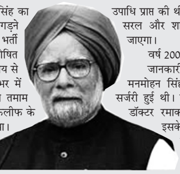

नईदिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का गुरुवार को निधन हो गया है। तबीयत बिगड़ने के बाद देर शाम उन्हें दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वह 92 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनके निधन से देशभर में शोक की लहर है। कांग्रेस पार्टी ने अपने तमाम कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। सांस लेने में तकलीफ के बाद उन्हें एम्स में भर्ती कराया गया था। कांग्रेस आलाकमान और कई शीर्ष नेता अस्पताल पहुंचे हैं।

जानकारी के अनुसार साल 2006 में मनमोहन सिंह की दूसरी बार बाईपास सर्जरी हुई थी, जिसके बाद से वह काफी बीमार चल रहे थे। गुरुवार को उन्हें सांस लेने में तक़लीफ और बेचैनी के बाद एम्स में भर्ती कराया गया था। उनका जन्म 26 सितम्बर 1932 को पश्चिमी पंजाब के गाह (अब पाकिस्तान) में हुआ था।

साल 2004 से 2014 तक दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे थे और भारत के बड़े अर्थशास्त्रियों में उनकी गिनती होती थी। उन्होंने चंडीगढ़ में पंजाब विश्वविद्यालय और ग्रेट ब्रिटेन में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की थी। मनमोहन सिंह को हमेशा अपने सरल और शांत स्वभाव के लिए याद किया जाएगा।

वर्ष 2006 में हुई थी दोबारा बाइपास सर्जरी जानकारी के अनुसार पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की 2006 में दोबारा बाइपास सर्जरी हुई थी। जिसके लिए मुंबई से स्पेशलिस्ट डॉक्टर रमाकांत पांडा को बुलाया गया था। इसके अलावा कोरोना काल में उन्हें कोविड भी हुआ था, जिसके बाद से उन्हें सांस लेने में भी काफ़ी तकलीफ रहती थी। बताया जा रहा है कि गुरुवार को तक़रीबन आठ बजे उन्हें दिल्ली के एम्स इमरजेंसी में भर्ती कराया गया, जहां करीब आधे घंटे बाद उनका निधन हो गया। बता दें वे 1985 से 1987 तक भारतीय योजना आयोग के प्रमुख भी रहे थे।

पीएम मोदी ने भी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा- भारत अपने सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में से एक, डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन पर शोक व्यक्त करता है। साधारण पृष्ठभूमि से उठकर वे एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री बने।

देश में जनजातीय सपूतों का अमूल्य योगदानः साय

रायपुर। हमारा देश और समाज हमेशा प्रगतिशील सोच के साथ आगे बढ़े, समाज की नई पीढ़ी शिक्षा के क्षेत्र में तरक्की करे, उद्यमशीलता की तरफ बढ़े, इसके लिए समाज को निरंतर जागरूक होकर युवाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हमेशा इसी एकजुटता पर बल देते हैं। हम सब एकजुट रहेंगे और माँ भारती की सेवा करने संकल्पित रहेंगे तो हमारा प्रदेश और देश मजबूत होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज जशपुर जिले के विकासखण्ड बगीचा के ग्राम घुघरी में आयोजित छत्तीसगढ़ स्तरीय नागवशी समाज के महासम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जनजातीय समाज के भगवान बिरसा मुंडा, गुण्डाधुर, रानी दुर्गावती, वीर नारायण जैसे वीर सपूतों ने अपनी वीरता से देश को

आजादी दिलाने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज की इन महान विभूतियों के गौरव को लोगों तक पहुंचाने एवं उनका मान बढ़ाने के लिए जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन की शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि इतिहास के पन्नों में गुम इन शहीदों के योगदान को सामने लाने के लिए नवा रायपुर में जनजातीय योद्धाओं को समर्पित स्मारक का निर्माण किया जा रहा है। इसमें छत्तीसगढ़ के आदिवासी जन नायकों द्वारा लड़े गए 13 महान संग्रामों का वर्णन भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस मौके पर घुघरी में सामाजिक भवन निर्माण हेतु 50 लाख, खड़ा नाला में पुल निर्माण, ढ़ोड़की में व्यपवर्तन योजना के जीर्णोद्धार एवं बगीचा में एक करोड़ रुपये की लागत से मंगल भवन निर्माण की घोषणा की। उन्होंने नागवंशी समाज की बहु प्रतीक्षित मांग को पूरा करते हुए घुघरी में उनकी देवभूमि को संरक्षित करने हेतु सामुदायिक वनाधिकार पट्टा प्रदान किया गया। इसके साथ ही मात्रात्मक त्रुटि के कारण वंचित रह गए 40 बच्चों को मुख्यमंत्री ने जाति प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने नागवंशी समाज के आराध्य भगवान महादेव-पार्वती एवं नाग देव की पूजा कर प्रदेश की जनता के लिए सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी का स्मरण करते हुए कहा कि उनके द्वारा ही जनजातीय कल्याण और उत्थान के लिए सर्वप्रथम आदिमजाति कल्याण विभाग का निर्माण किया गया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विशेष पिछड़ी जनजातीय लोगों के उत्थान के लिए पीएम जनमन योजना संचालित की जा रही है।

प्रमुख समाचार

प्रख्यात मलयालम लेखक एमटी वासुदेवन नायर का निधन

नईदिल्ली। मलयालम साहित्य के दिग्गज और ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता एमटी वासुदेवन नायर का केरल के कोझिकोड के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन पर पीएम मोदी ने शोक जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मलयालम सिनेमा और साहित्य के सबसे

सम्मानित शख्सियतों में से एक एमटी वासुदेवन नायर जी के निधन से दुखी हूं। मानवीय भावनाओं की गहन खोज के साथ उनके कार्यों ने पीढ़ियों को आकार दिया है और आगे भी कई लोगों को प्रेरित करते रहेंगे। उन्होंने मूक और हाशिये पर पड़े लोगों को भी आवाज दी। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। वहीं कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने एक्स पोस्ट पर लिखा, एमटी वासुदेवन नायर के निधन के साथ हम उस प्रतिभा को अलविदा कह रहे हैं, जिसने साहित्य और सिनेमा को सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के शक्तिशाली माध्यमों में बदल दिया। हम उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। उनकी विरासत उनके द्वारा बताई गई हर कहानी हर दिल में जीवित रहेगी।

बिहार में भजन विवाद गायिका को मांगनी पड़ी माफी

नईदिल्ली। पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में उस समय बवाल हो गया जब लोक गायिका ने प्रतिष्ठित भजन रघुपति राघव राजा राम की प्रस्तुति दी और ईश्वर अल्लाह तेरो नाम की पंक्तियाँ गाईं। जैसे ही लोक गायिका देवी ने पंक्तियां गाईं, दर्शकों के एक वर्ग ने विरोध किया और नारेबाजी शुरू कर दी। मामला बढ़ने पर गायिका देवी ने मंच से माफी मांगी। उन्हें माफी मांगने को भी कहा गया। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे स्थिति को संभालने के लिए आगे आए। वह लोक गायिक को मंच से उतारते भी दिखे। माफीनामे के बाद कार्यक्रम स्थल पर जय श्री राम के नारे गूंज उठे। अश्विनी चौबे ने भी जय श्री राम की हुंकार भरी। महात्मा गांधी से निकटता से जुड़ा यह भजन एकता का संदेश देता है। मैं अटल रहूंगा शीर्षक वाला कार्यक्रम, उनकी जयंती के अवसर पर भाजपा के दिग्गज नेता के योगदान को याद करने के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में चौबे के अलावा डॉ. सीपी ठाकुर, संजय पासवान और शाहनवाज हुसैन भी मौजूद थे।

30 को पंजाब बंद, सड़क-रेल सेवाएं प्रभावित नहीं होंगी

नईदिल्ली। किसान मजदूर संघर्ष समिति के एक किसान नेता ने कहा कि 30 दिसंबर को पंजाब में राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया गया है। मीडिया से बात करते हुए सरवन सिंह पंढेर ने कहा कि बंद को राज्य भर में कई यूनियनों और समूहों से समर्थन

मिला है। उन्होंने बताया कि बंद सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक प्रभावी रहेगा. आगे बोलते हुए, किसान नेता ने कहा कि पंजाब में सरकारी और निजी कार्यालय बंद रहेंगे, और रेल आंदोलन और सड़क यातायात में भी व्यवधान होगा। हालांकि, आपातकालीन सेवाएं चालू रहेंगी।पंडेर ने कहा कि व्यापारियों, ट्रांसपोर्टरों, कर्मचारी संघों, टोल प्लाजा श्रमिकों, श्रमिकों, पूर्व सैनिकों, सरपंचों और शिक्षक संघों, सामाजिक और अन्य निकायों और कुछ अन्य वर्गों ने बंद को अपना समर्थन दिया है। साथ ही आम लोग भी इसका समर्थन कर रहे हैं। पंढेर ने पुष्टि की कि ये कार्रवाइयां उनके चल रहे विरोध का हिस्सा हैं और उनका उद्देश्य उनकी मांगों को उठाना है। किसान नेता ने कहा कि यह बंद केंद्र को किसानों की मांगों को स्वीकार करने के लिए मजबूर करेगा।

धूमधाम से मनेगी राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ धूमधाम से मनाई जाएगी। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से यह जानकारी दी। पोस्ट में बताया गया है कि अयोध्या

स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में श्री राम लला विग्रह के प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ 11 जनवरी 2025 को मनाई जाएगी। राम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ को प्रतिष्ठा द्वादशी के रूप में मनाया जाएगा। इस दिन मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यज्ञ मंडप में शुक्ल यजुर्वेद के मंत्रों के साथ अग्निहोत्र का आयोजन सुबह 8 से 11 बजे और फिर दोपहर 2 से 5 बजे तक किया जाएगा। इसके अलावा, 6 लाख श्री राम मंत्रों का जप और राम रक्षा स्तोत्र, हनुमान चालीसा सहित अन्य धार्मिक मंत्रों का उच्चारण भी किया जाएगा। मंदिर के भूतल पर 3 से 5 बजे तक राग सेवा 6-9 बजे तक बधाई गीत प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके बाद, यात्री सुविधा केंद्र की पहली मंजिल पर रामचरितमानस का संगीतबद्ध पाठ होगा।

उत्तर प्रदेश के संभल में मिला जागृत कूप, खुदाई जारी

संबल। उत्तर प्रदेश के संभल में गुरुवार को जामा मस्जिद से करीब 200 मीटर की दूरी पर एक कूप (कुआं) मिला है। मौके पर अभी खुदाई का कार्य जारी है। यह कुआं हिंदू बाहुल्य इलाके में मिला है। इसे मृत्यु का कुआं भी कहा जाता है। जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पेंसिया ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यहां एक जागृत कूप मिला है। इससे पहले, चंदौसी के लक्ष्मणगंज में बावड़ी मिली थी, जिसकी खुदाई पिछले पांच दिनों से जारी है। इस बावड़ी को सदियों पुराना बताया जाता है। इससे पहले 25 दिसंबर को संभल में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम ने चंदौसी स्थित पृथ्वीराज चौहान की बावड़ी का निरीक्षण किया था। एएसआई टीम ने फिरोजपुर किले का भी निरीक्षण किया था। टीम के साथ डीएम और एसपी भी मौजूद थे। डीएम-एसपी के साथ टीम के लोगों ने बावड़ी के अंदर जाकर, दीवारों को छूकर पूरा निरीक्षण किया था। टीम ने तोता-मैना की कब्र भी देखी थी। जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने बताया था कि संभल प्राचीन नगर रहा है। इस नगरी में इतिहास से लेकर वर्तमान तक अनेक अवशेष उपलब्ध हैं और दिखते भी हैं। उनको संरक्षित और सुरक्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। उसी क्रम में एएसआई की टीम आई थी।

बीता हुआ साल 2024 संविधान वर्ष के रूप में याद किया जाएगा

योगेन्द्र यादव

बीता हुआ साल संविधान वर्ष के रूप में याद किया जाएगा। इसलिए नहीं कि इस वर्ष संविधान निर्माण की 75वीं वर्षगांठ मनाई गई। इसलिए भी नहीं कि इस अवसर पर संसद में दो दिन की विशेष चर्चा हुई। इतिहास गवाह है कि इन सरकारी रस्मों और संसद की बहसों से समाज के मानस पर कोई असर नहीं पड़ता। अगर यह साल संविधान वर्ष बना तो इसलिए, कि पहली बाहर संविधान राजनीति का मुद्दा बना। संविधान पर राजनीति होना भारत गणराज्य के लिए एक शुभ घटना है। उम्मीद करनी चाहिए कि आने वाले वर्ष में यह बहस थमेगी नहीं, संविधान को लेकर हो रही राजनीति और गहरी होगी।

यह बात थोड़ी अटपटी लग सकती है। लोकतांत्रिक राजनीति के क्षय की वजह से हमारी भाषा में उलटबांसी बस गई है और हम अक्सर कह देते हैं कि किसी अच्छे या पवित्र मुद्दे को राजनीति में न घसीटा जाए। सच यह है कि लोकतंत्र में जिस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं होगा, उसे ही कोई तवज्जो नहीं मिलेगी। जब तक महिला की सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे मुद्दों पर राजनीतिक जद्दोजहद नहीं होगी, तब तक मान लीजिए इन सवालों पर कोई सरकार गंभीरता से काम नहीं करेगी। आज से 25 वर्ष पहले संविधान निर्माण की रजत जयंती के वक्त अधिकांश नागरिकों को 26 नवम्बर का ठीक से पता भी नहीं था। इस उदासीनता का फायदा उठाकर सरकार ने संविधान के कामकाज की समीक्षा के लिए एक राष्ट्रीय आयोग का गठन कर दिया था। हालांकि इस आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वेंकटचैलेया के कारण इस आयोग द्वारा संविधान के मूल ढांचे से छेड़खानी करने की कोई कोशिश नहीं हुई, लेकिन एक दरवाजा खुल गया था। इस लिहाज से वर्ष 2024 में संविधान का राजनीति के अखाड़े में उछलना एक ऐसी घटना है, जिसका स्वागत किया जाना चाहिए।

निःसंदेह इस वर्ष की सबसे महत्वपूर्ण घटना लोकसभा के आम चुनाव थे। यह कहना तो अतिशयोक्ति होगी कि मतदाताओं की नजर में इस चुनाव का सबसे प्रमुख मुद्दा संविधान था, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि संविधान के सवाल ने चुनाव से पहले की रणनीति, चुनाव के दौरान हुए प्रचार और चुनाव के बाद हुए विश्लेषण और बहसों को एक सूत्र में बांधने का काम किया। आज भाजपा इस बात पर जितनी भी मिट्टी डाले, सच यह है कि इस चुनाव में भाजपा का इरादा 'चार सौ पार' या उसके इर्द-गिर्द पहुंचकर संविधान में कुछ ऐसे संशोधन करना था, जो महज संशोधन नहीं होते, बल्कि एमरजैंसी में हुए संविधान के 42वें संशोधन की तर्ज पर संविधान के पुनर्लेखन जैसे होते। ऐसे किसी संशोधन के माध्यम से भाजपा भारतीय राजनीति में अपने वर्चस्व को एक स्थायी रूप देना चाहती थी। इसमें भी कोई शक नहीं कि संविधान बचाने के नारे ने इंडिया गठबंधन के बिखरे हुए प्रचार को एक धार दी।

इस वर्ष हुए चुनाव में संविधान के सवाल ने मतदाताओं के उस बड़े हिस्से को, जो अपनी जिंदगी से जुड़े अनेक मुद्दों को लेकर परेशान था, उसे विपक्ष के साथ खड़े होने का कारण दिया। हो सकता है अपने वोट को संविधान से जोडऩे वाले मतदाताओं की संख्या बहुत कम रही हो, लेकिन भाजपा को लगे अप्रत्याशित धक्के के विश्लेषण में यही कारक सबसे ऊपर उभर कर आया। अपने आंतरिक विश्लेषण में भाजपा ने भी इसी मुद्दे को चुनावी झटके के कारण के रूप में चिह्नित किया। अगर 2004 का चुनाव 'इंडिया शाइनिंग' के खारिज होने के लिए याद किया जाएगा, तो 2024 को संविधान बदलने के प्रस्ताव को खारिज किए जाने के रूप में याद रखा जाएगा। इसलिए संविधान से जुड़ी बहस चुनाव के बाद भी जारी रही। नवनिर्वाचित लोक सभा के दोनों सत्रों में संविधान का सवाल उभर कर आया। सत्तापक्ष को इतना तो समझ आ गया कि संविधान पर हमला करते हुए दिखना राजनीतिक रूप से महंगा साबित हो सकता है। मन में जो भी रहा हो, अब प्रधानमंत्री को संविधान की प्रति के सामने माथा झुकाना पड़ा। उधर विपक्ष ने सरकार पर हमले के लिए संविधान को मुख्य प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया।

चाहे जातिवार जनगणना की मांग हो या आरक्षण में वर्गीकरण का मुद्दा, चाहे ई.वी.एम. का विरोध हो या 'मोदानी' गठजोड़ का, अब हर सवाल संविधान से जुडऩे लगा। संविधान को लेकर यह बहस केवल सत्तारूढ़ दल और विपक्ष तक सीमित नहीं रही। देश भर में सैंकड़ों संगठनों और लाखों नागरिकों ने संविधान बचाने की मुहिम में हिस्सा लिया। संविधान की लाल जिल्द वाली प्रति हाथ में लेकर खड़े राहुल गांधी की फोटो वर्ष 2024 की छवि के रूप में याद रहेगी। जाहिर है, आने वाले वर्ष में संविधान से जुड़ी यह राजनीतिक बहस जारी रहेगी और रहनी चाहिए। लेकिन इस बीते हुए वर्ष ने हमें इस बहस को सार्थक और धारदार बनाए रखने के तीन सबक भी दिए हैं। पहला सबक यह है कि यह सोचना नादानी होगी कि 'संविधान बचाओ' का नारा देने भर से ही भाजपा को हर चुनाव में हराया जा सकता है।हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव ने यह फिर साबित कर दिया कि बार-बार इस्तेमाल से यह औजार भोथरा हो सकता है। यूं भी भाजपा ने संविधान की अर्चना करनी सीख ली है।

दूसरा सबक यह है कि संविधान के सवाल को अमूर्त तरीके से उठाने से काम नहीं चलेगा। संविधान के आदर्श को अंतिम व्यक्ति के दुख-सुख से जोडऩा होगा। औरत, गरीब, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक की आकांक्षाओं से इसे जोडऩा होगा। तीसरा सबक यह है कि संविधान के सवाल को संविधान नामक दस्तावेज तक सीमित करना ठीक नहीं। संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं है। यह एक दर्शन है, भारत के भविष्य का एक खाका है। संविधान बचाओ के नारे को भारत के स्वधर्म को बचाने की लड़ाई में बदलना होगा।

रक्षा मंत्रालय की जमीन पर अवैध उत्खनन हाई कोर्ट ने लिया स्वत: संज्ञान

शासन से शपथ पत्र में मांगा जवाब

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने न्यायधानी के बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट से लगी रक्षा मंत्रालय की जमीन पर मुरूम की अवैध खुदाई के मामले में स्वत: संज्ञान लिया है। कोर्ट ने आज मामले की सुनवाई की। जिसमें जिसमें मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा और न्यायाधीश रविन्द्र अग्रवाल की विशेष बैंच ने सख्त नाराजगी जताते हुए खुदाई के मामले में राज्य सरकार और रक्षा मंत्रालय से शपथपत्र में जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई अब 9 जनवरी 2025 को होगी।

बता दें, बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट चकरभाठा से लगी रक्षा मंत्रालय विभाग की जमीन जो तेलसरा ग्राम के अंतर्गत आती है। यहां अवैध रूप से मुरूम का उत्खनन किए जाने की खबर प्रकाशित की गई। जिसमें

बिल्डर के द्वारा मुरूम खोदकर कॉलोनी विकसित की जाने की जानकारी दी गई। वहीं शासन को करोड़ों रुपए की रॉयल्टी का नुकसान हुआ था। इसी मामले पर कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए सख्त रुख अपनाया है।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि 13 दिसंबर 2024 को खबरों पर देर से कार्रवाई कर नोटिस दिया गया। इस पर सरकार का पक्ष रखते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता राजकुमार गुप्ता ने कोर्ट में गूगल के माध्यम से निकाला नक्शा पेश किया और तर्क दिया कि 2012 में भी उस जगह पर गड्ढा मौजूद था। लेकिन कोर्ट ने इस तर्क को अमान्य कर दिया और कहा कि गूगल पर हर समय विश्वास नहीं किया जा सकता।।! सब फेल हो गए हैं।।!

अतिरिक्त महाधिवक्ता ने सरकार का पक्ष रखते हुए आगे कहा कि गांव और आसपास के लोग भी यहां से मुरुम ले जाते रहे हैं। इसे लेकर कोर्ट ने सख्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसे मामलों में जिम्मेदारों की आंखें बंद रहती हैं। इतना नहीं है कि गांव वाले बेचारे ले गए हैं।।! ये जो बड़े लोग हैं जो इस सबके पीछे हैं।।!

वहीं अतिरिक्त महाधिवक्ता ने बताया कि 2018 से रेगुलेशन के साथ रॉयल्टी लेने का प्रावधान किया गया और एक व्यक्ति को परमिशन भी दी गई है। वहीं खनिज विभाग की तरफ से मेसर्स फॉर्चून एलिमेंट के संचालक पवन अग्रवाल को 25 दिसंबर 2024 नोटिस दिया गया है। जिसके जवाब के बाद पूरी जानकारी मिल जाएगी। इस पर भी कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि न्यूज आइटम 13 दिसंबर का है और आपने आरोपी बिल्डर को नोटिस इतने दिनों बाद दिया है।

रक्षा मंत्रालय का पक्ष रखने वाले अधिवक्ता रमाकांत मिश्रा ने कोर्ट में अपील करते हुए कहा कि जिला प्रशासन के अधिकारी, कलेक्टर, इस जमीन पर हो रहे उत्खनन पर रोक लगाएं। वहीं कोर्ट ने इस पूरे मामले में अब शासन और केंद्र सरकार के रक्षा मंत्रालय विभाग से शपथपत्र पर जवाब मांगा है।

राजनांदगांव में कांस्टेबल भर्ती में धोखाधड़ी के आरोपों के बीच राज्य सरकार ने एसआईटी जांच के आदेश दिए

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ सरकार ने अनियमितताओं के आरोपों के बीच राज्य के राजनांदगांव जिले में पुलिस कांस्टेबल की भर्ती प्रक्रिया रद्द कर दी और मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया।

एक अधिकारी ने कहाइस संबंध में आदेश बुधवार को राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दिए। शर्मा ने कहा, राजनांदगांव की 8वीं बटालियन में चल रही भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताएं सामने आईं और इस संबंध में 17 दिसंबर को लालबाग थाने में मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने अब तक इस मामले में चार पुलिस कांस्टेबल, इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के दो कर्मचारी और एक महिला उम्मीदवार समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है।अधिकारी ने कहा कि 16 नवंबर से राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, कबीरधाम (कवर्धा) और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिलों के उम्मीदवार यहां भर्ती प्रक्रिया में भाग ले रहे हैं।

जांच के दौरान पुलिस कांस्टेबल अनिल रत्नाकर ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। शर्मा ने बताया कि रत्नाकर के पास से एक नोट मिला है, जिसमें दावा किया गया है कि भर्ती में कथित अनियमितताओं में कर्मचारियों को निशाना बनाया जा रहा है और अधिकारियों को बचाया जा रहा है। राजनांदगांव (रेंज) के पुलिस महानिरीक्षक दीपक झा ने रत्नाकर की आत्महत्या की जांच के लिए एसआईटी गठित कर 10 दिन में रिपोर्ट मांगी है।

इस बीच, पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ने भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जांच राजनांदगांव नगर पुलिस

अधीक्षक पुष्पेंद्र नायक को सौंप दी है। गर्ग ने यह भी कहा कि जिला पुलिस बल कांस्टेबल संवर्ग चयन परीक्षा 2023-24 की भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने का आदेश अभी तक राज्य सरकार से प्राप्त नहीं हुआ है।

पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने के राज्य सरकार के फैसले का स्वागत किया। सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया, आज सुशासन दिवस के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्री @vishnudsai के नेतृत्व में गृह मंत्री श्री @vijaysharmacg ने राजनांदगांव पुलिस भर्ती मामले का तत्काल संज्ञान लेकर पूरी भर्ती को निरस्त करने का सराहनीय निर्णय लिया।

विपक्षी कांग्रेस भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं के मुद्दे पर राज्य की विष्णु साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर हमला बोल रही है।

सुशासन का एक वर्ष में नक्सलवाद के कारण बंद पड़े 28 स्कूलों का हुआ पुन: संचालन

बीजापुर। जिला प्रशासन की अभिनव पहल स्कूल चले अभियान के फलस्वरूप सरकार के गठन के एक वर्ष के कार्यकाल में बीजापुर जिले में नक्सलवाद के कारण बंद पड़े 28 स्कूलों को पुन: संचालित कर इसमें 962 नये विद्यार्थियों को प्रवेश लेकर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा गया है। इन स्कूलों में 12 स्कूल अतिसंवेदनशील माओवाद ग्रसित इलाकों के हैं जहां 20 वर्षों से स्कूल की गतिविधियां पूरी तरह से बंद थी। इन इलाकों में स्कूल खोलकर जिला प्रशासन ने स्थानीय बेरोजगारों को शिक्षादूत के रूप में नियुक्ति कर नई शुरुआत की है तथा बच्चों को बुनियादी सुविधाओं के साथ शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई गई है।

कलेक्टर संबित मिश्रा एवं सीईओ जिला पंचायत हेमंत नंदनवार के प्रयासों से बीजापुर के अंदरूनी गांव में अब विकास के साथ शिक्षा की किरण पहुंचने लगी है। कावडगांव, मुदवेन्डी, डुमरीपालनार, हिरोली, हिरामगुण्डा, कुरूस, ईसुलनार जैसे गांव में अब गोलियों की गुंज और बारूद के धमाके

की दहशत को तोड़कर क, ख, ग, घ की आवाज सुनाई देने लगी है। स्कूल की घंटी बजते ही आकर्षक वेशभूषा में स्कूल को और दौड़ते बच्चें बदलते बीजापुर की कहानी गढ़ रहे हैं। चालू शिक्षा सत्र में स्कूल चलो अभियान के तहत जिले में 28 बंद स्कूलों को पुन संचालित कर 962 बच्चों को स्कूल से जोड़ने में जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग सफल हुआ है। इन स्कूलों में नये भवन निर्माण की कार्यवाही प्रारंभ की गई है जो आगामी शिक्षा सत्र के पूर्व बच्चों के लिए सुलभ हो जायेगी।

शिक्षा में गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन की नई पहल निपुण बीजापुर को विद्यार्थियों के बीच काफी समर्थन मिल रहा है। निपुण बीजापुर कार्यक्रम से गांव-गांव के स्कूलों में गीत, कविताओं और खेल-खेल की गतिविधियों के माध्यम से एफएलएन के लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। जिले के 777 प्राथमिक और 201 माध्यमिक शालाओं में निपुण बीजापुर के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित कर गतिविधि आधारित बालक केन्द्रीत शिक्षा सभी 96 संकुलों में संचालित की जा रही है। पाठ आधारित गतिविधियों को सहायक शिक्षण सामग्री एवं स्वयं की गतिविधियों से शिक्षक कक्षाओं में आयोजित कर बच्चों को रोचक शिक्षा से जोड़कर बुनियादी दक्षता को विकसित करने कार्य कर रहे है। छोटे-छोटे विडियों क्लिप्स बनाकर शैक्षणिक गतिविधियों को संकुल तथा ब्लॉक स्तर पर प्रसारित कर शैक्षणिक वातावरण को रोचक और आसान बनाते हुए बच्चों का रूझान कक्षाओं की तरफ बढ़ाया गया है। इस कार्यक्रम से जहां बच्चों के सीखने की उपलब्धि के स्तर में वृद्धि हो रही है वही दर्ज संख्या के अनुपात में औसत उपस्थिति का प्रतिशत बढ़ा है।

कोंडागांव की हेमबती नाग को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

रायपुर। कोंडागांव की बिटिया हेमबती नाग को वीर बाल दिवस पर प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार - 2024 से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने हेमबती नाग को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित समारोह में सात श्रेणियों में 17 बच्चों को नेशनल चाइल्ड अवॉर्ड दिया गया।

नेशनल चाइल्ड अवॉर्ड देने के बाद राष्ट्रपति ने सभी पुरस्कार विजेता बच्चों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि बच्चों ने असाधारण काम करते हुए अद्भुत उपलब्धियां हासिल की हैं। देश के बच्चों के लिए एक मिसाल कायम की है। दिल्ली में हेमबती नाग को नेशनल चाइल्ड अवॉर्ड मिलने पर सीएम विष्णुदेव साय ने खुशी जताई है। उन्होंने एक्स पर हेमबती को ये सम्मान मिलने पर बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सीएम ने लिखा- शाबाश बिटिया! राष्ट्रीय जुडो खिलाड़ी, कोंडागांव की बिटिया हेमबती नाग को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार मिलना पूरे प्रदेशवासियों के लिए गर्व का विषय है। हेमबती ने कठिन परिस्थितियों में भी अपना हौसला नहीं खोया।अपनी अथक मेहनत और कड़े संघर्ष से कई पदक जीतकर प्रदेश का नाम रौशन किया। हमारी सरकार ऐसे प्रतिभावान बच्चों को प्रोत्साहित करने और उनके सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। निश्चित ही बिटिया की यह उपलब्धि प्रदेश की अन्य बेटियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। बिटिया हेमबती को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं। हेमबती नाग 15 साल की है। आईटीबीपी की 41वीं बटालियन से साल 2020 से प्रशिक्षण लेने के बाद हेमबती ने खेलो इंडिया नेशनल गेम्स में रजत पदक जीता। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर की अन्य प्रतियोगिताओं में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर छत्तीसगढ़ का परचम लहराया है। जिसके लिए बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

डेयरी, मत्स्य और पैक्स के जरिए बढ़ेगा रोजगार 300 से ज्यादा समितियों का शुभारंभ

सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाने के लिए मंत्री केदार कश्यप का बड़ा ऐलान

जगदलपुर। डेयरी और मत्स्य पालन के क्षेत्र में लोगों को नए रोजगार देने की कवायद सरकार ने शुरू कर दी है। सरकार की कोशिश है कि सहकारिता आंदोलन के जरिए लोगों के हाथों को ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत बनाया जाए। इसी कड़ी में मंत्री केदार कश्यप ने गुरुवार को 300 से ज्यादा बहुउद्देशीय पैक्स, मिल्क डेयरी और मत्स्य पालन से जुड़ी सहकारी समितियों का आगाज किया। इस आयोजन से केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह भी वर्चुअली जुड़े।

सहकारी समितियों की सुविधाएं बढ़ाना सरकार का मकसद है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और मजबूत बनाने के इरादे से 300 से ज्यादा राज्य में गठित पैक्स, डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियों का शुभारंभ किया गया। दिल्ली से केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह जुड़े। इस मौके पर 10 हजार से ज्यादा बहुउद्देशीय पैक्स, मत्स्य और डेयरी समितियों का शुभारंभ किया गया।

केदार कश्यप ने कहा किसानों को समय पर खाद बीज मिले इसकी सुविधा को और मजबूत बनाया जा रहा है। 500 से ज्यादा बहुउद्देशीय पैक्स के गठन की तैयारी चल रही है। राज्य में दुग्ध उत्पादन करने वाले किसानों की संख्या में भी इजाफा किया जाए इसकी व्यवस्था की जा रही है। राज्य दुग्ध उत्पादन संघ ने इसके लिए करार भी कंपनियों के साथ किए हैं।

केदार कश्यप ने कहा कि बीते दिनों महतारी वंदन योजना की लिस्ट में फर्जी नाम भी सामने आया है। हमारी कोशिश है कि पूरी प्रक्रिया की जांच कराकर ऐसे फर्जी और धोखेबाजों को पकड़ा जाए। ऐसे लोग किसी का हक मार रहे हैं उनको बख्शा नहीं जाएगा। आपको बता दें कि बस्तर में सनी लियोनी का नाम महतारी वंदन योजना की लिस्ट में शामिल कराकर फर्जीवाड़ा किया जा रहा था।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

एक ही परिवार के धर्मांतरित 7 सदस्यों ने घर वापसी की

जगदलपुर। बस्तर जिले के ग्राम सेमरा के डोंगरीगुड़ा पारा में एक ही परिवार के 7 धर्मांतरित शिवराम नाग, सोनमती नाग, सुकदेई, सुष्मिता, सिद्धी, स्नेहा, कृतिका जो अपने मूल धर्म से भटक कर दूसरे सम्प्रदाय में चले गए थे वे पुन: अपने हिन्दू धर्म में वापस आने का फैसला लिया है। घर वापसी समारोह में माहरा समाज की मुख्य भूमिका रही जिसमें स्थानीय बजरंग दल के पदाधिकारी और समाज के सदस्य उपस्थित थे। समारोह में धर्मांतरित लोगों ने अपने पूर्वजों के धर्म में वापस आने की घोषणा की और अपने नए जीवन की शुरुआत की। परिवार के मुखिया ने कहा कि घर वापसी हमारे लिए एक नए युग की शुरुआत है। हम अपने पूर्वजों के धर्म में वापस आने के लिए उत्साहित हैं और समाज में एकता और सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह जानकारी आज गुरूवार को माहरा समाज के संरक्षक व विहीप के उपाध्यक्ष परम चालकी ने दी। घर वापसी कार्यक्रम में माहरा समाज से धबलू, सम्पत, गुरुबंधु, धनुर्जय, तुला, गंगा भवानी, भागिरथी, लक्ष्मण, सोमारु, रनदेव आदि उपस्थित थे।

जगदलपुर-राउरकेला इंटरसिटी एक्सप्रेस 29 को नहीं चलेगी

जगदलपुर। बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर से प्रस्थान करने वाली गाड़ी संख्या (18108) जगदलपुर-राउरकेला इंटरसिटी एक्सप्रेस 29 दिसंबर को नहीं चलेगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के. संदीप ने बताया कि 29 दिसंबर को राउरकेला से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या (18107) राउरकेला-जगदलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस रद्द रहेगी। उन्होंने बताया कि दक्षिण पूर्व रेलवे के अंतर्गत राउरकेला - झारसुगुड़ा खंड में कंसबहल- राजगांगपुर-सागर-गारपोश स्टेशनों पर सुरक्षा संबंधी विकास कार्य का काम किया जाएगा, इसके चलते एक दिन के लिए राउरकेला इंटरसिटी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

गैस सिलेंडर बदलते समय लगी आग

रायगढ़। कोतरा रोड थाना क्षेत्र अंतर्गत हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में चौथी मंजिल मकान नंबर 104 में गैस सिलेंडर बदलते समय आग लग गई। यह मकान रेलवे में लोको पायलट प्रवीण का है। बताया जा रहा है कि कॉलोनी में रहने वाले एक शख्स से बहादुरी का परिचय देते हुए जलते हुए सिलेंडर को कमरे के बाहर निकाला। तब तक रसोई कमरा पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था। आग लगने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को इस मामले की जानकारी दी। इसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए जिंदल से फायर ब्रिगेड मंगवाया गया। दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर पानी की बौछार से आग पर काबू पाया, तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली। फायर ब्रिगेड के कर्मचारी एस के केशरवानी ने बताया कि डायल 112 के माध्यम से हमे अटल आवास में आग लगने की सूचना मिली। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए जिंदल के फायर ब्रिगेड के साथ मिलकर आग को बुझाया गया है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से मकान में आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

पंचायत सचिव को सीईओ ने किया निलंबित

बीजापुर। जनपद पंचायत भोपालपटनम के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सचिव रिंदु दुर्गम को कर्तव्य में लापरवाही एवं अनुशासनहीनता के कारण सीईओ जिला पंचायत ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा अनुशासन तथा अपील नियम 1998 के नियम 3 (1) (एक)(दो)(तीन) के तहत निलंबित करते हुए रिंदु दुर्गम का मुख्यालय कार्यालय जनपद पंचायत भोपालपटनम नियत किया गया है। यह कार्रवाई उच्च अधिकारियों के दिये गए निर्देशों का लगातार अवहेलना, कर्तव्य के प्रति लापरवाही एवं स्वेच्छाचारिता के कारण की गई है। शासन की महत्वकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छ भारत मिशन के निर्माण कार्यों में नियत तिथि तक पूर्ण कराने फील्ड विजिट कर प्रगति लाने के निर्देश दिए गए थे, किंतु संबंधित सचिव द्वारा अपने कर्तव्य के प्रति उदासीनता और लापरवाही बरती गई, जिसके कारण कार्यों में प्रगति प्रभावित हुई है।

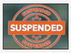

अज्ञात वाहन ने मिचनार जा रहे दो युवकों को मारी टक्कर

जगदलपुर। लोहंडीगुड़ा स्थित मिचनार घूमने के लिए जा रहे दो युवकों को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवकों की मौत हो गई। वहीं, इस घटना का पता चलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मामले की जानकारी लगते ही परिजनों का अस्पताल में आना शुरू हो गया है। बताया जा रहा है कि शहर के आठ-नौ युवक बुधवार को लोहंडीगुड़ा स्थित मिचनार घूमने के लिए अपनी बाइक और स्कूटी से निकले थे। मिचनार से पहले ही एक अज्ञात वाहन ने अमन और याकूब की स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवकों के सिर में चोट लग गई। उन्हें इलाज के लिए मेकाज ले जाया जा रहा था, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही दोनों की मौत हो गई। इस घटना की जानकारी लगते ही परिजनों के साथ ही दोस्त और रिश्तेदार मेकाज पहुंचे। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि दोनों युवक शहर के विद्या ज्योति स्कूल में पढ़ाई कर रहे थे।

लक्की ड्रॉ निकलने का लालच और प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर 1 लाख 96 हजार की ठगी

यूपी से गिरफ्तार हुआ आरोपी

राजनांदगांव। मोबाइल नंबर में लक्की ड्रॉ निकलने का लालच और प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर 1 लाख 96 हजार 700 रुपए की ठगी करने वाले आरोपी राधाकृष्णा यादव उर्फ राधे को उत्तरप्रदेश के झांसी गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 31 मई 2024 को खैरागढ़ जिले के ग्राम मडौदा निवासी किरण साहू ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसके मोबाइल नंबर पर अज्ञात मोबाइल धारक द्वारा आपका नंबर लक्की ड्रा में सलेक्ट हुआ है और 10 लाख रुपए का लॉटरी लगा है, का झांसा देकर फाईल चार्ज एवं अन्य चार्ज के नाम से एक लाख 96 हजार 700 रुपए छल

पूर्वक जमा कराने की रिपोर्ट पर खैरागढ़ थाना में धारा-420 भादवि 66 डीआईटी एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मुखबिर से आरोपी के झांसी में होने की संभावना पर खैरागढ़ थाना क्षेत्र के चौकी जालबांधा एवं सायबर सेल की संयुक्त टीम तैयार कर झांसी रवाना किया गया, जहां टीम द्वारा संदेही राधाकृष्णा यादव उर्फ राधे (23) थाना ईरच जिला झांसी उत्तरप्रदेश से पूछताछ पर बताया कि प्रार्थी को स्वयं को केवीसी हेड ऑफिस न्यू दिल्ली का अधिकारी एवं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का मैनेजर बनकर घटना दिनांक को फोन कर उसका 10 लाख का लाटरी लगने का लालच देकर प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर एक लाख 96 हजार 700 रुपए छलपूर्वक जमा करा लिया था। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल जब्त किया गया। आरोपी राधाकृष्णा यादव द्वारा प्रकरण में धारा 419, 468, 471, 201 भादवि का भी अपराध में घटित करना पाए जाने से प्रकरण में धारा जोड़ी गई। विधिवत गिरफ्तार कर आरोपी के विरूद्ध विधिवत कार्रवाई कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

स्वास्थ्य सेवाओं में रायगढ़ मेडिकल कॉलेज ने रचा नया आयाम

स्वर यंत्र कैंसर का इलाज कर मरीज को दिया जीवनदान

रायगढ़। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की प्राथमिकता पर स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए रायगढ़ मेडिकल कॉलेज ने एक और सफलता हासिल की है। स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय ने स्वर यंत्र कैंसर से पीड़ित जशपुर निवासी सुशील मुंडा (33 वर्ष) का सफल ऑपरेशन कर मरीज को नया जीवन प्रदान किया।

यह ऑपरेशन कान, नाक, गला (ईएनटी) विभाग के विशेषज्ञ सर्जनों ने डीन डॉ. विनीत जैन और अस्पताल अधीक्षक डॉ. मनोज मिंज के मार्गदर्शन में किया। ऑपरेशन का नाम टी.एल.पी.पी. (टोटल लेरिंजेक्टमी पार्शियल फेरिंजेक्टमी) है, जिसमें स्वर यंत्र, श्वास नली और खाद्य नली के ऊपरी हिस्से को हटाकर पुनर्निर्माण किया गया।

मरीज सुशील मुंडा, जशपुर निवासी के लिए यह एक विकट स्थिति थी। वह पिछले दो वर्षों से खांसी की समस्या से पीड़ित था और पिछले छह महीनों से उसकी आवाज पूरी तरह से बंद हो गई थी। वह कई जगह इलाज कराया, लेकिन निराश होकर अंतत: मेडिकल कॉलेज रायगढ़ पहुंचा। नाक, कान, गला रोग विभाग में उसकी विभिन्न प्रकार की जांचें की गईं, जिनसे पता चला कि वह स्वर यंत्र के कैंसर से पीड़ित हैं। इसका इलाज महंगा होता है और आमतौर पर बड़े महानगरों में ही संभव होता है। हालांकि, कान, नाक, गला रोग विभाग के विशेषज्ञ सर्जनों ने उन्हें आश्वासन दिया कि यह इलाज मेडिकल कॉलेज रायगढ़ में भी संभव है। सर्जनों ने इलाज की पूरी प्रक्रिया को विस्तार से समझाया।

मरीज की सहमति के बाद विभिन्न विभागों ने मिलकर सर्जरी की तैयारी की गई। कान नाक गला रोग विभाग की सर्जन टीम में विभागाध्यक्ष डॉ जया साहू , डॉ दिनेश पटेल सहप्राध्यापक ,डॉ नीलम नायक सहायक प्राध्यापक, डॉ आयुषी सिंह ,डॉ अनिल कुमारी, डॉ स्वाति पवार, डॉ रमेश पटेल ,डॉ भावेश साहू, डॉ खुशबू पटेल, निश्चेतना विभाग टीम के विभागाध्यक्ष डॉ. एएम लकड़ा द्वारा जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक किया और मेडिसिन विभाग के सह प्राध्यापक डॉ जितेन्द्र नायक का भी सहयोग रहा।

संक्षिप्त समाचार

वीर बाल दिवस पर गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों को सीएम साय ने किया नमन

रायपुर। गुरुवार को देशभर में वीर बाल दिवस मनाया गया। इस दिन सिखों के दसवें गुरु गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह की वीरता को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। सीएम विष्णुदेव साय ने भी गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों को वीर बाल दिवस पर याद किया। एक्स पर पोस्ट कर उन्होंने लिखा- वीर बाल दिवस पर गुरु गोबिंद सिंह के अमर बलिदानी साहिबजादों की वीरता को कोटि-कोटि नमन। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष पहल करते हुए वर्ष 2022 में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस घोषित किया। छोटी सी उम्र में साहिबजादों का यह बलिदान देश-प्रदेश के बच्चों को राष्ट्र की संस्कृति और धर्म की रक्षा की प्रेरणा देगा।

नगरीय निकाय-पंचायत चुनाव की तैयारियां अंतिम चरण में : अरुण साव

रायपुर। नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव की तारीख के ऐलान पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि सरकार की तैयारियां अंतिम चरण में है। सरकार की अलग-अलग एजेंसियां, विभाग काम कर रहे हैं। एक चरण का आरक्षण का बचा हुआ है। बहुत जल्द आरक्षण प्रक्रिया खत्म हो जाएगी। चुनाव आयोग जल्द चुनाव कार्यक्रम तय करेगा। हरियाणा के तर्ज पर छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल के विस्तार पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि यह मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है। मुख्यमंत्री केंद्रीय मंत्रियों से बातचीत कर निर्णय करेंगे। वहीं राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत के छत्तीसगढ़ दौरे पर कहा कि मोहन भागवत देशभर में प्रवास करते हैं। वे जिनसे मिलेंगे, उनसे मिलना तय रहेगा।

सैनिक स्कूल में प्रवेश के लिए आवेदन शुरू, 6 जिलों में बनेंगे एग्जाम सेंटर

रायपुर। ऑल इंडिया सैनिक स्कूल्स एंट्रेंस एग्जामिनेशन 2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। 13 जनवरी की शाम 5 बजे तक आवेदन किए जा सकते हैं। इस परीक्षा के माध्यम से कक्षा छठवीं और नवमीं में प्रवेश दिए जाएंगे। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से परीक्षा की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। देश के 89 सैनिक स्कूलों में प्रवेश के? लिए यह परीक्षा हो रही है। इस परीक्षा के लिए देश के 190 शहरों में परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। 33 स्कूलों में कक्षा छठवीं और नवमीं में प्रवेश दिए जाएंगे, जबकि 39 स्कूलों में नए स्कूलों में कक्षा छठवीं में एडमिशन होंगे। इसी तरह 17 नए स्कूलों में कक्षा नवमीं में एडमिशन दिए जाएंगे। परीक्षा शुल्क सामान्य, ओबीसी के लिए 800 रुपए और एससी व एसटी वर्ग के लिए 650 रुपए है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के 6 जिलों बिलासपुर, सरगुजा, बस्तर, कांकेर और रायगढ़ में एग्जाम सेंटर बनेंगे। परीक्षा को लेकर विस्तृत जानकारी वेबसाइट https://exams.nta.ac.in/AISSEE पर जारी की गई है।

राजधानी में दवा कारोबारी से लाखों की ठगी, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर। राजधानी में दवा कारोबारी से दवाई सप्लाई का झांसा देकर लाखों रुपयों की ठगी का मामला सामने आया है। शातिर ठगों ने कारोबारी को एक ब्रांडेड कंपनी हिंदुस्तान एंटीबायोटिक्स लिमिटेड कंपनी के नाम से मेल ऑर्डर लेने के लिए मेल किया था, जिसके झांसे में फंसकर कारोबारी ने करीब 7.88 लाख का किया ऑनलाइन पेमेंट कर दवाईयां ऑर्डर की थी, लेकिन दवाइयां डिलिवर नहीं हुई। पीड़ित कारोबारी कमलजीत बग्गा ने जब हिंदुस्तान एंटीबायोटिक्स कंपनी से संपर्क किया तब फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। पीड़ित दवा कारोबारी ने देवेंद्र नगर थाने में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस ने मामले में अज्ञात ठगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पटवारियों ने किया ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार, बैरंग लौटने मजबूर जरूरतमंद

रायपुर। प्रदेश भर के पटवारियों का संसाधनों की मांग को लेकर ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार जारी है, जिसकी वजह से पटवारी कार्यालयों से जरूरतमंद बैरंग लौट रहे हैं। प्रदेश भर के 5 हजार पटवारियों ने 16 दिसंबर से ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार किया हुआ है, जिसकी वजह से राजस्व से संबंधित सभी प्रकार के ऑनलाइन कार्य बंद है। यही नहीं विभाग का मैदानी कामकाज भी पूरी तरीके से ठप पड़ा है। रही-सही कसर पटवारियों ने सरकारी व्हाट्सएप ग्रुप से भी लेफ्ट हो गए हैं।

छत्तीसगढ़ में भाजपा नेता के बेटे पर जानलेवा हमला, घर जाने के दौरान घेरा

भिलाई/दुर्ग। दुर्ग में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। इस बार भाजपा नेता और पूर्व पार्षद रॉबर्ट कामिल के बेटे पर जानलेवा हमला हुआ है। यह पूरी घटना देर रात की है। पूर्व पार्षद का बेटा अपने घर की ओर जा रहा था, तभी कुछ लोगों ने उसे घेर लिया और उसके साथ विवाद करने लगे। इसके बाद उसका अपहरण करने की भी कोशिश की गई, लेकिन भाजपा नेता का बेटा वहां से भाग निकला। फिर लाठी डंडे और हॉकी स्टिक से उसकी पिटाई की गई। बदमाश जब पार्षद पुत्र की पिटाई कर रहे थे, उसी दौरान वहां डायल 112 टीम पेट्रोलिंग कर रही थी। डायल 112 की गाड़ी देख बदमाश वहां से भाग निकले। डायल 112 ने तत्काल युवक को अस्पताल पहुंचाया और उसके परिजनों को इसकी सूचना दी। फिलहाल युवक का सेक्टर 9 के अस्पताल में इलाज चल रहा है। अब भिलाई नगर कोतवाली पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है और आसपास के सीसीटीवी खंगाल रही है।

प्रधानमंत्री आज 58 लाख स्वामित्व संपत्ति कार्डों के ई-वितरण समारोह की अध्यक्षता करेंगे

स्वामित्व योजना 2 करोड़ संपत्ति कार्ड के मील के पत्थर को पार करेगी, इससे 50 हजार गांवों को लाभ होगा और संपत्ति अधिकारों को बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली-रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 27 दिसंबर (शुक्रवार) को दोपहर 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्वामित्व संपत्ति कार्डों के ई-वितरण की अध्यक्षता करेंगे, जो भारत में ग्रामीण सशक्तीकरण और सुशासन यात्रा में एक अहम चरण होगा। इस कार्यक्रम में 10 राज्यों ङ्क छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और 2 केंद्र शासित प्रदेशों ङ्क जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के लगभग 50 हजार गांवों में 58 लाख स्वामित्व संपत्ति कार्ड वितरित किए जाएंगे । यह कार्यक्रम स्वामित्व योजना के तहत 2 करोड़ से अधिक संपत्ति कार्ड तैयार करने और वितरण करने और एक ही दिन में 58 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित करने की एक बड़ी उपलब्धि को भी चिह्नित करेगा।

इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री चयनित लाभार्थियों से बातचीत करेंगे और राष्ट्रव्यापी संबोधन देंगे। इस अवसर पर केंद्रीय पंचायती राज मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ??ललन सिंह, केंद्रीय पंचायती राज राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल और पंचायती राज मंत्रालय के सचिव श्री विवेक भारद्वाज भी मौजूद रहेंगे। इस समारोह में कई मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि और हितधारक भी वर्चुअल रुप से सम्मिलित होंगे। संपत्ति कार्ड के क्षेत्रीय वितरण समारोह में देश भर में करीब 13 स्थानों पर केंद्रीय मंत्री भी सम्मिलित होंगे।

पंचायती राज मंत्रालय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सहयोग से स्वामित्व योजना के बारे में अधिक से अधिक जानकारी और जागरूकता फैलाएगा और 27 दिसंबर को देश भर में लगभग 20,000

स्थानों पर अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करके मंत्रालय की राष्ट्रीय और अन्य प्रमुख पहलों को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

स्वामित्व योजना के तहत प्रमुख उपलब्धियां

ड्रोन मैपिंग कवरेज : 3.17 लाख गांवों में सर्वेक्षण पूर्ण हुआ।

संपत्ति कार्ड वितरण : 1.49 लाख गांवों में 2.19 करोड़ से अधिक संपत्ति कार्ड तैयार किए गए।

बेहतर सुशासन : डिजिटल रूप से मान्य संपत्ति अभिलेखों ने स्थानीय सुशासन को मजबूत किया है और ग्राम पंचायत विकास योजनाओं (जीपीडीपी) को प्रोत्साहन दिया है।

वित्तीय समावेशन - संपत्ति कार्डों ने संस्थागत ऋण तक पहुंच को आसान बना दिया है, जिससे ग्रामीण नागरिक सशक्त हुए हैं।

महिला सशक्तिकरण - संपत्ति के कानूनी स्वामित्व ने महिलाओं को बढ़ी हुई वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा प्रदान की है।

विवाद समाधान - सटीक संपत्ति मानचित्रण से संपत्ति विवादों में काफी कमी आई है।

स्वामित्व - ग्रामीण भारत के लिए एक परिवर्तनकारी योजना

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 24 अप्रैल 2020 (राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर) को शुरू की गई स्वामित्व योजना का उद्देश्य ड्रोन और जीआईएस तकनीक का उपयोग करके ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में संपत्ति मालिकों को अधिकारों का रिकॉर्ड प्रदान करना है। कोविड-19 महामारी द्वारा उत्पन्न अभूतपूर्व चुनौतियों के बावजूद, प्रधानमंत्री ने 11 अक्टूबर 2020 को संपत्ति कार्ड के पहले सेट को वर्चुअली वितरित किया, जो इस परिवर्तनकारी पहल के लिए सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। स्वामित्व योजना वित्तीय समावेशन, ग्रामीण स्थिरता और आर्थिक विकास लाने के लिए अंतर-विभागीय तालमेल को बढ़ावा देते हुए संपूर्ण-सरकारी दृष्टिकोण का उदाहरण है। इसने न केवल संपत्ति मालिकों को सशक्त बनाया है, बल्कि ग्रामीण भारत में बेहतर बुनियादी ढांचा नियोजन, वित्तीय स्थिरता और सतत विकास को भी सक्षम बनाया है।

सीडब्ल्यूसी की बैठक से पहले कांग्रेस के पोस्टर पर विवाद

भारत का गलत नक्शा दिखाने का ओपी चौधरी का आरोप

रायपुर। कर्नाटक के बेलगावी में कांग्रेस का दो दिवसीय अधिवेशन चल रहा है। अधिवेशन की शुरुआत से पहले ही भारत के नक्शे पर विवाद खड़ा हो गया। भारतीय जनता पार्टी का आरोप है कि भारत का गलत नक्शा अधिवेशन के पोस्टर में दिखाया गया। बीजेपी ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस ने संविधान की मर्यादा को तार तार कर दिया, संविधान की शपथ का खुला उल्लंघन किया है। अधिवेशन में कांग्रेस के लगाए पोस्टर पर लगातार विवाद बढ़ता ही जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला है। कांग्रेस पर प्रहार करते हुए ओपी चौधरी ने एक्स पर पोस्ट किया है। अपने पोस्ट में चौधरी ने लिखा है कि कांग्रेस ने संविधान की शपथ लेकर उसका खुला उल्लंघन किया है। देश को बांटकर राज करने का काम किया। भारत का गलत नक्शा पेश कर देश के लाखों करोड़ों लोगों का दिल दुखाया है।

ओपी चौधरी ने कहा मोहब्बत की दुकान चलाने वाले कांग्रेस के नेता विभाजन की दुकान चला रहे हैं। ये देश

को बांटने वाला काम कर रहे हैं। कांग्रेस का ये कृत्य पूरे देश देख रहा है।

भारत का गलत नक्शा दिखाए जाने का आरोप लगाते हुए बीजेपी लगातार कांग्रेस पर हमलावर है। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे पर भारतीय जनता पार्टी सवाल खड़े कर रही है। ओपी चौधरी ने पूछा है कि मोहब्बत की दुकान में ये विभाजन का सामान कहां से आ रहा है। आरोप है कि कांग्रेस के बेलगावी अधिवेशन में जो भारत का नक्शा दिखाया गया उसमें पाक अधिकृत जम्मू कश्मीर का भी हिस्सा था। पोस्टर पर विवाद बढ़ने के बाद अधिवेशन से वो पोस्टर हटा लिया गया है।

बेलगावी पहुंचे भूपेश बघेल

रायपुर। कर्नाटक के बेलगावी में कांग्रेस का दो दिवसीय अधिवेशन नव सत्याग्रह शुरु हो चुका है। गुरुवार से शुरु हुए कांग्रेस कार्यसमिति की विशेष बैठक में शामिल होने भूपेश बघेल भी पहुंचे हैं। दरअसल, बेलगावी सत्याग्रह के 100 साल पूरे होने पर कांग्रेस ने इस अधिवेशन का आयोजन किया है। 1942 में बेलगावी में कांग्रेस का 39वीं अधिवेशन हुआ था। आज उस अधिवेशन के 100 साल पूरे हो चुके हैं। अधिवेशन में शामिल होने पहुंचे भूपेश बघेल ने बेलगावी में ऐतिहासिक पंपा सरोवर के दर्शन किए। पूर्व सीएम ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि यही वो ऐतिहासिक कुंआ है जिसे बापू ने कांग्रेस अधिवेशन में आने वाले लोगों के लिए खुदवाया था। इसी पंपा सरोवर से लोगों के लिए पानी का इंतजाम किया गया था।

भूपेश बघेल ने कहा ये वह ऐतिहासिक कुंआ है जिसे महात्मा गांधी जी ने कांग्रेस अधिवेशन में आने वाले प्रतिनिधियों के लिए पानी का इंतज़ाम करने के लिए बनवाया था।

वीर बाल दिवस हम सभी की राष्ट्र निर्माण के प्रति जिम्मेदारी को समझने का देता है अवसर: साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को वीर बाल दिवस के अवसर पर अपने संदेश में बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के बलिदान को याद करते हुए कहा कि 26 दिसम्बर को हम सभी वीर बाल दिवस मना रहे हैं, जो हमारे लिए गर्व और प्रेरणा का दिन है। इस दिन सिख पंथ के

दसवें गुरु श्री गुरू गोबिंद सिंह जी के साहिबजादे, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह ने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। मैं उनकी शहादत को शत शत नमन करता हूँ।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने घोषणा की थी कि गुरू गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत की स्मृति में 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस मनाया जाएगा। यह आयोजन हमें उनके साहस और वीरता को याद करने तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने का अवसर देता है। गुरू गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों ने कभी अन्याय के सामने सिर नहीं झुकाया और अपनी संस्कृति, धर्म और देश के रक्षा के लिए जीवन का त्याग दिया। छोटी सी उम्र में साहिबजादों ने देश के लिए शहादत की जो प्रेरणा सबके समक्ष रखी, वो आदर्श हमेशा प्रकाश स्तंभ की तरह हमें राह दिखाएंगे।

महंत कालेज में मनाया गया वीर बाल दिवस

महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय में वीर बाल दिवस मनाया गया,इस मौके पर महाविद्यालय के शैक्षणिक स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी ने वीर बाल दिवस पर वक्तव्य रखते हुए बताया की वीर बाल दिवस सिक्ख संप्रदाय के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह के दो पुत्रों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की शहादत को चिंतन कर पुण्य स्मरण किया जा रहा है उन्होंने इस मौके पर दोनों वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की और बताया कि जिन्होंने छोटी उम्र में धर्म और सिद्धांतों की रक्षा के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया था ऐसे वीर सपूतों को याद किया जाना चाहिए.आप सभी छात्र-छात्राओं को दोनों बालकों की शहादत से प्रेरणा लेनी चाहिए जिससे आप अपने सामाजिक कर्तव्यों को समझ सकें और उनके पालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें क्योंकि छात्र एक सामाजिक प्राणी भी है .वहीं कार्यक्रम में इतिहास विभाग की शिक्षिका प्रोफेसर चरणजीत बजाज ने दोनों बालकों की शहादत को महत्वपूर्ण रेखांकित किया और उनकी जीवनी के अंश को प्रस्तुत करते हुए जानकारी रखी उन्होंने छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया कि इन बच्चों से शिक्षा लेकर ऐसे साहसी बनने की कोशिश की जानी चाहिए।

कथावाचक प्रदीप मिश्रा के बयान पर सियासत

■ **कांग्रेस ने दुबई के कार्यक्रम पर किया सवाल, उप मुख्यमंत्री साव ने झाड़ा पल्ला**

रायपुर। पंडित प्रदीप मिश्रा के सांता क्लाज को लेकर दिए गए विवादित बयान पर सियासत होने लगी है। एक तरफ कांग्रेस बयान को लेकर हमलावर है, तो वहीं भाजपा इस पूरे प्रकरण से अपना पल्ला झाड़ रही है।

कांग्रेस संचार विभाग प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पंडित प्रदीप मिश्रा कथावाचक हैं, राजधानी आए हैं, उनका स्वागत है। पंडित मिश्रा दुबई में चंद्राकर के आमंत्रण पर कथा करने गए थे। उनसे पूछना चाहिए कि उनसे-उनका क्या संबंध है। कुछ तो क्लू मिलेगा।

वहीं कथावाचक के बयान पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि धर्माचार्य के बयान पर मेरी कोई प्रतिक्रिया व्यक्त करना उचित नहीं है। मैं तो कहता हूं कि कल हमने छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता अटल बिहारी वाजपेई की 100वीं जयंती मनाई है।

आज छत्तीसगढ़ जिस दिशा में आगे बढ़ा है, वह अटल जी के कारण संभव हुआ है।

बता दें कि पंडित प्रदीप मिश्रा ने राजधानी रायपुर के सेजबहार में शिव महापुराण कथा का वाचन करते हुए राजधानी में सांता क्लाज के बिक रहे लाल कपड़े को लेकर टिप्पणी करते हुए कहा था कि अगर भारत की भूमि पर अगर किसी को पहनाना है तो अपने बच्चों को वीर शिवाजी, महाराणा प्रताप या झांसी की रानी अहिल्या बाई के कपड़े पहनाओ, पर अपने बच्चों को ऐसे कपड़े पहनाकर जोकर मत बनाओ, जिससे उनकी हंसी उड़ जाए।

उन्होंने आगे कहा कि सनातन धर्म की साख को मजबूत करिए। सनातन धर्म की साख को प्रबल बनाइए और सनातन धर्म को मजबूत करने का प्रयास करिए। अपना धर्म छोड़कर किसी दूसरे धर्म में जाकर जूठन मत खाइए। भले अपनी रूखी-सूखी हो, वो खाइए। अपने घर का खाओ, जैसा भी हो। घर की रोटी के आगे कोई रोटी अच्छी नहीं लगती।

पंडित ने सही कहा, इसमें गलत क्या है : बृजमोहन

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर, सेजबहार में चल रहे शिव महापुराण की कथा में प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने बिना नाम लिए एक धर्म विशेष पर टिप्पणी की, जिस पर अब सियासत भी हो रही है। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि पंडित मिश्रा ने सनातन को मजबूत करने, नए साल में शिवालयों में जाने की बात कही है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, पं. प्रदीप मिश्रा ने सही बात कही है, इसमें गलत क्या है। आज एक नई पीढ़ी एक अलग दिशा में जा रही है। सनातन नया वर्ष दिवाली नवरात्रि में होता है। नए वर्ष में मदिरा सेवन की परंपरा सनातन की परंपरा नहीं है।

भगवान भरोसे रायपुर स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था, नहीं हो रही सामानों की जांच

रायपुर। राजधानी के रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा को लेकर जिम्मेदारों की लापरवाही देखने को मिल रही है। रोजाना 50 हजार यात्रियों की आवाजाही होती है। देश-प्रदेश के कोने-कोने से लोग आते हैं। यात्री कौन का सामान लेकर आ रहा है, जा रहा है। इसकी पड़ताल के लिए लगाए गए स्कैनर मशीन का उपयोग ही नहीं किया जा रहा है। यहां तक मौके पर तैनात जवान भी नजर नहीं आते हैं रेलवे स्टेशन के सामने की तरफ से प्रवेश करने के लिए कुल तीन गेट हैं। वहीं एक गेट गुढ़ियारी की तरफ है। सुबह यात्रियों का सबसे ज्यादा आना-जाना होता है, क्योंकि रायपुर से आस-पास के जिलों में जाने वाले रायपुर रेलवे स्टेशन से जाते है। और बाहर प्रदेशों से बड़ी संख्या में ट्रेन रायपुर पहुंचती है। मीडिया की टीम ने करीब 10.20 मिनट में सुरक्षा व्यवस्था देखने पहुंची। तो मेन गेट में प्रवेश द्वार लगी स्कैनर मशीन चालू थी, लेकिन वहां चेकिंग करवाने वाले कोई नहीं था। न तो अधिकारी थे, और न ही कोई सुरक्षाकर्मी। ऐसे में यात्री अपने सामान की जांच बिना चेक करवाए आते-जाते नजर आए। सुबह करीब 10 से ही रायपुर के रेलवे के अधिकारी और पुलिस बल, रायपुर रेलवे स्टेशन में इंस्पेक्शन कर रहे थे। बता दे कि अमृत स्टेशन योजना के तहत रायपुर रेलवे स्टेशन को री-डेवलपमेंट करने का काम तेजी से चल रहा है। जिसको लेकर निरीक्षण किया जा रहा है। ठीक उसी समय अधिकारी स्कैनर मशीन के पास से गायब थे।

विवादों के घेरे में भाजपा मंडल अध्यक्ष की नियुक्तियां, भाजपा ने रद्द की दो जगहों की नियुक्ति

बाकी जगहों पर फैसला आज, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव बोले- पार्टी और कार्यकर्ताओं के हित में लेंगे निर्णय

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भाजपा मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद कई जगह कार्यकर्ताओं ने इसका विरोध किया है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कार्यकर्ताओं की शिकायत पर माना और कवर्धा के पिपरिया मंडल अध्यक्ष की नियुक्ति को रद्द कर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, शुक्रवार को भाजपा कार्यालय में बैठक होगी, जिसमें बाकी विवादित जगहों की चर्चा कर पार्टी और कार्यकर्ताओं के हित में निर्णय लेंगे।

बता दें कि शुक्रवार को फाइनल अध्यक्षों के नाम का पैनल तय हो सकता है। जिला अध्यक्षों के नामों का पैनल भी फाइनल किया जाएगा। 29 दिसंबर को दिल्ली में संगठन की बैठक होगी, जहां अंतिम मुहर लगेगा। भाजपा मंडल अध्यक्ष चुनाव विवाद पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा, चर्चा के बाद विवादित मंडल अध्यक्षों पर निर्णय लिया जाएगा। बीजेपी का बड़ा परिवार है। एक दो जगहों पर इस तरह के प्रॉब्लम आते हैं। बैठकर पार्टी और कार्यकर्ताओं के हित में निर्णय लेंगे। जहां-जहां विवाद है उस पर बात करेंगे।

शिकायत पर चर्चा के बाद लेंगे फैसला : उपासने

इस मामले में भाजपा पुनर्विचार समिति के सहसंयोजक सच्चिदानंदन उपासने ने कहा कि लगातार शिकायत मिल रही थी, जिसके बाद कुछ जगह की नियुक्ति रद्द हुई है। इसमें माना मंडल, पिपरिया मंडल जैसे मंडल शामिल हैं। जीतने नियुक्ति निरस्त हो रहे या स्थगित हुए हैं उन सभी के चुनाव जिला चुनाव के बाद होंगे। उन्होंने कहा, 27 दिसंबर को प्रदेश कार्यालय में बैठक बुलाई गई है, जिसमें जहां-जहां से शिकायत मिली है उस पर चर्चा की जाएगी। किसी की उम्र कम है, किसी के

खिलाफ अपराधिक प्रकरण दर्ज हुए हैं। प्रमाणित शिकायत पर बैठक होगी, जिसमें प्रदेश के लोगों को बुलाया गया है। शिकायतकर्ता को भी बुलाया गया है। जितनी भी नियुक्ति रद्द हुई है उसमें सुनवाई के बाद ही फैसला होगा।

बता दें कि भीमवंत निषाद को माना भाजपा मंडल अध्यक्ष बनाए गए थे, जिसका कार्यकर्ताओं ने विरोध किया था। भाजपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि कांग्रेस से आए भीमवंत निषाद को मंडल अध्यक्ष बनाया गया है, जिसके विरोध में भाजपा माना मंडल के सदस्य प्रदेश कार्यालय पहुंचकर वरिष्ठ नेताओं से शिकायत की थी। साथ ही विधायक मोतीलाल साहू के खिलाफ जमकर नारेबाजी की थी।

विधायक मोतीलाल पर कार्यकर्ताओं का अपमान करने का आरोप

बताया जा रहा है कि रायपुर ग्रामीण विधानसभा के अंतर्गत मेघुराम साहू का नाम सर्वसम्मति से मंडल अध्यक्ष के लिए तय किया गया था, जिसके बाद अचानक भीमवंत निषाद का नाम सामने आ गया। इसके बाद माना स्थित सामुदायिक भवन में तोड़फोड़ करते हुए कार्यकर्ताओं ने विधायक मोतीलाल साहू का विरोध किया था। कई कार्यकर्ता भाजपा विधायक की गाड़ी के सामने लेट गए थे। कार्यकर्ताओं ने विधायक साहू पर आरोप लगाया था कि उन्होंने कर्मठ मंडल अध्यक्ष को नियुक्त नहीं करके उनका अपमान किया है।

गरियाबंद जिले में भी मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति पर विवाद

गरियाबंद में भी भाजपाइयों ने जिले में हाल ही में किए गए मंडल अध्यक्षों की नियुक्तियों को लेकर विवाद खड़ा किया था। विशेष रूप से झाखरपारा और फिंगेश्वर मंडल में कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष है। झाखरपारा में उमाशंकर को मंडल अध्यक्ष बनाने का ऐलान पहले ही किया गया था, लेकिन अंतिम समय में भगवानो बेहेरा का नाम घोषित कर दिया गया, जिससे माली समाज के नेताओं में नाराजगी है। इस फैसले के खिलाफ बिंद्रानवागढ़ के नेता राजधानी रायपुर पहुंचकर नियुक्तियों में अनियमितता का आरोप लगाया था।

मालाओं से लाद मुंह मीठा कराया लिफाफा दूसरे नाम का खुला

जिलेभर में सबसे ज्यादा अप्रत्याशित नियुक्ति झाखरपारा मंडल मानी जा रही है। इलाका माली समाज बाहुल्य है। वोटर्स का 68 फीसदी हिस्सा माली समाज से आते हैं इसलिए भाजपा संगठन में पूर्व से माली समाज का दबदबा भी रहा है। झाखरपारा मंडल में ज्यादातर बड़े नेताओं ने मंडल अध्यक्ष के लिए उमाशंकर निधि के नाम पर सहमति दी थी। कॉन्फिडेंस इतना कि नाम के ऐलान से एक दिन पहले ही जश्न मना लिया गया। उमाशंकर को फूल मालाओं से लाद मुंह मीठा कराया गया। सोशल मीडिया में बधाई तक दे दी गई, लेकिन अगले दिन प्रभारी ने बंद लिफाफा से भगवानो बेहेरा का नाम खोल दिया था।

निचले स्तर पर अनियमितता का आरोप

अप्रत्याशित चयन को लेकर माली समाज के बड़े नेता बिन्द्रानवागढ़ के शीर्ष नेताओं के साथ राजधानी पहुंचकर वरिष्ठ नेताओं से शिकायत की थी। निचले स्तर पर अनियमितता का आरोप लगाकर कार्यकर्ताओं की भावना के साथ खिलवाड़ का आरोप लगाया था। भाजपा के ओबीसी प्रकोष्ठ के पूर्व जिला अध्यक्ष व माली समाज के अध्यक्ष नीलकंठ बीसी ने कहा था कि माहौल को असंतोषित करने के लिए कुछ लोगों की यह साजिश है। उमाशंकर पर सबकी सहमति बन गई थी। उन्होंने जल्द ही सामाजिक बैठक लेकर अपना रुख तय करने की बात कही थी।

फिंगेश्वर में बंद कमरे में हुई खींचतान

फिंगेश्वर मंडल में मंजुलता हरित को मंडल अध्यक्ष बनाया गया, ये भाजपा के वरिष्ठ नेता भगवत हरित की बहू है। नाम का ऐलान होते ही भरी बैठक में जमकर हंगामा हुआ। वायरल हुए वीडियो के मुताबिक बंद कमरे में कार्यकर्ता खींचतान करते भी दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि कार्यकर्ता मुकेश साहू पर सहमति दे रहे थे। हंगामा के बीच बड़े नेताओं पर परिवारवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया है। यहां का विवाद भी ऊपर तक पहुंच गया है।

आंबेडकर मामले को कांग्रेस कहां तक ले जा पाएगी

विजय विद्रोही

कहा जाता है कि मोदी या उनकी सरकार के मंत्रियों पर विपक्ष का कोई आरोप चिपकता नहीं है। लेकिन पहली बार आंबेडकर के कथित अपमान का आरोप अमित शाह को घेरते हुए मोदी और भागवत को भी अपने लपेटे में ले रहा है। सवाल यह भी उठता है कि क्या यह मामला विपक्ष 2027 के उत्तर प्रदेश चुनाव तक जिंदा रख पाएगा। अगर रहा और इस मसले ने असर दिखाया तो तय है कि 2029 के लोकसभा चुनाव तक इसकी धमक सुनाई देगी। लेकिन जिस तरह से कांग्रेस और समूचा विपक्ष इस मसले पर जिस रणनीति पर चल रहा है उससे बात निकलेगी तो दूर तक जाएगी की सियासी खनक सुनाई नहीं दे रही। अलबत्ता साफ है कि अरविंद केजरीवाल फरवरी के दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस मसले को काफी हद तक भुनाने की कोशिश करेंगे। आखिरकार केजरीवाल ने सबसे पहले नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को खत लिखकर इस मामले में रुख साफ करने को कहा था। फरवरी के बाद नवंबर में बिहार में चुनाव होंगे। बिहार की राजनीति में आंबेडकर से ज्यादा जाति पर राजनीति की जाती है लेकिन फिर भी नीतीश कुमार की परेशानियां बढ़ सकती हैं। याद रहे कि बिहार में लोकसभा चुनाव में संविधान के खतरे में होने की हांडी में उबाल कम ही आया था। वैसे देखा जाए तो अमित शाह के भाषण के 10-11 सैकंड के काट- छांट वाले वीडियो में पर्याप्त सियासी बारूद है। वीडियो बहुत छोटा है लिहाजा यह सस्ते मोबाइल फोन में भी देखा जा सकता है। यानी ठेठ गांव देहात तक इसे पहुंचाने की कोशिश की गई है और आगे भी की जाएगी। वीडियो में अमित शाह हिकारत से आंबेडकर-आंबेडकर दोहराते हुए नजर आ रहे हैं। अगर कांग्रेस की जगह भाजपा के पास यह मुद्दा रहता तो पूरा देश नीला हो चुका होता लेकिन कांग्रेस लाल पीली होने के सिवा कुछ ज्यादा नहीं कर पा रही है। इसलिए भी कुछ जानकारों का कहना है कि संसद के फरवरी में शुरू होने वाले बजट सत्र में इस मुद्दे की अग्नि परीक्षा होने वाली है। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे दलित हैं। बुजुर्ग हैं। मिल मजदूर के बेटे हैं। आंबेडकर अपमान के खिलाफ माहौल बनाने के लिए इससे ज्यादा किसी को क्या चाहिए। लेकिन जरूरी नहीं है कि सिर्फ दलितों तक इसे सीमित रखा जाए। आंबेडकर से आदिवासी या ओ.बी.सी. प्रभावित नहीं होते हैं। दलितों में भी जाटव जैसे दलितों पर असर ज्यादा होता है लेकिन राहुल गांधी दलित, ओ.बी.सी., आदिवासी सबको जोड़ कर देख रहे हैं जो मसले की मारक क्षमता को कम करता है। संसद में जितना विरोध होना था वह हो गया। देश के बड़े शहरों और राजधानियों में भी कांग्रेस धरने प्रदर्शन कर चुकी। अब अगले चरण में मामले को दलितों की बस्तियों में ले जाती तो बात कुछ और होती। दिलचस्प बात है कि इस समय लड़ाई इस बात पर हो रही है कि यह साबित किया जा सके कि कौन आंबेडकर विरोधी है। भाजपा के बड़े से लेकर छोटे नेता चुन-चुन कर आरोप लगा रहे हैं कि कैसे नेहरू ने आंबेडकर का अपमान किया, लोकसभा से उन्हें इस्तीफा देना पड़ा, हिंदू कोड में साथ नहीं दिया आदि-आदि। कांग्रेस बता रही है कि कैसे संघ, जनसंघ, हिंदू महासभा आदि ने आंबेडकर का विरोध किया था। आंबेडकर के संविधान की खिल्ली उड़ाई थी, वैसे भी कांग्रेस पुरजोर तरीके से हमलावर नहीं हो रही है जैसी कि उससे उम्मीद की जानी चाहिए। संसद में संविधान पर हुई बहस में भी खरगे ही बचाव के साथ-साथ हमले करते नजर आए थे। कांग्रेस को समझना चाहिए कि आंबेडकर मामले पर मायावती भी आखिरकार भाजपा के विरोध में आ ही गई। मायावती को पता है कि अगर वह चूकी तो यू.पी. में उनका सफाया हो जाएगा। यू.पी. से बाहर वह कहीं नहीं हैं। संघ समझ रहा है कि मामला तूल पकड़ा तो कोई कार्रवाई करनी ही होगी क्योंकि दलितों को अपने साथ लाने में उसे बड़ी मशक्कत करनी पड़ी है। दलित सिर्फ वोट बैंक नहीं है। हिंदू राष्ट्र की अवधारणा में भी दलितों के साथ की उतनी ही जरूरत है जितनी कि ओ.बी.सी. या आदिवासियों की। लोकसभा चुनाव में सबने देखा कि संविधान बदलने, आरक्षण खत्म करने की तमाम बातों के बीच दलित ने भाजपा का साथ छोड़ा था और भाजपा 240 पर सिमट गई थी। इस लिहाज से देखा जाए तो भाजपा की रणनीति यही है कि कांग्रेस को आंबेडकर विरोधी घोषित किया जाए ताकि दलित अमित शाह को भूल कर कांग्रेस को निशाने पर लेने लगें।

संविधान बचाने के नाम पर राजनीतिक नूराकुश्ती

उमेश चतुर्वेदी

संविधान बचाने की सियासी लड़ाई किस मंजिल पर पहुंच गयी है, इसका अंदाजा बीते 19 दिसंबर को संसद परिसर में हुई घटनाओं से लगाया जा सकता है। संसदीय इतिहास में यह पहला मौका रहा, जब सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसद न सिर्फ आमने-सामने आये, बल्कि धक्का-मुक्की भी हुई, जिसमें भाजपा के दो सांसद चोटिल हो गये। धक्का-मुक्की का आरोप नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर लगा है। उन पर नगालैंड की महिला भाजपा सांसद फांगनान कोन्याक ने बदसलूकी करने का आरोप लगा।

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से संसदीय राजनीति में नरेंद्र मोदी अजेय योद्धा के रूप में उभरे हैं। इसके बाद भाजपा जैसे चुनाव जीतने की मशीन बन गयी। उत्तर पूर्व के कुछ राज्यों, कर्नाटक, तेलंगाना, हिमाचल, झारखंड, पश्चिम बंगाल आदि को छोड़ दें, तो नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा चुनाव जीतने का रिकॉर्ड बनाती गयी है। स्वाधीनता के बाद के करीब चार दशक तक ऐसी स्थिति सिर्फ कांग्रेस की ही रही। भाजपा इस दौर में तकरीबन अजेय पार्टी के रूप में उभरी है। ऐसे में स्वाभाविक है कि उसे सियासी मात देने के लिए विपक्षी खेमा मुद्दों और मौकों की खोज करता। विपक्ष की खोज 'खतरे में संविधान' के मुद्दे पर खत्म हुई। इस कथित खतरे को विपक्ष ने बीते लोकसभा चुनाव में इतना तूल दिया कि भाजपा बहुमत के आंकड़े से दूर रह गयी। इस मुद्दे को जिंदा रखने की कोशिश तब से विपक्ष लगातार कर रहा है।

लोकसभा सांसदों के शपथ लेने के वक्त देश ने देखा कि विपक्षी सांसदों ने संविधान हाथ में लेकर प्रदर्शित किया। हालांकि विपक्षी खेमे में संविधान की किताब के रंग का अंतर रहा। कांग्रेस के सांसदों ने संविधान के लाल

रंग की प्रति प्रदर्शित करते हुए शपथ ली, तो गैर कांग्रेसी सांसदों के हाथों में नीले रंग वाली संविधान की प्रति थी। वायनाड से जीतकर संसद पहुंची प्रियंका ने भी इस परंपरा को जिंदा रखा। बहरहाल यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या सचमुच संविधान खतरे में है। भारत का संसदीय जनतंत्र जिस मुकाम पर पहुंच गया है, भारत की न्याय व्यवस्था ने जिस तरह की स्वायत्त ताकत हासिल कर ली है, मौजूदा परिस्थितियों में किसी भी राजनीतिक दल के लिए संविधान को खारिज कर पाना संभव नहीं है।

संवैधानिक ताकत और प्रावधान होने के बावजूद अपार बहुमत प्राप्त सरकार भी शायद ही दोबारा आपातकाल लगाने की हिम्मत दिखा सके। ऐसे में 'खतरे में संविधान' की बात करना ही बेमानी है। लेकिन विपक्ष ने जिस तरह का हल्ला मचा रखा है,उससे इतना जरूर हुआ है कि आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर तबके के एक वर्ग को विपक्षी रट में सच्चाई दिखने लगी है। इस सच्चाई का ही प्रतीक है बीते लोकसभा चुनाव के नतीजे। विपक्षी खेमा अक्सर प्रधानमंत्री मोदी को जुमलेबाज बताकर उनकी आलोचना करता है। लेकिन'संविधान बचाने की रट'भी एक तरह की जुमलेबाजी ही है। विपक्ष ऐसा कर क्यों रहा है? इसके लिए कांग्रेस की राजनीतिक कामयाबी के इतिहास को देखना होगा।

इंदिरा गांधी की हत्या से उपजी सहानुभूति लहर को छोड़ दें, तो मोटे तौर पर कांग्रेस जातीय गणित का समीकरण साधकर राजनीतिक जीत हासिल करती रही। अतीत में कांग्रेस का आधार वोट बैंक दलित, ब्राह्मण और मुस्लिम समुदाय रहा। देश में करीब सात से आठ प्रतिशत ब्राह्मण मतदाता हैं, जबकि करीब 17 फीसदी दलित और करीब 14 प्रतिशत मुस्लिम वोटर हैं। समाजवादी राजनीति के उभार के बाद देश के अन्य पिछड़ा वर्ग के करीब 45 फीसदी वोटरों में से ज्यादा पर समाजवादी राजनीति की पकड़ रही। समाजवादी राजनीति के तेज उभार के बाद मुस्लिम वोटरों का बड़ा हिस्सा जहां इस ओर बढ़ा, वहीं दलित वोट बैंक पर कांशीराम और दूसरे नेताओं की नयी सामाजिक कीमियागीरी ने कब्जा कर लिया। इसलिए पिछली सदी के 90 के दशक से कांग्रेस का वोट बैंक खिसकता चला गया।

नयी सदी के दूसरे दशक में मोदी और अमित शाह की अगुवाई में सामने आयी भाजपा ने इस पूरे वोट समीकरण को ही तहस-नहस कर दिया। भाजपा ने जहां इसके दलित वोट बैंक में सेंध लगायी, वहीं अति पिछड़े वर्ग को अपने पाले में किया। अब तो तकरीबन पूरे देश के सवर्ण समुदाय में उसकी पकड़ बन गयी है, बावजूद इसके कि उसकी पूरी राजनीति दलित और पिछड़ा केंद्रित हो गयी है। भाजपा की इस सामाजिक कीमियागीरी का ही असर रहा कि उसके करीब 75 सांसद चुनाव जीतकर संसद पहुंचे।

भाजपा को मात देने की कोशिश में जुटी कांग्रेस और उसकी अगुवाई वाले विपक्ष को लगता है कि जब तक वह दलित वोट बैंक को लेकर भाजपा पर निशाना साधेगी, तब तक वह विजेता बनकर नहीं उभर पायेगी। यही वजह है कि 2014 से ही दलित केंद्रित राजनीति को लेकर भाजपा को घेरने की कोशिश जारी है। हाल के कुछ वर्षों में डॉ भीमराव आंबेडकर दलित राजनीति के बड़े चेहरे के तौर पर स्वीकार्य हुए हैं। इसलिए आंबेडकर को लेकर भी राजनीति तेज हो गयी है। भाजपा ने आंबेडकर की वैचारिकी को स्वीकार कर लिया, तो कांग्रेस भी अब उसी ओर आगे बढ़ चुकी है। संसद सत्र में आंबेडकर को लेकर हुई राजनीतिक कुश्ती दरअसल इसी प्रक्रिया का परिणाम है।

चूंकि कांग्रेस और उसकी छतरी के नीचे खड़े विपक्ष को लगता है कि आंबेडकर का अपमान और संविधान की रक्षा का नारा दलितों के मर्म को छूता है, इसलिए वह इस मुद्दे को तूल दे रहा है। वहीं भाजपा को भी लगता है कि अगर उसने इस मुद्दे के साथ ढिलाई बरती और कांग्रेसी कठघरे में वह खड़ी दिखी, तो उसका सारा श्रम बेकार चला जायेगा। खून-पसीने से खड़ा उसका दलित और अति पिछड़ा वोट बैंक बिखर जायेगा। भारतीय संविधान के निर्माता के रूप में आंबेडकर स्थापित हो चुके हैं। इसे स्वीकार किया जा चुका है। इस स्वीकार्यता में संविधान का मूल मसविदा तैयार करने वाले आंध्र प्रदेश के वकील बीएन राव की मेहनत कहीं किनारे खिसका दी गयी है। संविधान सभा के 389 सदस्यों का श्रम और उनके विचार भी भुला दिये गये। वैसे ये सब इतिहास के तथ्य हैं। इतिहास तथ्यों के साथ आगे बढ़ता है, तो उससे भविष्य की तसवीर साफ दिखती है। लेकिन वह जब धारणा पर चलने लगता है, तो उसकी अपने हिसाब से व्याख्या की गुंजाइश बन जाती है। इतिहास को इस तरह से अतीत में कांग्रेस की अगुवाई में प्रगतिशील खेमा प्रस्तुत करता रहा है, जो अब परिपाटी ही बन गयी है। इसी का नतीजा है कि 'संविधान बचाओ' के सच को जानने की कोशिश कम हो रही है।

एकात्मता के स्वर

गोदावरी नदी

महर्षि गौतम ने महेश्वर भगवान शिव की ब्रह्मगिरि में रहकर अखण्ड साधना की। भगवान शिव के प्रसन्न होने पर महर्षि ने कहा कि यदि आप मुझ पर प्रसन्न है तो मुझे लोककल्याण के लिये गंगाजी प्रदान कीजिये। तब शंकर ने पृथ्वी और स्वर्ग के सारभूत जल को निकालकर व विवाह में ब्रह्माजी के दिये जल में से जो शेष रह गया था वह भक्तवत्सल शंभु ने मुनि को दे दिया। उस समय उस पवित्र जल ने गंगा जी का रूप धारण कर लिया। महर्षि ने गंगा की स्तुति की। तदन्तर शिवजी ने कहा, देवि ! तुम मुनि को पवित्र करो और तुरन्त वापस न जाकर वैवस्वत मनु के अट्ठाईसवें कलियुग तक यहीं रहो। तभी गंगा ने भी शिव-पार्वती को यहीं निवास करने का आग्रह किया जो शिव ने स्वीकार कर लिया। उसी समय वहाँ पर सभी ऋषि-मुनि और देवता भी आ गये और विनती कर बोले कि हे! देवेश्वर आप गंगा के साथ यदि प्रसन्न हैं तो मनुष्यों का प्रिय करने के लिये कृपापूर्वक यहीं निवास करें। तभी गंगाजी बोल उठीं कि जनहित के लिए आप स्वयं क्यों नही यहाँ रहते? तब सब देवताओं ने कहा, गंगे! सबके परम सुहृदय बृहस्पति जी जब सिंहराशि पर स्थित होंगे तब हम सब लोग यहाँ आया करेंगे, इसमें संशय नहीं है। प्रति बारहवें वर्ष हम यहाँ आया करेंगे। याद रहे तभी से नासिक में उक्त समय पर कुंभ का मेला लगता है। गंगाजी का जल के रूप में अभ्युदय सह्याद्रि पर्वत के ब्रह्मगिरि के उत्तर भू-भाग से हुआ। जिनका नाम गोदावरी कहा गया। गौतम द्वारा उत्पन्न होने से इन्हें गौतमी भी कहते हैं। भगवान शिव भी गौतमी (गोदावरी) के तट पर त्र्यम्बक नाम से ज्योतिर्लिंग के रूप में विराज गये। यह स्थान वर्तमान में महाराष्ट्र के नासिक जिले में है। पूर्वाभिमुख होकर बहने वाली गोदावरी के तट पर ज्योतिर्लिंग के अतिरिक्त नासिक (पंचवटी) पैठण (प्रतिष्ठानपुर) राजमहेन्द्री, भद्राचलम्, नान्देड, कोटापल्ली आदि पावन क्षेत्र भी हैं। चौदह सौ पचास किलोमीटर बहने वाली गोदावरी नदी में वर्धा, प्राणहिता, इन्दावती, साबरी, बैनगंगा आदि नदियाँ मिलती हैं। दक्षिण की गंगा कहलाने वाली गौतमी सतत प्रवाहमान रहकर लोककल्याण करती हुई गंगासागर में जाकर मिल जाती है।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदों में अष्टादश पुराणों के नाम

(गतांक से आगे...)

इससे उक्त पुराण के व्यासकर्तृत्व पर कुछ भी आक्षेप नहीं हो सकता।

(8) नारद जी व्याकुल होकर बदरिकाश्रम में गए। वहां विष्णु- भगवान् तप कर रहे थे। उन्होंने नारद जी से भारत का सब वृत्तान्त पूछा। उत्तर में नारद जी ने कहा, कि म्लेच्छों ने शिवजी का मन्दिर तोड़ डाला है, महादेव जी ज्ञानवापी कुंवे में कूद पड़े इत्यादि। सब विद्वान् जानते हैं कि ऐसा अत्याचार औरंगजेब के जमाने में हुआ था। इस घटना को बीते दो सौ वर्ष के लगभग हुवे हैं, परन्तु श्रीमद्भागवत में इसका उल्लेख मिलता है। अतएव यह पुराण व्यासोक्त नहीं बल्कि दो सौ वर्ष इधर का बना है।

(9) प्रतिवादी ने श्रीमद्भागवत के नाम से जो प्रसङ्ग घड़ा है, उसका कुछ भी पता नहीं दिया। हनने भागवत पुराण का एक 2 अक्षर छान डाला, परन्तु उपर्युक्त प्रसङ्ग का कहीं भी जिक्र तक नहीं मिला। जान पड़ता है कि महाशय जी की सात पीढ़ी ने भी कभी श्रीमद्भागवत पुराण के दर्शन तक नहीं किये। स्वामी दयानन्द जी ने भी सत्यार्थप्रकाश के ग्यारहवें समुल्लास में भागवत के नाम पर - (क) हिरण्याक्ष का चटाई के समान पृथ्वी को लपेट कर शिरहाने धर कर सोना (ख) हिरण्यकशिपु का लोहस्तम्भ तपाकर प्रह्लाद को उससे चिपटने के लिए कहना और नारायण का उस पर चिउटियों की पंक्ति चलाना इत्यादि अनेक सफेद झूठ बातें लिख मारी हैं--यही हाल उनके अनुयायियों का है।

हम चैलेख करते हैं कि यदि प्रतिवादी श्रीमद्भागवत के किसी भी स्कन्ध में उक्त घटना का उल्लेख दिखा दे तो वह मनुष्य समझा जायगा! वास्तव में यह वृत्तान्त भागवत में कहीं भी नहीं लिखा । इसलिए ऐसे मिथ्या आक्षेप का इससे अधिक और क्या उत्तर दिया जा सकता है।

क्रमशः ...

मिर्जा गालिब

अमृता गोस्वामी

शेरो-शायरी की बात हो और महान शायर मिर्ज़ा ग़ालिब को याद न किया जाए, बात अधूरी सी है। मिर्ज़ा ग़ालिब की शायरियां न सिर्फ भारत में बल्कि विश्वभर में मशहूर हैं। शेरो शायरी के शहंशाह कहे जाने वाले ग़ालिब गीत-गज़ल, शेरो-शायरी के जरिए अपनी बात को इतने सहज रूप में व्यक्त करते थे कि उनकी भाषा उर्दू और फ़ारसी होते हुए भी उसमें छुपे मर्म को हर कोई आसानी से समझ सकता था।

मिर्जा ग़ालिब का जन्म 27 दिसंबर 1797 को आगरा, उत्तर प्रदेश में एक सैन्य परिवार में हुआ था। उनका पूरा नाम मिर्ज़ा असद-उल्लाह बेग ख़ां ग़ालिब था। इनके पिता का नाम मिर्जा अब्दुल्ला बेग और माता का नाम इज्जत-उत-निसा बेगम था। मिर्जा

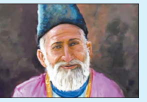

ग़ालिब जब मात्र 5 वर्ष के थे इनके पिता का साया इनके सिर से उठ गया, जिसकी वजह से इनका जीवन काफी संघर्षपूर्ण रहा।

11 वर्ष की उम्र से ही मिर्जा ग़ालिब ने उर्दू एवं फारसी में गद्य तथा पद्य लिखना शुरू कर दिया था। अपना काफी साहित्य उन्होंने असद नाम से लिखा और बाद में मिर्ज़ा ग़ालिब नाम से लिखने लगे। मिर्जा ग़ालिब का निकाह महज 13 वर्ष की उम्र में नवाब इलाही बक्श की बेटी उमराव बेगम से हुई थी। निकाह के बाद वे दिल्ली आ गए।

दिल्ली में मिर्जा ग़ालिब मुगलकालीन अंतिम शासक बहादुर शाह जफर के खास दरबारी कवि रहे, उन्होंने बहादुर शाह जफर के बेटे को शेर-ओ-शायरी की शिक्षा भी दी। 1850 में बादशाह बहादुर शाह जफर ने मिर्जा ग़ालिब को दबीर-उल-मुल्क की उपाधि से सम्मानित किया था। इसके अलावा उन्हें मिर्जा नोशा की उपाधि से भी नवाजा गया।

शेरो-शायरी के अलावा ग़ालिब को उनके एक और अजब अन्दाज़ के लिए भी जाना जाता है और वह अन्दाज़ था उनका पत्र लिखने का निराला अन्दाज़। मिर्जा ग़ालिब के लिखे पत्र आज भी उर्दू साहित्य में उनकी धरोहर के रूप में सुरक्षित हैं। उनके पत्रों का एक संकलन 'ऊद ए हिंदी' और दूसरा संकलन 'उर्दू ए मोअल्ला' नाम से किताबों में संग्रहित है। ये किताबें पाठकों की काफी पसंदीदा किताबे हैं।

15 फरवरी, 1869 का दिन मशहूर शायर मिर्जा ग़ालिब की जिन्दगी का कठोर दिन था जिस दिन दिल्ली में 72 वर्ष की उम्र में उनका निधन हुआ। आज यह मशहूर शायर भले ही हमारे बीच नहीं है किन्तु उनके लिखे गीत-गज़ल, शायरी और पत्रों के साथ वे आज भी जिन्दा हैं। आपको मालूम ही होगा कि दिल्ली में मिर्जा ग़ालिब की हवेली को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा एक विरासत के रूप में रखा गया है।

मिर्जा ग़ालिब के निधन के बाद 1954 में सोहराब मोदी के निर्देशन में मिर्जा ग़ालिब की जीवनी पर आधारित एक हिन्दी फिल्म 'मिर्जा ग़ालिब' बनी जिसे बड़े पर्दे पर काफी सराहा गया। इसके अलावा प्रसिद्ध गीतकार गुलजार ने 1988 में मिर्जा ग़ालिब नाम से एक टीवी सीरियल बनाया जो काफी पापुलर हुआ।

चीन से नफरत करते-करते उसी की तरह व्यवहार करने लगे ट्रंप

अभिनय आकाश

20 जनवरी 2025 को डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले हैं। उससे पहले ही वो कई देशों से पंगे ले चुके हैं। कुछ दिन पहले ही उन्होंने भारत, कनाडा, चीन, मैक्सिको जैसे देशों पर टैरिफ लगाने की बात कही थी। फिर कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनने का ऑफर दे दिया। अब पनामा और ग्रीनलैंड को धमकी दी है। इससे पनामा और ग्रीनलैंड की टेंशन बढ़ गई है। ट्रंप के इन एक के बाद एक बयानों से ऐसा लग रहा है कि जैसे वो चीन की तरह ही विस्तारवादी नीति को अमल करने का मन बना चुके हैं। ट्रंप की बयानबाजियों से लग रहा है कि वो अमेरिका को विस्तावाद की ओर लेकर जाने के लिए तैयार हैं। ये तो अब तक हमने हजारों मर्तबा सुना होगा कि अगला विश्व युद्ध पानी की वजह से होगा। मगर पानी के रास्ते पर कोई लफड़ा मच जाए तो क्या? जब हम लोग जियोग्राफी और हिस्ट्री की पढ़ाई करते थे। वर्ल्ड ट्रेड के शुरुआती सबक सिखते थे तब स्वेज और पनामा जैसे नहर के बारे में सुनते थे। स्वेज से जुड़ी क्राइसिस के बारे में सुनते थे। 32 किलोमीटर के उस संकड़े रास्ते के बारे में सुनते थे जिस पर कोई आफत आती थी तो एशिया, अफ्रीका और यूरोप के बीच व्यापार की लागत बढ़ जाती थी। ऐसी ही एक रास्ते को लेकर बवाल मचा है। एक छोटा सा देश, जिसका दुनिया के सबसे ताकतवर मुल्क के साथ झगड़ा है। वर्तमान में केवल बयान है, लेकिन अगर ये बयान धरातल पर उतरता है तो भविष्य में इसको लेकर घमासान होना तय है। दरअसल, आज से करीब 100 बरस पहले 56 हजार मजदूरों ने मिलकर पनामा में 80 किलोमीटर लबी जमीन खोदी और दो महासागरों को मिला दिया। इस तरह पनामा नहर वजूद में आई। ये नहर अमेरिका ने बनाई थी ताकी उसके

मालवाहक जहाजों को समुद्र में लंबा रास्ता न तय करना पड़े। 1977 में अमेरिका ने इसका नियंत्रण पनामा को दे दिया था। अमेरिका ने 1977 में राष्ट्रपति जिमी कार्टर द्वारा हस्ताक्षरित एक संधि के तहत 31 दिसंबर 1999 को जलमार्ग का नियंत्रण पनामा को सौंप दिया था। अमेरिका के जहाज अब भी उस नहर का इस्तेमाल कर रहे थे। बस पनामा कम पैसों में उस नहर का इस्तेमाल करने दे रहा था। यह नहर जलाशयों पर निर्भर है और 2023 में पड़े सूखे से यह काफी प्रभावित हुई थी, जिसके कारण देश को इससे गुजरने वाले जहाजों की संख्या को सीमित करना पड़ा था। इसके अलावा नौकाओं से लिया जाने वाला शुल्क भी बढ़ा दिया गया था।

इतिहास से वर्तमान में आए तो 22 दिसंबर 2024 को अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन पनामा नहर पर नियंत्रण हासिल करने का प्रयास कर सकता है जिसे अमेरिका ने मूर्खतापूर्ण तरीके से अपने मध्य अमेरिकी सहयोगी को सौंप दिया था। ट्रंप ने अपनी इस बात के पीछे तर्क दिया कि अटलांटिक और प्रशांत महासागरों को जोड़ने वाली इस महत्वपूर्ण नहर से गुजरने के लिए जहाजों से बेवजह शुल्क वसूला जाता है। हमने इस नहर का नियंत्रण पनामा को दिया था न कि चीन और किसी अन्य देश को। मगर वो बाज नहीं आया तो हम पूरी नहर पर कब्जा कर लेंगे।

ट्रंप का आरोप है कि पनामा अमेरिकी जहाजों से नहर से निकलने की ज्यादा कीमत वसूल रहा है। यह नहर 82 किमी. लंबी है, जो अटलांटिक और प्रशांत महासागर को जोड़ती है। इस पर 1977 तक स का नियंत्रण था। साल 1999 से पूरा कंट्रोल पनामा का हो गया था। हर साल इस नहर से पनामा को एक अरब डॉलर से ज्यादा की ट्रांजिट फीस मिलती है। एक अनुमान के अनुसार पनामा नहर से रोजाना लगभग 14 हजार जहाज और पोत गुजरते हैं। ऐसे में इनसे होने वाली कमाई की कल्पना कीजिए। ऐसे में इससे होने वाली कमाई का अंदाजा लगा सकते हैं। कमाई के साथ साथ एक बड़ी वजह चीन भी है क्योंकि पनामा नहर अमेरिका का पूर्वी तट को चीन से जोड़ता है। ट्रंप ने पनामा को धमकी दी थी कि अगर इस लैटिन अमेरिकी देश ने नहर के इस्तेमाल के लिए अमेरिकी जहाजों से बेवकूफी भरा शुल्क वसूलना जारी रखा तो पनामा नहर का नियंत्रण अमेरिका वापस ले लेगा। पनामा अमेरिका का एक अहम सहयोगी है और नहर इसकी अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। पनामा के राष्ट्रपति ने समय-समय पर अनेक मुद्दों पर ट्रंप का साथ दिया है। पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो ने कहा कि देश की स्वतंत्रता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। पनामा के राष्ट्रपति मुलिनो ने एक वीडियो जारी करके कहा कि नहर का प्रत्येक वर्ग मीटर पनामा का है और आगे भी उनके देश का ही रहेगा। मुलिनो ने कहा, पनामा के लोगों के कई मुद्दों पर अलग-अलग विचार हो सकते हैं, लेकिन जब हमारी नहर और हमारी संप्रभुता की बात आती है तो हम सभी एकजुट हैं। मुलिनो ने कहा कि शुल्कों को मनमाने ढंग से निर्धारित नहीं किया जाता है। उन्होंने कहा कि पनामा ने जहाज यातायात को बढ़ाने के लिए अपनी पहल पर वर्षों से नहर का विस्तार किया है। उन्होंने यह भी कहा कि जहाज यातायात शुल्क में वृद्धि से सुधारों के लिए भुगतान करने में मदद मिलती है।

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अब सबसे बड़े द्वीप ग्रीनलैंड को खरीदने और उस पर कब्जे की इच्छा जताई है। ट्रंप ने इसे बहुत जरूरी बताया है। दरअसल, ग्रीनलैंड उत्तरी अमेरिकी महाद्वीप का हिस्सा है, लेकिन फिलहाल इस पर डेनमार्क का कंट्रोल है और वहां स्वायत्त स्वशासन है। ग्रीनलैंड 1953 तक डेनमार्क का उपनिवेश था। साल 2009 में इसे स्वशासन के साथ स्वायत्तता मिल गई।

ग्रीनलैंड उत्तरी अटलांटिक महासागर में स्थित है और यह दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है। अपनी रणनीतिक स्थिति को देखते हुए यह आर्कटिक के करीब है और रूस सहित कुछ देश इस क्षेत्र पर नियंत्रण के लिए होड़ कर रहे है। हालांकि ग्रीनलैंड उत्तरी अमेरिकी महाद्वीप का हिस्सा है, लेकिन भू-राजनीतिक रूप से इसका यूरोप से संबंध है। इसे यूरोपीय संघ से फंड मिलता है क्योंकि इसे डेनमार्क के ही एक खंड के रूप में समझा जाता है। ग्रीनलैंड के खनिज संसाधनों को ट्रंप की इसमें रुचि की सबसे बड़ी वजह माना जा सकता है। ग्रीनलैंड के प्राकृतिक संसाधन- जैसे कोयला, तांबा, जस्ता और लौह-अयस्क की वजह से अमरीका इसमें रुचि दिखा रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप ने जस्टिन ट्रूडो से कहा है कि कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बन जाना चाहिए। अमेरिका में फिलहाल 50 राज्य हैं। डोनाल्ड ट्रंप के इस प्रस्ताव ने कनाडा की जमीन हिला दी। फिर डोनाल्ड ट्रंप ने खुद ही इस खबर पर मुहर लगा दी। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ एप पर एक तस्वीर डालकर खबर की पुष्टि की हैं। तस्वीर देखकर ऐसा लग रहा है कि ट्रंप अमेरिका में खड़े होकर कनाडा को देख रहे हैं। ताकी कनाडा को अमेरिका का हिस्सा बनाया जा सके। इस तस्वीर में ये भी दिखाया गया है कि डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के झंडे को अपने कब्जे में ले लिया है।

आज का इतिहास

1900 ब्रिटिश मानवाधिकार कार्यकर्ता एमिली होबहाउस केप टाउन आए।
1904 मंच पर पीटर पैन, या द बॉय हू ग्रो अप ग्रो अप ग्रो नहीं करेंगे। लेखक और नाटककार जे। एम। बैरी , जो कि उस छोटे से लड़के के बारे में है, जो लंदन में प्रीमियर कर सकता है।
1918 प्रसिद्ध पोलिश पियानोवादक इग्नेसिस जन पादरीवस्की पॉज़्नान के एक सार्वजनिक भाषण ने जर्मनी के खिलाफ ग्रेटर पोलैंड विद्रोह को उकसाया।
1922 इंपीरियल जापानी नौसेना ने होशो का गठन किया, जो दुनिया का सबसे पहला उद्देश्य निर्मित विमान वाहक है।
1939 तुर्की में भूकंप से लगभग चालीस हजार लोगों की मौत हुई।
1945 29 सदस्य देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना हुई। इस संस्था का उद्देश्य विदेशी मुद्रा के मूल्यों को स्थिर रखना, वाणिज्य विकास और प्रगति को सुचारू बनाना आदि है।
1966 द वॉल ऑफ़ स्वैलोज़, जो कि दवर्ल्ड की सबसे बड़ी ज्ञात गुफा शाफ्ट है, की खोज एक्विस्मोन, सैन लुइस पोटोसी, मैक्सिको में की गई थी।
1979 अफगानिस्तान में सोवियत युद्ध-सोवियत सैनिकों ने ताजबेग पैलेसआउटसाइड काबुल पर धावा बोल दिया और अफगान राष्ट्रपति हाफिजुल्ला अमीन और उनके 100-150 कुलीन गार्डों को मार डाला।
1997 निष्ठावान स्वयंसेवी बल के नेता बिली राइट को आयरिश नेशनल लिबरेशन आर्मी के सदस्यों द्वारा भूलभुलैया जेल की हत्या कर दी गई थी।
2000 आस्ट्रेलिया में विवाह पूर्व संबंधों को क़ानूनी मान्यता।
2002 कंपनी क्लोनड ने एक क्लोन मानव बच्चे के जन्म की घोषणा की, हालांकि इसे अभी तक कोई भी सबूत पेश नहीं किया गया है।
2007 पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री बेनजीर भुट्टो की हत्या तब की गई जब वह पाकिस्तान के रावलपिंडी के लियाकत नेशनल बाग में पाकिस्तान पीपल्सपार्टी समर्थकों की राजनीतिक रैली छोड़ रहे थे।
2008 फिलिस्तीनी सशस्त्र समूहों के रॉकेट हमलों के जवाब में, इज़राइल ने गाजा पट्टी के खिलाफ एक आश्चर्यजनक हमला किया, जिसने तीन सप्ताह का गाजा युद्ध खोला।

परमाणु जंग हुई तो महाविनाश होगा

निरंकार सिंह

परमाणु युद्ध हुआ तो कुछ बड़े-बड़े नगरों का मिट जाना तो साधारण बात होगी पर इसके भयानक खतरे को पूरी दुनिया को भोगना पड़ेगा। इसीलिए आइंस्टीन ने अपनी मृत्यु से ठीक एक सप्ताह पहले परमाणु युद्ध के बारे में दुनिया को चेताया था कि, ''अपनी मानवता को याद रखें और बाकी सब भूल जाएं। यदि आप ऐसा करते हैं तो एक नए स्वर्ग का रास्ता खुला है। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं तो आपके सामने सार्वभौमिक मृत्यु का जोखिम है।'' पर दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में फैल रहे संघर्ष और बढ़ती गुटबाजी ने तीसरे विश्व युद्ध की आशंका को बढ़ा दिया है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में धमकी दी है कि अगर अमरीकी सेना यूक्रेन में घुसी तो वह परमाणु हथियार इस्तेमाल करेंगे। इस तनाव के बीच एक नक्शे के जरिए बताया गया है कि अमरीका पर परमाणु बम से हमले के किस तरह के विनाशकारी प्रभाव हो सकते हैं। नक्शा दिखाता है कि अमरीकी शहरों पर परमाणु हमले का किस तरह से असर होगा और कैसे लाखों लोगों की जान जोखिम में पड़ जाएगी। इस धमकी के बीच ही परमाणु हमले के बाद अमरीकी शहरों की स्थिति दिखाने वाला नक्शा न्यूक मैप ने जारी किया है।

न्यूक मैप के कर्त्ताधर्त्ता एलेक्स वेलरस्टीन का कहना है कि परमाणु हमले में अमरीका के न्यूयार्क जैसे प्रमुख शहरों को भारी नुकसान होगा और लाखों लोग मारे जा सकते हैं। एलेक्स वेलरस्टीन ने यह नक्शा बनाया है, जो परमाणु तकनीक के जानकार और न्यूक मैप के निर्माता हैं। नक्शा परमाणु विस्फोट की स्थिति में रेडियोधर्मिता के फैलाव, आग के गोले के दायरे और संभावित पीड़ितों की संख्या का अनुमान लगाता है। अगर अमरीका के पूर्वी तट पर 800 किलोटन का टोपोल (25) बम गिरा तो न्यूयार्क में 16 लाख तक मौतें हो सकती हैं और 30 लाख लोग घायल हो सकते हैं। आग का गोला मैनहट्टन, नेवार्क, एलिजाबेथ, ब्रुकलिन और दूसरे शहरों को तबाह कर सकता है। इस विस्फोट से निकलने वाला तापीय विकिरण 11.1 किलोमीटर तक फैलेगा।

जाहिर है कि यह कई अमरीकी शहरों को अपनी चपेट में लेगा और इससे बड़ी तबाही मचेगी। अगर ऐसा ही परमाणु हमला वाशिंगटन डी.सी. में व्हाइट हाऊस पर हुआ तो मरने वालों की संख्या 40 लाख तक पहुंच सकती है। कैपिटल हिल और कोलंबिया हाइट्स जैसे प्रतिष्ठित स्थलों को भी भारी नुकसान हो सकता है। हमले से अलेक्जेंड्रिया से लेकर सिल्वर स्प्रिंग तक के निवासियों को तापीय विकिरण से थर्ड डिग्री बर्न हो सकते हैं। आयरिश स्टार की रिपोर्ट कहती है कि परमाणु हमलों के बाद की भयावह स्थिति दिखाने वाले नक्शे बताते हैं कि अमरीका के कई बड़े शहर पलभर में तबाह हो सकते हैं। अनुमान के मुताबिक, 'लिटिल बॉय' बम जैसे विस्फोट के बाद ह्यूस्टन पूरी तरह तबाह हो जाएगा।

इसमें 90,000 से ज्यादा लोग हताहत होंगे।

पिछले दिनों राष्ट्रपति पुतिन ने रूस के परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की नीति में बदलाव को मंजूरी दे दी है। रूस की नई परमाणु नीति में कहा गया है कि कोई ऐसा देश जिसके पास खुद परमाणु हथियार न हों, लेकिन यह देश किसी परमाणु हथियार सम्पन्न देश के साथ मिलकर हमला करता है तो इसे रूस संयुक्त हमला मानेगा। यूक्रेन के पास तो परमाणु हथियार नहीं हैं, लेकिन अमरीका के पास हैं और इस युद्ध में अमरीका और ब्रिटेन दोनों यूक्रेन के साथ हैं। साथ ही 32 देशों का सैन्य गठबंधन नाटो भी यूक्रेन को समर्थन दे रहा है। रूस की परमाणु नीति में यह भी कहा गया है कि अगर रूस को पता चला कि दूसरी तरफ से रूस पर मिसाइलों, ड्रोन और हवाई हमले हो रहे हैं तो वह परमाणु हथियारों से जवाब दे सकता है, यूक्रेन अब तक रूस पर कई बार हवाई हमले करते आया है जिसमें ड्रोन भी शामिल है, लेकिन अब उसने हमलों के लिए अमरीकी मिसाइलों का भी इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इसके अलावा कुछ और स्थितियों में बात रूस की परमाणु नीति में की गई है। परमाणु हथियारों का इस्तेमाल दो बार किया गया है, हिरोशिमा और एक अन्य जापानी शहर नागासाकी पर। इन अवसरों से प्राप्त साक्ष्य, साथ ही वायुमंडलीय परमाणु परीक्षण और परमाणु ऊर्जा दुर्घटनाओं ने परमाणु हथियारों के प्रभावों के बारे में हमारे ज्ञान का आधार बनाया है।

आधुनिक परमाणु हथियारों में आमतौर पर उन पहले दो बमों की तुलना में बहुत अधिक विस्फोटक शक्ति होती है, और इससे विनाश का पैमाना बहुत बढ़ जाएगा। संक्षेप में, नाटो और रूस के बीच परमाणु आदान-प्रदान पूरी धरती के लिए विनाशकारी होगा। यदि परमाणु बम विस्फोट किया जाता है तो परमाणु विस्फोट का केंद्र कई मिलियन डिग्री सैंटीग्रेड के तापमान तक पहुंच जाएगा। इसके परिणामस्वरूप होने वाली ऊष्मा की चमक वस्तुतः एक विस्तृत क्षेत्र में सभी मानव ऊतकों को वाष्पीकृत कर देगी। हिरोशिमा में आधे मील के दायरे में, खुले में फंसे अधिकांश लोगों के अवशेष केवल उनकी छायाएं थीं जो पत्थर में जल गई थीं। इमारतों के अंदर या किसी अन्य तरह से सुरक्षित लोगों की विस्फोट और गर्मी के प्रभाव से मौत हो जाएगी क्योंकि इमारतें ढह जाएंगी और सभी ज्वलनशील पदार्थ आग की लपटों में घिर जाएंगे। तत्काल मृत्यु दर 90 प्रतिशत से अधिक होगी। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ेगी, हवा जमीन के स्तर पर या उसके नजदीक परिधि से अंदर खींची जाएगी। इसके परिणामस्वरूप घातक, तूफान-बल वाली हवाएं चलेंगी और ताजी ऑक्सीजन जलने के कारण आग बढ़ती जाएगी। भूमिगत आश्रयों में रहने वाले लोग, जो प्रारंभिक ताप-प्रचंडता से बच जाते हैं, वे भी मर जाएंगे क्योंकि वायुमंडल से सारी ऑक्सीजन सोख ली जाती है।

कुल विनाश के क्षेत्र के बाहर तत्काल जीवित बचे लोगों का प्रतिशत धीरे-धीरे बढ़ता जाएगा। इनमें से अधिकांश लोग घातक रूप से जल जाएंगे, अंधे हो जाएंगे, कांच के टुकड़ों से खून बहेगा और उन्हें गंभीर आंतरिक चोटें लगी होंगी। कई लोग ढही हुई और जलती हुई इमारतों में फंस जाएंगे। मृत्यु दर सामान्य आपदा की तुलना में अधिक होगी क्योंकि अधिकांश आपातकालीन सेवाएं अपने उपकरणों के नष्ट हो जाने और कर्मचारियों के मारे जाने के कारण प्रतिक्रिया देने में असमर्थ होंगी। हताहतों की संख्या इतनी अधिक होगी कि किसी भी देश के चिकित्सा संसाधन डूब जाएंगे। अंतर्राष्ट्रीय रैड क्रॉस ने निष्कर्ष निकाला है कि आबादी वाले क्षेत्र में या उसके आस-पास एक भी परमाणु हथियार का उपयोग मानवीय आपदा का कारण बन सकता है जिसका 'समाधान करना मुश्किल' होगा।

बांग्लादेश-कनाडा-ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में चुनाव

शिवेंद्र तिवारी

2024 खत्म होने वाला है। अब हम 2025 में प्रवेश करने वाले हैं, जिसमें बहुत कुछ घटने वाला है। इस साल दुनियाभर की सियासत भी अलग रंग में दिखेगी, जिसमें कई देशों के आम चुनाव भी शामिल हैं। एक तरह से कहें तो 2025 चुनावी साल होगा। कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, सिंगापुर, बेलारूस और बांग्लादेश जैसे प्रमुख देशों में आम चुनाव होने हैं। **बांग्लादेश:** एशियाई देश बांग्लादेश में इस साल आम चुनाव हो सकते हैं। राजनीतिक अस्थिरता से गुजर रहे देश के आम चुनाव पर पूरी दुनिया की नजर होगी। फिलहाल देश में अवामी लीग की शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से एक अंतरिम सरकार बांग्लादेश में शासन कर रही है, जिसके प्रमुख मोहम्मद यूनुस हैं। सत्ता संभालने के बाद से ही अंतरिम सरकार से चुनाव की तारीखों का एलान करने की मांग की जा रही है। बढ़ते दबाव के बीच मोहम्मद यूनुस ने घोषणा की है कि 2025 के अंत में या फिर 2026 के शुरुआत में चुनाव होंगे। देश में 7 जनवरी 2024 को आम चुनाव हुए थे। शेख हसीना ने जनवरी 2024 में लगातार चौथी बार जीत दर्ज की। हालांकि, देश की मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी द्वारा चुनाव का बहिष्कार किया गया। जुलाई-अगस्त 2024 में फैली हिंसा के बीच 5 अगस्त को शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देते हुए देश छोड़ दिया था। **कनाडा :** प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के सियासी भाग्य का फैसला 2025 में होना है। 2025 का कनाडाई संघीय चुनाव 20 अक्तूबर 2025 को या इससे पहले होगा। इसमें कनाडाई संसद के लिए हाउस ऑफ कॉमन्स के सदस्य का चुनाव किया जाएगा। प्रधानमंत्री ट्रूडो लगातार एक साल से लगातार गिरते समर्थन के बावजूद लगातार चौथी बार सत्ता में काबिज होने की कोशिश कर रहे हैं। 2024 में हुए सर्वे के अनुसार, ट्रूडो और उनकी लिबरल पार्टी के प्रति लोगों में नाराजगी साफ दिखाई देती है। तीन-चौथाई कनाडाई मतदाता उन्हें नकार रहे हैं। ब्याज दरों में कमी, मुद्रास्फीति में 2% से अधिक की स्थिर गिरावट और घरों की कीमतों में तेज उछाल, कुछ बड़े ऐसे मुद्दे हैं जिनके चलते ट्रूडो का समर्थन लगातार गिर रहा है। वहीं उनके प्रतिद्वंद्वी कंजर्वेटिव्स पार्टी के नेता ने लिबरल्स पर 21 अंकों की बड़ी बढ़त हासिल है और अगर चुनाव होते हैं तो वे लगभग निश्चित रूप से अगली सरकार बनाएंगे। **ऑस्ट्रेलिया :** देश में 27 सितंबर 2025 को या उससे पहले संघीय चुनाव होंगे। युवा और स्वदेशी मतदाताओं के जबरदस्त नामांकन के साथ यह चुनाव ऑस्ट्रेलिया के इतिहास में सबसे ज्यादा भागीदारी वाले चुनावों में से एक होने वाला है। अगला संघीय चुनाव यह तय करेगा कि ऑस्ट्रेलिया की संसद पर किसका कब्जा होगा। संसद के निचले सदन यानी प्रतिनिधि सभा की सभी 150 सीटों और उच्च सदन यानी सीनेट की 76 में से 40 सीटों पर चुनाव होगा। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज की लेबर पार्टी दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुनाव लड़ेगी, जिसका सामना पीटर डटन के नेतृत्व वाले लिबरल-नेशनल गठबंधन से होगा। **जर्मनी :** यूरोपीय देश जर्मनी में 2025 चुनावी परीक्षा का साल होगा। यहां 23 फरवरी 2025 को संसद के निचले सदन बुंडेस्टाग के लिए आम चुनाव है। जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज ने अपने एसपीडी नेतृत्व वाले गठबंधन के टूटने के बाद फरवरी 2025 में बुंडेस्टाग के लिए नए चुनावों की घोषणा की है। **बेलारूस :** यूरोपीय देश बेलारूस में 26 जनवरी 2025 को राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। राष्ट्रपति को पांच साल के कार्यकाल के लिए सीधे जनता के द्वारा चुना जाता है। 2020 में हुए पिछले चुनाव में मौजूदा राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको को राष्ट्रपति चुनाव का विजेता घोषित किया गया था जिसके बाद बड़े पैमाने पर वोट-धांधली का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। विपक्षी नेता स्वियातलाना ने चुनाव जीतने का दावा किया। **सिंगापुर:** एशियाई देश सिंगापुर की संसद के लिए 23 नवंबर 2025 से पहले आम चुनाव होने हैं। 2006 के आम चुनाव के बाद पहली बार ली सीन लूंग इस चुनाव में सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) का नेतृत्व नहीं करेंगे। मई 2024 में लूंग की जगह लॉरेंस वोंग प्रधानमंत्री बने थे।

भागवत का बयान देश की एकता-अखंडता के लिए महत्वपूर्ण

योगेन्द्र योगी

भारत विश्व में तेजी से उभरती हुई आर्थिक महाशक्ति बनने की तरफ कदम बढ़ा रहा है। भारत को 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान है। अर्थव्यवस्था के अलावा भारत ग्लोबल साऊथ के नेतृत्व के तौर पर तेजी से उभर रहा है। खाड़ी के मुस्लिम देश भारत के महत्व और भविष्य की जरूरतों के हिसाब से द्विपक्षीय रिश्तों को स्वीकार कर रहे हैं। यही वजह है कि भारत की इस ताकत को स्वीकारते हुए कुवैत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सर्वोच्च कुवैती सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर' से सम्मानित किया है। यह किसी देश द्वारा पी.एम. मोदी को दिया गया 20वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मान है।

'द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर कुवैत का एक नाइटहुड ऑर्डर है। इस मौके पर पी.एम. मोदी ने अरबी भाषा में प्रकाशित रामायण और महाभारत की कृति कुवैतियों को सौंपी। इसका अनुवाद और प्रकाशन भी कुवैती मुसलमान ने किया है।

भारत इस दृष्टि से विश्व को अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक सॉफ्ट पावर से अवगत करा रहा है। ऐसे में देश में चल रहे मंदिर-मस्जिद के ऐतिहासिक विवाद क्या भारत की इस तरक्की की रफ्तार में ब्रेक लगाने का काम नहीं करेंगे। इससे देश का सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ेगा। पूर्व में इसी तरह के सांप्रदायिक विवादों की भारत ने जान-माल के नुकसान और वैश्विक निवेश को लेकर संशय के कारण बड़ी कीमत चुकाई है।

इसी आशंका के कारण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने धार्मिक स्थलों पर गड़े मुर्दे उखाडने को लेकर गहरी नाराजगी जाहिर की है। भागवत को अंदाजा है कि ऐसे विवाद से भारत की छवि को नुकसान होगा। इससे कहीं न कहीं प्रगति पर भी असर पड़ेगा। यही वजह है कि संघ की धार्मिक कट्टर छवि के बावजूद भागवत ने ऐसे मुद्दे उठाने वालों को तगड़ी लताड़ लगाई है। भागवत ने पुणे में ड्क्षहदू सेवा महोत्सव के उद्घाटन के दौरान कहा कि कहीं मंदिर-मस्जिद के रोज नए विवाद निकालकर कोई नेता बनना चाहता है तो ऐसा नहीं होना चाहिए, हमें दुनिया को दिखाना है कि हम एक साथ रह सकते हैं।

भागवत के भाषण की चर्चा इसलिए भी हो रही है

क्योंकि इस वक्त देश में संभल, मथुरा, काशी जैसी कई जगहों की मस्जिदों के प्राचीन समय में मंदिर होने के दावे किए गए हैं। इनके सर्वे की मांग हो रही है और कुछ मामले अदालतों में लंबित हैं। भागवत ने कहा कि हमारे यहां हमारी ही बातें सही, बाकी सब गलत, यह नहीं चलेगा। अलग-अलग मुद्दे रहे तब भी हम सब मिलजुल कर रहेंगे। हमारी वजह से दूसरों को तकलीफ न हो इस बात का ख्याल रखेंगे। जितनी श्रद्धा मेरी अपनी खुद की बातों में है, उतनी श्रद्धा मेरी दूसरों की बातों में भी रहनी चाहिए।

भागवत ने यह भी कहा कि रामकृष्ण मिशन में आज भी 25 दिसंबर (बड़ा दिन) मनाई जाती है क्योंकि यह हम कर सकते हैं, क्योंकि हम हिंदू हैं और हम दुनिया में सब के साथ मिलजुल कर रह रहे हैं। यह सौहार्द अगर दुनिया को चाहिए तो उन्हें अपने देश में यह मॉडल लाना होगा। आर.एस.एस. प्रमुख ने किसी विशेष विवाद का जिक्र नहीं किया। उन्होंने कहा कि बाहर से आए कुछ समूह अपने साथ कट्टरता लेकर आए हैं और वे चाहते हैं कि उनका पुराना शासन वापस आए। उन्होंने कहा, ''लेकिन अब देश संविधान के अनुसार चलता है।'' इस व्यवस्था में लोग अपने प्रतिनिधि चुनते हैं, जो सरकार चलाते हैं। आधिपत्य के दिन चले गए हैं। मुगल बादशाह औरंगजेब का शासन इसी तरह की दृढ़ता से जाना जाता था। हालांकि उनके वंशज बहादुर शाह जफर ने 1857 में गौहत्या पर प्रतिबंध लगा दिया था।

गौरतलब है कि राजस्थान के अजमेर शरीफ दरगाह से जुड़े विवाद और संभल में एक मस्जिद से जुड़े ऐसे विवादित मुद्दों ने जोर पकड़ लिया। अजमेर की एक स्थानीय अदालत ने अजमेर शरीफ दरगाह के नीचे मंदिर का दावा करने वाली याचिका को हाल ही में स्वीकार कर लिया। कुछ ही दिन पहले उत्तर प्रदेश के संभल की शाही जामा मस्जिद के बारे में भी इसी तरह का दावा किया गया और जिला अदालत ने मामले में सर्वे का आदेश दिया। सर्वे के दिन ही संभल में हिंसा भी भड़की, जिसमें पुलिस ने 4 लोगों की मौत की पुष्टि की। आर.एस.एस. प्रमुख भागवत का यह बयान सभी को पच नहीं रहा है। दरअसल इस बयान ने हिन्दुत्व के नेतृत्व का विवाद पैदा कर दिया है। तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि मैं मोहन भागवत के बयान से बिल्कुल सहमत नहीं हूं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मोहन भागवत हमारे नहीं बल्कि हम उनके अनुशासक हैं।

वहीं, उत्तराखंड में ज्योतिर्मठ पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मोहन भागवत पर राजनीतिक रूप से सुविधाजनक रुख अपनाने का आरोप लगाया। सरस्वती ने कहा, ''जब उन्हें सत्ता चाहिए थी, तब वे मंदिरों के बारे में बोलते रहे। अब जब उनके पास सत्ता है तो वह मंदिरों की तलाश न करने की सलाह दे रहे हैं।'' अयोध्या में राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि मंदिर और मस्जिद का संघर्ष एक सांप्रदायिक मुद्दा है और जिस तरह से ये मुद्दे उठ रहे हैं, कुछ लोग नेता बनते जा रहे हैं। अगर नेता बनना ही इसका मकसद है तो इस तरह का संघर्ष उचित नहीं है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि कौन अल्पसंख्यक है और कौन बहुसंख्यक? यहां सब बराबर हैं।

उन्होंने उम्मीद जताई है कि बाकी संघ परिवार भागवत के बयान पर ध्यान देगा। कांग्रेस के ही एक और सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि आर.एस.एस. के सरसंघचालक मोहन भागवत को यह रचनात्मक सलाह उन लोगों को देनी चाहिए जो संविधान का अपमान कर रहे हैं ताकि देश में शांति और समृद्धि बनी रहे। आर.एस.एस. प्रमुख का बयान ऐसे समय आया है जब सोशल मीडिया पर मंदिर-मस्जिद के जहरीले बयानों की बाढ़ आई हुई है। भागवत ने वक्त की नजाकत को समझते हुए सही बयान दिया है। इससे देश की गंगा-जमुनी संस्कृति कायम रहेगी। ऐसे विवादित मुद्दों की आड़ में अपनी राजनीति चमकाने के लिए सांप्रदायिक एकता में दरार डालने वाले कतिपय तत्वों के हौसले पस्त होंगे।

छद्म-सैकुलरवाद का एक और भद्दा चेहरा

बलबीर पुंज

हाल ही में कुछ ऐसा हुआ, जिसने हिंदू-मुस्लिम संबंध में पेंच और भारतीय 'सैकुलरवाद' के भद्दे स्वरूप को फिर से उजागर कर दिया। गत 16 दिसंबर को आतंकवादी और पैरोल पर बाहर आए सैयद अहमद बाशा ने तमिलनाडु के कोयंबटूर स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इसके अगले दिन जब प्रदेश की डी.एम.के. सरकार से भारी सुरक्षाबलों के बीच उसकी 5 किलोमीटर लंबी शव यात्रा निकालने की अनुमति मिली, तब इसमें न केवल सैंकड़ों-हजार स्थानीय मुस्लिमों की भीड़ उमड़ पड़ी, साथ ही प्रदेश के राजनीतिक दलों के नेता-विधायक और कई इस्लामी संगठन के लोग भी इसमें शामिल हुए और शोक व्यक्त किया। यह स्थिति तब है, जब बाशा सजायाफ्ता आतंकवादी था। इस घटना के विरोध में भाजपा और उनके सहयोगी संगठनों ने 20 दिसंबर को 'काला दिवस' भी मनाया। आखिर बाशा के महिमामंडन का विरोध क्यों जरूरी है? कोयंबटूर में जन्मे बाशा के जिहादी साम्राज्य और मजहबी कट्टरता का काला इतिहास 1980 के दशक से शुरू होता है। तब उसने 1983 में हिंदू नेताओं पर हमला किया, तो 1987 में मदुरै रेलवे स्टेशन पर हिंदू मुन्नानी के एक नेता की हत्या का प्रयास किया।

बाशा ने बाबरी ढांचा विध्वंस के एक साल बाद 1993 में 'अल-उम्माह' नामक जिहादी समूह की स्थापना की, जिसका शाब्दिक अर्थ 'पैगंबर के अनुयायी' हैं। इस संगठन पर चेन्नई स्थित आर.एस.एस. कार्यालय पर बम धमाका करने का आरोप लगा। इसका नाम साल 2013 में कर्नाटक के मल्लेश्वरम में हुए बम धमाकों के समय भी सामने आया था। बाशा ने अपना दायरा

बढ़ाया और उसके संगठन ने अन्य जिहादियों के साथ मिलकर 14 फरवरी 1998 को 'ऑपरेशन अल्लाह-हू-अकबर' कोडनेम के तहत कोयंबटूर में 11 स्थानों पर 12 सिलसिलेवार शक्तिशाली बम धमाके कर दिए।

इस हमले का मकसद भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष लालकृष्ण अडवानी की हत्या करना था, जो उस वक्त चुनाव प्रचार के लिए शहर में स्थित आर.एस. पुरम में बैठक करने वाले थे। विमान उडने में विलंब के कारण अडवानी को पहुंचने में देरी हो गई और उनकी जान बच गई। लेकिन इस भीषण हमले में 58 बेगुनाहों (अधिकांश हिंदू) की मौत हो गई, तो 230 से अधिक घायल। इसके बाद 'अल-उम्माह', 'जिहादी कमेटी' और 'तमिलनाडु मुस्लिम मुनेत्र कडगम' के कई सदस्यों की गिरफ्तारी हुई। परंतु कांग्रेस के तत्कालीन शीर्ष नेतृत्व ने इन उन्मादी मुस्लिम संगठनों को क्लीन चिट देते हुए न केवल बम धमाकों का आरोप आर.एस.एस. पर लगा दिया, बल्कि यहां तक कह दिया कि अगर बम भाजपा के अलावा किसी और ने लगाया होता, तो ऐसा करने वाले निश्चित रूप से अडवानी को मार देते।

वर्ष 2002 में सुनवाई शुरू होने के पांच साल और 1300 गवाहों से पूछताछ के बाद अदालत द्वारा सैयद अहमद बाशा के साथ फखरुद्दीन और इमाम अली आदि को भी दोषी ठहराया गया। इस बाशा के हौसले कितने बुलंद थे, यह इस बात से जगजाहिर है कि उसने जुलाई 2003 में अदालत परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए तब कोयंबटूर का दौरा कर रहे गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुलेआम जान से मारने की धमकी दी थी। इस पूरे घटनाक्रम में ऐसा भी मोड़ आया, जिसने देश में सैकुलरवाद के नाम पर इस्लामी कट्टरता को मिल रहे प्रत्यक्ष-परोक्ष 'राजनीतिक संरक्षण' का भी भंडाफोड़ कर दिया। कोयंबटूर धमाकों को लेकर 31 मार्च 1998 को भड़काऊ भाषणों के लिए कुख्यात अब्दुल नासर महदनी की भी केरल से गिरफ्तारी हुई थी। 24 जुलाई 2006 को एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी अखबार ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि कैसे कोयंबटूर आतंकी हमले के आरोपियों के लिए तत्कालीन द्रमुक सरकार ने जेल को मसाज सैंटर में बदल दिया था। तब उस खबर में यह भी बताया गया कि प्रदेश सरकार 2001 से महदनी की आयुर्वैदिक मालिश का खर्च वहन कर रही थी और उसकी पत्नी गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद भी महदनी से बेरोकटोक मिल सकती थी।

जब इस्लामी कट्टरता-आतंकवाद को 'न्यायोचित' ठहराने हेतु वर्ष 2006 से देश में कांग्रेस नीत तत्कालीन संप्रग सरकार द्वारा फर्जी 'ड्क्षहदू आतंकवाद' का नैरेटिव गढ़ा जा रहा था, तब सबूतों के अभाव में महदनी 2007 में जेल से बाहर आ गया। परंतु इसके एक साल पहले ही 16 मार्च 2006 को केरल विधानसभा में विशेष सत्र बुलाकर कांग्रेस और वामपंथियों ने महदनी को रिहा करने पर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर दिया था। यही महदनी 2008 के बेंगलुरु शृंखलाबद्ध बम धमाका मामले में आज भी मुख्य आरोपी है। ऐसी राजनीतिक हमदर्दी इशरतजहां, याकूब मेमन, अफजल गुरु, बुरहान वानी और आदिल अहमद डार जैसे घोषित आतंकवादियों को भी मिल चुकी है। अब कुछ सियासी दल मुस्लिम वोट बैंक के मोह में कोयंबटूर आतंकी हमले के बाकी दोषियों को भी छोडने की मांग कर रहे हैं।

अब एक ऐसा व्यक्ति, जो 1998 के कोयंबटूर आतंकवादी हमले का मुख्य साजिशकर्त्ता हो, जिसने 58 मासूम लोगों को मौत के घाट उतारा हो, जिसका अपराध अदालत द्वारा दोषी सिद्ध हो, समाज में मजहब के नाम पर घृणा फैलाता और जो कई वर्षों से इन्हीं कारणों से सजायाफ्ता रहा हो उसे देश का एक वर्ग, विशेषकर मुस्लिम समाज का एक हिस्सा कैसे 'नायक' या 'शहीद' मान सकता है? क्या यह उन लोगों के प्रति अन्याय नहीं, जिन्होंने बाशा के कारण अपनों को हमेशा के लिए खो दिया। आखिर यह कैसी मानसिकता है? सच तो यह है कि मुस्लिम समाज के एक वर्ग का यह ड्क्षचतन न ही हालिया है और न ही बाशा या महदनी तक सीमित है। वास्तव में, इसी फलसफा ने तत्कालीन राजनीतिक शक्तियों (ब्रिटिश और वामपंथी) के समर्थन से इस्लाम के नाम पर 1947 में भारत का रक्तरंजित विभाजन भी कर दिया था। दुर्भाग्य से यह जहरीला दर्शन आज भी खंडित भारत में छद्म-सैकुलरवाद के नाम पर राजनीतिक दलों द्वारा पोषित है।

पाक नेताओं को वाजपेयी की लाहौर यात्रा याद आई

विजय कुमार

पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने जब देखा कि भारत के विरुद्ध सारे हथकंडे आजमा कर भी पाकिस्तान कुछ हासिल नहीं कर सका तो उन्होंने भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया तथा तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को लाहौर आमंत्रित किया था। नवाज शरीफ के निमंत्रण पर श्री अटल बिहारी वाजपेयी 19 फरवरी, 1999 को बस द्वारा लाहौर गए। वहां ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन के बाद उन्होंने तथा नवाज शरीफ ने आपसी मैत्री और शांति के लिए 21 फरवरी, 1999 को ऐतिहासिक 'लाहौर घोषणा पत्र' पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते ने दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य करने की दिशा में एक बड़ी सफलता का संकेत दिया था और आशा बंधी थी कि इस क्षेत्र में शांति का नया अध्याय शुरू होगा। परंतु इसके कुछ महीनों बाद ही मई, 1999 में पाकिस्तानी घुसपैठ के कारण कारगिल युद्ध शुरू हो गया। कारगिल युद्ध का विरोध करने तथा हारने के बाद भारत के साथ बेहतर संबंधों का पक्ष लेने के कारण नवाज शरीफ को तत्कालीन सेनाध्यक्ष परवेज मुशर्रफ ने सन 2000 में सत्ताच्युत करके देश निकाला दे दिया तथा इसके परिणामस्वरूप भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों को बेहतर बनाने का मौका दोनों देशों के हाथ से निकल गया। 25 दिसम्बर, 2024 को स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के उपलक्ष्य में लाहौर में पत्रकारों ने कुछ वरिष्ठ राजनीतिज्ञों से बात की। देश की सत्तारूढ़ पार्टी 'पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज' (पी.एम.एल.-एन.) के वरिष्ठ नेता और पंजाब असैम्बली के अध्यक्ष 'मलिक अहमद खान' ने कहा- ''अटल बिहारी वाजपेयी की वह बस यात्रा दोनों देशों के संबंधों को शांति के मार्ग पर लाने का एक साहसिक प्रयास था। भले ही हम मौका चूक गए हों लेकिन हमें फिर से प्रयास करना चाहिए।'' ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो वाजपेयी के दृष्टिकोण का अनुसरण करते हैं, वह भारत का नेतृत्व कर रहे हैं और नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ पाकिस्तान में प्रधानमंत्री हैं। लिहाजा दोनों देशों के बीच शांति प्रक्रिया को फिर से शुरू करने की प्रबल संभावना है।'' ''इस क्षेत्र का भविष्य मुक्त व्यापार और दोनों देशों के बीच बिना बाधा आवागमन पर निर्भर करता है। यह इस क्षेत्र में शांति केवल एक अच्छा विचार ही नहीं बल्कि विकास और समृद्धि के लिए आवश्यक है।'' पार्टी के एक अन्य नेता 'मोहम्मद मेहदी' ने श्री वाजपेयी की यात्रा को ऐतिहासिक बताते हुए कहा,''यदि कारगिल युद्ध नहीं हुआ होता तो श्री वाजपेयी की वह यात्रा इस क्षेत्र को स्थायी शांति की ओर ले जा सकती थी।'' 'मोहम्मद मेहदी' के अनुसार, ''फरवरी, 1999 में जब वाजपेयी लाहौर पहुंचे तो विशेष रूप से पी.एम.एल.-एन. के कार्यकर्त्ताओं में उत्साह था। श्री वाजपेयी ने अपने भाषण में कहा था कि पाकिस्तान एक वास्तविकता है और दोनों देशों को अब आगे बढने तथा अतीत को पीछे छोडने की जरूरत है। इससे कई लोगों में उम्मीद जागी थी।'' ''इस समय दोनों देशों के बीच संबंध सबसे खराब स्थिति में हैं। दोनों देशों में से किसी भी देश का एक-दूसरे की राजधानी में कोई राजदूत नहीं है। हालांकि दोनों पक्षों के व्यापारी व्यापार में सुधार के लिए संबंधों को बहाल करना चाहते हैं।'' एक अन्य राजनीतिक विशेषज्ञ ब्रिगेडियर (रिटायर्ड) 'फारूक हमीद' का कहना है कि ''वह पहल विफल हो गई क्योंकि सेना से परामर्श नहीं किया गया। इसी कारण कारगिल संघर्ष हुआ और शांति प्रक्रिया समाप्त हो गई। यदि नवाज शरीफ ने वाजपेयी की यात्रा से पहले सेना को शामिल कर लिया होता तो शांति वार्ता सफल होने की अधिक संभावना होती।'' पाकिस्तान के उक्त नेताओं के बयानों से स्पष्ट है कि अभी भी पाकिस्तान में राजनीतिज्ञों का एक बड़ा वर्ग दोनों देशों के बीच शांति और सौहार्द का समर्थक है और उसका मानना है कि इसी में उनका भला है। इससे भारतीय पंजाब की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी और यहां पाक प्रायोजित हिंसा समाप्त होने से शांति कायम होगी, परंतु अधिक लाभ में तो कंगाली के कगार पर पहुंच चुका पाकिस्तान ही रहेगा। अतः ये नेता अपने आकाओं को यह बात जितनी जल्दी समझा सकेंगे, पाकिस्तान के भविष्य के लिए उतना ही अच्छा होगा।

दलपति विजय ने थेरी के रीमेक बेबी जॉन पर तोड़ी चुप्पी, एटली से बोली दिल की बात

वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन 25 दिसंबर को रिलीज हो चुकी है। यह फिल्म तमिल फिल्म थेरी की रीमेक है, जिसमें दलपति विजय ने मुख्य भूमिका निभाई थी। यह तमिल फिल्म 2016 में रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन एटली ने किया था। यह उनकी दूसरी फिल्म थी। बेबी जॉन का निर्देशन कलीज ने किया है।

बेबी जॉन की रिलीज से एक दिन पहले विजय ने अपने एक्स पर एटली और बेबी जॉन के सभी कलाकारों को भी फिल्म के लिए शुभकामनाएं दीं और साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि बेबी जॉन बॉक्स ऑफिस पर सफल होगी। बेबी जॉन में वरुण धवन, साउथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी, जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव हैं। मुराद खेतानी, प्रिया एटली और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित है।

दलपति विजय ने एक्स पर लिखा, रिलीज वरुण धवन, वामिका गब्बी और कीर्ति सुरेश और पूरी बेबी जॉन की पूरी टीम को शुभकामनाएं। आप सभी को ब्लॉकबस्टर सफलता की शुभकामनाएं। एटली ने जवाब में विजय को रिप्लाई किया, लव यू ना, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। यह हमारे लिए बहुत मायने रखता है।

वरुण ने भी विजय को शुक्रिया देते हुए जवाब दिया और कहा, दलपति विजय सर, आपका धन्यवाद। हम हमेशा आपके आस-पास बच्चे ही रहेंगे बेबी जॉन। कीर्ति सुरेश ने भी विजय को धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, सर !! आपसे मिलना बहुत मायने रखता है !! आपकी शुभकामनाओं के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद!।

कलीज द्वारा निर्देशित बेबी जॉन के निर्माताओं ने इसके एक्शन सींस की कोरियोग्राफी के लिए आठ अंतरराष्ट्रीय एक्शन निर्देशकों की एक टीम को शामिल किया है। आठ एक्शन निर्देशकों अनल अरासु, स्टंट सिल्वा, अनबरीव, यानिक बेन, सुनील रोड्रिग्स, कालोयान वोडेनिचरोव, मनोहर वर्मा, ब्रॉनविन अक्टूबर ने फिल्म में आठ बड़े एक्शन सींस की कोरियोग्राफी की है।

आगामी फिल्म पर बोले इम्तियाज अली फहद फासिल के साथ करेंगे काम

फिल्म निर्देशक इम्तियाज अली अपनी अगली फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म को लेकर चर्चाएं तो काफी पहले से शुरू हो चुकी हैं। यह भी कहा ही जा रहा है कि फहद फासिल इसमें नजर आएंगे। अब हाल ही में खुद इम्तियाज अली ने यह पुष्टि की है कि फहद फिल्म का हिस्सा होंगे और उनकी आगामी फिल्म का

शीर्षक 'इडियट्स ऑफ इस्तांबुल' है। फिल्म में मलयालम अभिनेता फहद फासिल की मौजूदगी पर इम्तियाज अली ने मुहर लगा दी है। इसके जरिए फहद बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। इम्तियाज ने अपने आगामी प्रोजेक्ट पर उत्सुकता जाहिर की।

'समय से पहले हो गया एलान'

इम्तियाज अली ने हाल ही में अपने इंटरव्यू के दौरान 'द इडियट ऑफ इस्तांबुल' के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'इसकी घोषणा हो चुकी है। लेकिन, यह अपने समय से थोड़ा पहले हो गई है। यह फिल्म बन रही है, लेकिन मुझे नहीं पता कि यह अगली फिल्म होगी या नहीं। लेकिन, हां, मैं काफी वक्त से इस फिल्म को बनाने की कोशिश कर रहा हूं। इसका नाम 'द इडियट ऑफ इस्तांबुल' है। मैं इसे बनाना पसंद करूंगा और यह फिल्म मुझे फहद के साथ बनानी है'।

अगले साल शुरू होगी शूटिंग

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फहद फासिल इस फिल्म में तृप्ति डिमरी के साथ नजर आएंगे। फहद फासिल हाल ही में फिल्म 'पुष्पा 2' में नजर आए हैं। दर्शकों को बॉलीवुड में उनके डेब्यू का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की शूटिंग 2025 की पहली तिमाही में शुरू होने वाली है। दर्शकों की उम्मीदें बढ़ गई हैं कि 'जब वी मेट' और 'तमाशा' जैसी हिट फिल्में देने वाले निर्देशक इम्तियाज की यह अगली जबर्दस्त हिट हो सकती है।

'पुष्पा 2' फहद के किरदार को मिल रहा प्यार

इम्तियाज अली ने इस साल फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' का निर्देशन किया। दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा अभिनीत यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर अप्रैल में रिलीज हुई। बात करें फहद की तो वे 'पुष्पा 2' में आईपीएस भंवर सिंह शेखावत के रोल में नजर आए हैं। उनका किरदार दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है।

अल्लू अर्जुन से जुड़े मामले में पुलिस की चेतावनी गलत वीडियो-सूचना फैलाने पर होगा एक्शन

हैदराबाद पुलिस ने बुधवार को चेतावनी दी कि संध्या थिएटर भगदड़ की घटना के बारे में गलत सूचना फैलाने या सोशल मीडिया पर भ्रामक वीडियो पोस्ट करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने एक्स (ट्वीटर) अकांउट पर एक पोस्ट में कहा कि उनके संज्ञान में आया है कि कुछ लोगों ने झूठे वीडियो पोस्ट किए थे कि 4 दिसंबर को एक्टर अल्लू अर्जुन के थिएटर में पहुंचने से पहले ही भगदड़ मच गई थी।

सोशल मीडिया पर गलत दावा

पुलिस का कहना है कि कुछ लोगों ने जानबूझकर सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किए हैं, जिसमें दावा किया गया है कि भगदड़ अल्लू अर्जुन के आने से पहले ही हुई थी। हैदराबाद पुलिस का कहना है, 'हम उन लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे, जो मामले की जांच के दौरान भी जानबूझकर गलत सूचना फैला रहे हैं।'

अफवाहों पर यकीन ना करने का अनुरोध

पुलिस ने यह भी कहा कि किसी भी गलत खबर को गंभीरता से लेंगे। साथ ही लोगों से अफवाहों पर विश्वास ना करने की अपील भी पुलिस ने की है। इसके अलावा यह भी अनुरोध किया कि अगर किसी के पास इस मामले से संबंधित सही सबूत या कोई जानकारी है, तो वे पुलिस को दे सकते हैं।

क्या है पूरा मामला

4 दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में भगदड़ के दौरान एक 35 साल की महिला की मौत हो गई, इस थिएटर में उस समय 'पुष्पा 2' दिखाई जा रही थी। इस दौरान एक्टर अल्लू अर्जुन भी थिएटर की दूसरी मंजिल पर मौजूद थे। इस घटना में महिला के आठ साल के बेटे को भी गंभीर चोट लगी है, वह लड़का अस्पताल में भर्ती है। इस घटना के बाद पुलिस ने अल्लू अर्जुन पर मामला दर्ज किया। एक्टर अल्लू अर्जुन की इस मामले में गिरफ्तारी भी हुई, एक रात वह जेल में भी रहे, फिर उन्हें जमानत मिल गई। हाल ही में पुलिस ने अभिनेता से इसी मामले पर तीन घंटे तक पूछताछ भी की है।

शादी की सालगिरह पर सुनील शेट्टी को अथिया ने खास अंदाज में दी शुभकामनाएं

अभिनेता सुनील शेट्टी आज अपनी पत्नी माना शेट्टी के साथ अपने शादी की सालगिरह मना रहे हैं। इस खास मौके पर उन्होंने कुछ प्यारी तस्वीरें साझा की हैं। उनकी बेटी अथिया शेट्टी भी इस खुशी में शामिल हुईं और उन्हें एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस जोड़ी को 'प्रेम की परिभाषा' बताया।

सुनील ने साझा की रोमांटिक तस्वीरें

सुनील शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर अपनी पत्नी माना शेट्टी के साथ अपनी शादी की सालगिरह पर दो खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में यह जोड़ा हाथ में हाथ डाले एक बगीचे में सैर करता हुआ दिखाई दे रहा है। यह तस्वीर उनके रिश्ते की मजबूती को दिखाती है। वहीं, दूसरी तस्वीर दोनों साथ में सीढ़ियां चढ़ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ अभिनेता ने लिखा, हमारी 42वीं सालगिरह की शुभकामनाएं मेरी प्यारी पत्नी।

अथिया ने साझा किया खास फोटो

जैसे ही उन्होंने यह तस्वीरें साझा कीं, उनके फैंस ने उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं देनी शुरू कर दीं। उनकी बेटी, अथिया शेट्टी ने भी कमेंट में दिल वाला इमोजी साझा किया। अथिया ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने माता-पिता को शुभकामनाएं दीं और उनकी सगाई की एक तस्वीर साझा की।

1991 में दोनों की हुई थी शादी

इस फोटो में माना, सुनील की उंगली में अंगूठी पहनाती हुई नजर आ रही हैं। दोनों के गले में माला भी दिख रही है। अथिया ने इसे कैप्शन दिया, प्रेम की मेरी परिभाषा। हैप्पी एनिवर्सरी। सुनील शेट्टी और माना शेट्टी ने 25 दिसंबर 1991 को शादी की थी। साल 1992 में उनकी बेटी अथिया और 1995 में उनके बेटे अहान का जन्म हुआ था।

सूर्या ने क्रिसमस पर फैंस को दिया बड़ा तोहफा, टीजर के साथ 44वीं फिल्म के नाम से उठाया पर्दा

सूर्या और निर्देशक कार्तिक सुब्बराज की बहुप्रतीक्षित फिल्म का आखिरकार नाम सामने आ गया है। इस फिल्म का नाम 'रेट्रो' रखा गया है। इसके साथ ही निर्माताओं ने क्रिसमस के मौके पर एक रोमांचक टाइटल प्रोमो भी जारी किया। 'रेट्रो' एक गैंगस्टर ड्रामा है, जिसमें पूजा हेगड़े भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी।

सूर्या ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर टाइटल टीजर का लिंक साझा करते हुए लिखा, सभी को मेरी क्रिसमस। रेट्रो 2025 की गर्मियों में आ रही है...जल्द मिलते हैं....। वहीं, पूजा हेगड़े ने भी फिल्म की झलक अपने सोशल मीडिया हैंडल से शेयर की है।

टीजर में दिखा सूर्या का दमदार अंदाज

दो मिनट और पांच सेकंड का यह टीजर सूर्या और पूजा हेगड़े के किरदार को बनारस के घाट के किनारे बैठे हुए दिखाता है। पूजा हलके गुलाबी रंग की साड़ी में हैं, जबकि सूर्या इसमें काले कुर्ते में नजर आ रहे हैं। पूजा उनके हाथ में एक पवित्र धागा बांधती हैं। सूर्या उनकी आंखों में देखकर तमिल में कहते हैं, मैं अपने गुस्से पर काबू पाऊंगा। मैं अपने पिता के साथ काम करना छोड़ दूंगा। हिंसा, गुंडागर्दी, लाठी-गोली—अब सब कुछ छोड़ दूंगा। मैं मुस्कुराने की कोशिश करूंगा और खुश रहने की कोशिश करूंगा। मेरे जीवन का उद्देश्य तुम्हारे शब्दों में प्रेम है। शुद्ध प्रेम। बस यही। मैं सब कुछ सीधे और ईमानदारी से कह रहा हूं। अब बताओ क्या हमें शादी कर लेनी चाहिए?

कंगुवा में सूर्या आए थे नजर

सूर्या को आखिरी बार 'कंगुवा' फिल्म में देखा गया था। इस फिल्म में बॉबी देओल ने विलेन का रोल निभाया था।

फिल्म को बडे.बजट में तैयार किया गया था। हालांकि, दर्शकों को यह फिल्म बिल्कुल भी पसंद नहीं आई थी। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म बुरी तरह फ्लॉप रही थी।

रेप केस में फंसे कोरियोग्राफर की तारीफ कर फंसीं कियारा : ट्रोल होने पर एडिट किया कैप्शन

कियारा आडवाणी जल्द ही राम चरण के साथ फिल्म गेम चेंजर में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म 10 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी। हाल ही में फिल्म का गाना 'धोप' जारी किया गया। इसी बीच, कियारा ने इस गाने के डांस रिहर्सल का एक वीडियो अपने

सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसमें कोरियोग्राफर मास्टर जानी का जिक्र था, जो रेप के आरोपी हैं। इसके बाद यूजर्स कियारा पर बुरी तरह भड़क गए।

हालांकि, बाद में कियारा ने अपना कैप्शन बदल दिया। दरअसल, कियारा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, 'मुझे याद है जब मैंने मास्टर जानी की कोरियोग्राफी देखी थी, तो मुझे लगा था कि हम इसे कैसे करेंगे, लेकिन यही हमारे काम की खास बात है कि हम हमेशा कुछ नया सीखते रहते हैं।' कियारा का कैप्शन पढ़कर लोग भड़क गए। एक ने कमेंट करते

हुए लिखा, 'बॉलीवुड एक्टर्स को किसी भी चीज से फर्क नहीं पड़ता।', दूसरे ने लिखा, 'कियारा ने ये क्यों लिखा है, जब जानी मास्टर को जमानत मिलने के बाद हुए हंगामे और उनके राष्ट्रीय पुरस्कार के वापस लिए जाने की खबरें आई थीं?', तीसरे ने लिखा, 'महिला होते हुए आपने अपनी पोस्ट में जानी मास्टर का नाम क्यों लिया? क्या आपको उनकी हाल की खबरों के बारे में नहीं पता?'।

सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग के बाद कियारा ने अपने कैप्शन से जानी मास्टर का नाम हटा दिया और फिर उन्होंने निर्देशक और को-एक्टर की तारीफ की।

फिल्म गेम चेंजर में राम चरण डबल रोल में नजर आएंगे। उनके साथ कियारा आडवाणी, अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत और समुथिरकानी जैसे स्टार्स भी हैं। फिल्म में राम चरण एक आईएएस अधिकारी का किरदार निभाते हैं, जो भ्रष्ट व्यवस्था को चुनौती देता है। बता दें, तेलुगू कोरियोग्राफर जानी मास्टर यानी शेख जानी बाशा पर एक 21 साल की लड़की ने शारीरिक उत्पीड़न का आरोप लगाया था। पास्को के तहत मामला दर्ज होने के बाद स्पेशल ऑपरेशन टीम (एसओटी) ने उन्हें 19 सितंबर को गोवा में गिरफ्तार कर लिया था।

इसके बाद उनसे बेस्ट कोरियोग्राफर का नेशनल अवॉर्ड भी छीन लिया गया था। जानी मास्टर को साल 2022 में रिलीज हुई धनुष की फिल्म 'तिरुचित्रम्बालम' के गाने 'मेघम करुकथा' का डांस कोरियोग्राफ करने के लिए नेशनल अवॉर्ड दिया गया था। इस गाने को उन्होंने सतीश कृष्णन के साथ कोरियोग्राफ किया था।

कौन हैं वामिका गब्बी? 'बेबी जॉन' से पहले इन फिल्मों और सीरीज में काट चुकी हैं गदर

बेबी जॉन मूवी में नजर आ रही एक्ट्रेस वामिका गब्बी इससे पहले पंजाबी से लेकर तमिल, तेलुगु और मलयालम सिनेमाओं में काम किया। वह सोशल मीडिया पर बहुत चल रही है।

वेब सीरीज 'जुबली' में नजर आ रहीं एक्ट्रेस वामिका गब्बी पंजाबी से लेकर तमिल, तेलुगू और मलयालम फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि वामिका गब्बी ने 'जब वी मेट' में शाहिद कपूर की साली का रोल प्ले किया था।

वामिका गब्बी को अब भला कौन नहीं पहचानता? हाल ही रिलीज हुई वेब सीरीज 'जुबली' में निलोफर के किरदार में वामिका गब्बी की परफॉर्मेंस की खूब तारीफ हो रही है। इससे पहले वह 'बाहुबलीः बिफोर द बिगिनिंग' और 'ग्रहण' जैसी वेब सीरीज के अलावा कुछ फिल्मों में भी नजर आईं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि वामिका गब्बी फिल्मी रिश्ते में शाहिद कपूर की साली और करीना कपूर की बहन लगती हैं?

जब वी मेट में बनीं करीना की बहन

वामिका गब्बी ने दरअसल फिल्म 'जब वी मेट' में गीत यानी करीना कपूर की बहन का रोल प्ले किया था। इस नाते वह फिल्म में शाहिद कपूर की साली बनी थी। 'जब वी मेट' के दौरान बच्ची थीं और पढ़ाई कर रही थीं।

'जब वी मेट' में वामिका गब्बी को रोल कैसे मिला था, इसके बारे में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बताया था। वामिका गब्बी ने 'आजतक' को बताया था कि एक बार जब वह डांस क्लास में थीं तो वहां कुछ लोग आए और उन्होंने डांस क्लास से कुछ बच्चों को 'जब वी मेट' के लिए चुना। उनमें वामिका गब्बी भी शामिल थीं।

वामिका गब्बी को इस फिल्म की शूटिंग के लिए हर रोज 400 रुपये की फीस मिलती थी। 'जब वी मेट' के लिए वामिका गब्बी ने 25 दिनों तक शूटिंग की थी और इस हिसाब से उन्होंने 10 हजार रुपये कमा लिए थे। 'जब वी मेट' के बाद वामिका गब्बी ने फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और उनके प्रोजेक्ट्स की लाइन लग गई।

वामिका गब्बी को बड़ा ब्रेक यो यो हनी सिंह की फिल्म 'तू मेरा 22 मैं तेरा 22' से मिला था। इसके बाद उन्होंने दो और पंजाबी फिल्में कीं। वामिका साउथ में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने तमिल से लेकर तेलुगू और मलयालम भाषा की फिल्में भी की हैं।

झेला रिजेक्शन, शॉर्टलिस्ट के बाद कर दी जातीं रिजेक्ट

वामिका गब्बी ने 2007 में एक्टिंग डेब्यू किया था और कई फिल्में कीं। लेकिन उन्होंने काफी रिजेक्शन भी झेला। बहुत बार ऐसा हुआ जब वामिका को किसी प्रोजेक्ट के लिए शॉर्टलिस्ट कर लिया जाता और फिर रिजेक्ट कर दिया जाता। इससे वामिका गब्बी परेशान हो गई थीं।

एक्टिंग छोड़ने वाली थीं वामिका गब्बी

2019 में ऐसा भी पल आया था जब वामिका ने एक्टिंग छोड़ने का फैसला कर लिया था। उन्होंने यह फैसला रिजेक्शन से तंग आकर लिया था। लेकिन विशाल भारद्वाज के वेब शो 'मिडनाइट्स चिल्ड्रेन' ने उनकी जिंदगी संवार दी और फिर से करियर ट्रैक पर लौट आया।

चुनिंदा रोल्स ही करना चाहती हैं रिद्धि डोगरा

बोलीं- काम ऐसा करो कि लोग हमेशा याद रखें; 'द साबरमती रिपोर्ट' में नजर आई थीं एक्ट्रेस

रिद्धि डोगरा ने हाल ही में अपने फिल्मों के सलेक्शन के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि वह अपनी जिंदगी में कुछ चुनिंदा रोल्स ही करना चाहती हैं, ताकि जब वह किरदार खत्म हो, तो लोग उसे हमेशा याद रखें। स्क्रीन के साथ बातचीत में रिद्धि डोगरा ने कहा, 'मेरी सबसे पहली सोच यह है कि मैं ऐसे रोल्स करना चाहती हूं जो असरदार हों। मैं ऐसा किरदार निभाना चाहती हूं, जिसे अगर कहानी से निकाल दिया जाए, तो लोग उसे मिस करें। यही मेरी शुरुआत से सोच रही है। फिल्म में चाहे जितने भी लोग हों, इससे फर्क नहीं पड़ता। आप हमेशा हीरोइन का किरदार नहीं निभा सकते।'

रिधि डोगरा की मानें तो उन्होंने हमेशा टीवी पर मुख्य भूमिका निभाई है और टीवी पर उन्हें बहुत प्यार मिला है, क्योंकि उन्होंने हमेशा

हीरोइन का किरदार निभाया है। अब वह अपने काम का दायरा बढ़ाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि भले ही लीड रोल में सबका ध्यान आपकी तरफ होता है, लेकिन वह चुनिंदा रोल इसलिए करना चाहती हैं ताकि उन्हें अलग-अलग किरदार निभाने का मौका मिल सके।

रिधि डोगरा ने आगे कहा, 'मैं नहीं चाहती कि मुझे एक ही तरह के किरदार में फंसा दिया जाए, क्योंकि अगर आप एक बार किसी किरदार में फेमस हो गए, तो आसानी से वैसा ही रोल मिल जाता है। लेकिन मैं खुद को इस बंधन से आज़ाद करना चाहती हूं। मैं जो भी करती हूं, उस पर ध्यान देती हूं और इसमें मुझे कुछ अच्छे और कुछ गलत फैसले लेने पड़ते हैं। मेरे पास यह नहीं है कि कोई मुझे बताए कि क्या करना चाहिए। इस इंडस्ट्री में काम करने का कोई एक तरीका नहीं है।'

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

मानहानि मामले में आप नेता सौरभ भारद्वाज को नोटिस जारी

नईदिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यकर्ता द्वारा दायर आपराधिक मानहानि के मामले में नोटिस जारी किया है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने 23 दिसंबर को पारित आदेश में भारद्वाज को नोटिस जारी किया, जिसमें उन्हें सूरजभान चौहान द्वारा दायर शिकायत के आधार पर नौ जनवरी, 2025 तक जवाब देने का निर्देश दिया गया है। अपनी शिकायत में चौहान ने आरोप लगाया कि भारद्वाज ने 2018 में प्रेस वार्ता में झूठा दावा करके उन्हें बदनाम किया था कि उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। न्यायाधीश ने शिकायतकर्ता को उसी मुद्दे पर पहले की शिकायत की प्रतिलिपि दाखिल करने का अंतिम अवसर भी दिया, जिसे एक अन्य अदालत ने खारिज कर दिया था।

रेवंत रेड्डी सरकार टॉलीवुड को निशाना बना रही : मालवीय

हैदराबाद। हैदराबाद में एक थिएटर के बाहर मची भगदड़ और उसमें महिला की मौत के बाद टॉलीवुड अभिनेता अल्लू अर्जुन के खिलाफ कार्रवाई देशभर में चर्चा का विषय बनी हुई है। अब इस मुद्दे ने राजनीतिक रंग ले लिया है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट करके आरोप लगाए हैं कि तेलंगाना की रेवंत रेड्डी सरकार तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री टॉलीवुड को निशाना बना रही है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि दरअसल तेलुगु फिल्म स्टारों और फिल्म निर्माताओं ने मुख्यमंत्री के नियंत्रण में जाने और उनसे पैसे ऐंठने की कोशिशों को नाकाम कर दिया है। गौरतलब है कि बीते दिनों हैदराबाद में फिल्म स्टार नागार्जुन के कन्वेंशन सेंटर पर बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया गया था। इस घटना का जिक्र भी अमित मालवीय ने किया। उन्होंने लिखा कि विवाद की शुरुआत सुपरस्टार नागार्जुन के हैदराबाद स्थित कन्वेंशन सेंटर को ध्वस्त करने से हुई।

कांग्रेस के पोस्टर में भारत का गलत नक्शा : भाजपा

नईदिल्ली। बेलगावी में स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विकृत भारतीय मानचित्र के साथ स्वागत फ्लेक्स और बैनर लगाने के बाद 1924 सत्र के कांग्रेस शताब्दी समारोह से पहले पार्टी को शर्मिंदा कर दिया है। बेलगावी शहर के प्रवेश द्वार पर जो बैनर और फ्लेक्स लगाए गए, उनमें भारत का विकृत नक्शा है, जहां पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और अक्साई चिन क्षेत्र के हिस्से बैनर और स्वागत बोर्डों में इस्तेमाल किए गए नक्शे से गायब हैं। इसको लेकर भाजपा को कांग्रेस पर निशाना साधने का मौका मिल गया है। शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह कांग्रेस की भारत तोड़ो, टुकड़े-टुकड़े मानसिकता है, जिस तरह से उन्होंने बेलगावी कार्यक्रम में विकृत नक्शे लगाए हैं, जहां वे जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान और चीन का हिस्सा दिखा रहे हैं, यह कुछ ऐसा है जो कांग्रेस ने समय पर किया है और जम्मू-कश्मीर को पाक को सौंपना कांग्रेस का एजेंडा रहा है और आज वह मानसिकता एक बार फिर उजागर हो गई है।

रघुवर दास पहुंचे रांची, आज ले सकते हैं भाजपा की सदस्यता

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और ओडिशा के निवर्तमान राज्यपाल रघुवर दास गुरुवार को 3 बजे रांची पहुंचे। राज्यपाल के पद से इस्तीफा देने के बाद वह दोबारा सक्रिय राजनीति में वापस लौटेंगे। शुक्रवार को वह बीजेपी की सदस्यता ले सकते हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा तो ये भी है कि संगठन उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकता है। जानकारी के मुताबिक बीजेपी की सदस्यता लेने के बाद वह रघुवर दास दिल्ली जाकर आला नेताओं से मुलाकात करेंगे। बता दें कि रघुवर दास को 18 अक्तूबर 2023 को ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। वह 14 माह तक ओडिशा के लोगों की सेवा की। अपने इस छोटे से कार्यकाल में वे राज्य के 30 जिलों का दौरा कर लोगों के सुख दुख के सहभागी बने। आम लोगों की राजभवन तक पहुंच आसान बना दी। रघुवर दास गुरुवार को राजभवन से विदाई लिए। बुधवार को उन्होंने पुरी में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि मैं एक मजदूर परिवार से आता हूं। 1980 में भाजपा की सदस्यता ली थी।

छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर लालू-प्रियंका ने साधा निशाना

पटना। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के अभ्यर्थियों को तितर-बितर करने के लिए बिहार पुलिस द्वारा लाठीचार्ज करने के एक दिन बाद, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने गुरुवार को कहा कि पुलिस को लाठीचार्ज नहीं करना चाहिए था और यह गलत था। लालू ने कहा कि ऐसा नहीं करना चाहिए था। गलत बात है। परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर बीपीएससी अभ्यर्थी बुधवार को पटना में आयोग के कार्यालय का घेराव करने के लिए एकत्र हुए। वहीं, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज को लेकर बृहस्पतिवार को राज्य सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा तथा आरोप लगाया कि भाजपा को सिर्फ अपनी कुर्सी बचाना है। प्रियंका गांधी ने अपने व्हाट्सएप चैनल पर पोस्ट किया, हाथ जोड़ रहे युवाओं पर इस तरह लाठी चलाना क्रूरता की पराकाष्ठा है। भाजपा राज में रोजगार मांगने वाले युवाओं को लाठियों से पीटा जाता है।

एफआईआर पर तकरार, कांग्रेस को किया जाए इंडिया ब्लॉक से बाहर : आप

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज है। आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के बीच तनातनी बढ़ गई है। आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस से अजय माकन पर कार्रवाई की मांग की है। आप के संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि अगर अजय माकन के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई तो उनकी पार्टी इंडिया ब्लॉक पार्टियों से कांग्रेस को गठबंधन से हटाने के लिए कहेगी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि कांग्रेस के बयानों से यह स्पष्ट हो गया है कि दिल्ली चुनाव के लिए कांग्रेस ने भाजपा के साथ समझौता कर लिया है।

बुधवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने कहा कि अरविंद केजरीवाल देशद्रोही हैं। मैं कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहती हूं कि क्या उन्होंने कभी किसी भाजपा नेता पर यही आरोप लगाए हैं? नहीं। लेकिन आज कांग्रेस अरविंद केजरीवाल पर देशद्रोही होने का आरोप लगा रही है। कांग्रेस ने बुधवार को मेरे और अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। क्यों? क्या कांग्रेस ने कभी किसी भाजपा नेता के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज कराई है?

सीएम आतिशी ने कहा, हमें विश्वसनीय स्रोतों से पता चला है कि कांग्रेस उम्मीदवारों का चुनावी खर्च भाजपा से आ रहा है। भाजपा कांग्रेस उम्मीदवारों को फंड दे रही है। हमने सुना है कि संदीप दीक्षित को भाजपा से फंड मिल रहा है। अगर कांग्रेस को लगता है कि हम (आम आदमी पार्टी) देशद्रोही हैं, तो उन्होंने हमारे साथ गठबंधन करके लोकसभा चुनाव क्यों लड़ा? यह स्पष्ट है कि कांग्रेस नेताओं ने भाजपा के साथ आप को हराने और दिल्ली में भाजपा को जिताने के लिए कुछ आपसी समझौता किया है। अगर कांग्रेस और भाजपा के बीच कोई समझौता नहीं हुआ है, तो उन्हें 24 घंटे के भीतर अजय माकन के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

आप नेता संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली चुनाव में भाजपा को जीत दिलाने के लिए कांग्रेस हर संभव कोशिश कर रही है। भाजपा कांग्रेस का फंडिंग कर रही है। अजय माकन भाजपा का स्क्रिप्ट पढ़ रहे हैं। अजय माकन ने अरविंद केजरीवाल को देशद्रोही कहा, पार्टी 24 घंटे में उनके खिलाफ कार्रवाई करे।

संजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस नेता अजय माकन भाजपा द्वारा भेजी गई स्क्रिप्ट पढ़ते हैं और आप नेताओं को टारगेट करते हैं। अरविंद केजरीवाल ने दिल्लीवालों के लिए बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा का इंतजाम किया लेकिन कांग्रेस ने केजरीवाल को देशद्रोही कहा। कांग्रेस ने सारी हदें पार कर दी हैं। कांग्रेस आलाकमान 24 घंटे में अजय माकन पर एक्शन ले, वरना हम कांग्रेस को इंडी गठबंधन से अलग करने की मांग करेंगे।

आम आदमी पार्टी में पड़ गई फूट !

केजरीवाल की बात नहीं सुन रहीं आतिशी : भाजपा

नईदिल्ली। दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में सत्तारूढ़ आप की दो योजनाओं के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को खारिज करने के लिए जारी किए गए नोटिस के बाद, भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आजकल दिल्ली के मुख्यमंत्री आतिशी उनकी बात नहीं सुन रही हैं। वल्लभ ने दावा किया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आम आदमी पार्टी में विभाजन हो गया है, उन्होंने कहा कि पार्टी के भीतर अरविंद केजरीवाल, आतिशी, संजय सिंह और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में कई गुट उभर आए हैं।

वल्लभ ने कहा कि सीएम आतिशी इन दिनों अरविंद केजरीवाल की बात नहीं सुन रही हैं। एक तरफ केजरीवाल कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा कर रहे हैं लेकिन दूसरी तरफ आतिशी कह रही हैं कि ऐसी कोई कल्याणकारी योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पार्टी में फूट पड़ गई है। एक गुट अरविंद केजरीवाल के साथ है तो दूसरा गुट मुख्यमंत्री आतिशी के साथ है। उन्होंने दावा किया कि एक गुट संजय सिंह के साथ है तो पंजाब का एक गुट पंजाब के सीएम के साथ है। इसलिए मुझे लगता है कि दिल्ली चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी में फूट पड़ने वाली है।

अपने हमले को तेज करते हुए, भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार ने शराब में भ्रष्टाचार किया है और इसलिए, उन्हें अपनी पार्टी का नाम बदलकर %दारू प्रेमी पार्टी% कर लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं केजरीवाल जी और दिल्ली सरकार को एक बात बताना चाहता हूं कि पिछले तीन आम (लोकसभा) चुनावों में, भाजपा ने सभी 7 सीटें जीती हैं। केजरीवाल जी, जब आप शराब के आरोप में जेल में थे, तब भी भाजपा के चुने हुए प्रतिनिधि दिल्ली की जनता के लिए काम कर रहे थे। आपने और आपकी सरकार ने एक ही काम किया है, शराब में भ्रष्टाचार। तो अब आपको अपनी पार्टी का नाम बदलकर %दारू प्रेमी पार्टी% रख लेना चाहिए।

युवाओं को सशक्त बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मोदी

नईदिल्ली। दिल्ली में वीर बाल दिवस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि युवाओं को सशक्त बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आज युवाओं को राष्ट्र के विकास से जुड़े हर क्षेत्र में अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम हर क्षेत्र में नए बदलाव और चुनौतियां देख सकते हैं, इसलिए हमें अपने युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने की जरूरत है। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज हम तीसरे वीर बाल दिवस का हिस्सा बन रहे हैं। तीन साल पहले हमारी सरकार ने वीर साहिबजादों के बलिदान की अमर स्मृति में वीर बाल दिवस मानने शुरूआत की थी। अब ये दिन करोड़ों देशवासियों के लिए, पूरे देश के लिए राष्ट्रीय प्रेरणा का पर्व बना है। इस दिन ने भारत के

कितने ही बच्चों और युवाओं को अदम्य साहस से भरने का काम किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि साहिबज़ादों ने मुग़ल साम्राज्य के सभी प्रलोभनों को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने हर अत्याचार सहा। जब वजीर खान ने उन्हें जिंदा ईंटों से मार देने का आदेश दिया, तो साहिबजादों ने बड़ी बहादुरी के साथ चुनौती स्वीकार कर ली। उन्होंने वजीर खान को गुरु अर्जन देव, गुरु तेग बहादुर और गुरु गोबिंद सिंह की बहादुरी की याद दिलाई। उन्होंने मृत्यु को स्वीकार कर लिया, लेकिन आस्था के मार्ग से कभी नहीं डिगे। उन्होंने कहा कि गुरु परंपरा ने हमें, सभी को एक समान भाव से देखना सिखाया है और संविधान भी हमें इसी विचार की प्रेरणा देता है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि वीर साहिबजादों का जीवन हमें देश की अखंडता और विचारों से कोई समझौता ना करने की सीख देता है और संविधान भी हमें भारत की प्रभुता और अखंडता को सर्वोपरि रखने का सिद्धांत देता है। हमारे लोकतंत्र की विराटता में गुरुओं की सीख है, साहिबजादों का त्याग है और देश की एकता का मूल मंत्र है। उन्होंने कहा कि इतिहास से वर्तमान तक, भारत की प्रगति में हमेशा युवा ऊर्जा की बड़ी भूमिका रही है। आजादी की लड़ाई से लेकर 21वीं सदी के जनांदोलनों तक, भारत के युवा ने हर क्रांति में अपना योगदान दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वीर बाल दिवस हमें प्रेरणाओं से भरता है और नए संकल्पों के लिए प्रेरित करता है। मैंने लाल किले से कहा है कि अब बेस्ट ही हमारा स्टैंडर्ड होना चाहिए। मैं अपनी युवा शक्ति से कहूंगा कि वो जिस सेक्टर में हों उसे बेस्ट बनाने के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि 26 दिसंबर का वो दिन, जब छोटी सी उम्र में हमारे साहिबजादों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी। साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह की आयु कम थी, लेकिन उनका हौसला आसमान से भी ऊंचा था।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

राष्ट्रपति ने 14 राज्यों के 17 बच्चों को किया सम्मानित

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को 17 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। पुरस्कार कला, संस्कृति और खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण साहस और उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए दिए जाते हैं। यह पुरस्कार सात श्रेणियों में दिए जाते हैं- कला और संस्कृति, बहादुरी, नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा, खेल और पर्यावरण।

इस बार 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से चुने गए सात लड़कों और 10 लड़कियों को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार के तहत बच्चों को

एक पदक, प्रमाण पत्र और उद्धरण पुस्तिका प्रदान की गई। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मानित बच्चों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बच्चों को खूब सारी बातें कीं।

खेल

प्रमुख समाचार

ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन 6 विकेट खोकर बनाए 311 रन

मेलबर्न। बॉक्सिंग-डे टेस्ट के पहले दिन

ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट खोकर 311 रन बनाने का काम किया। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने कमाल का प्रदर्शन किया। जसप्रीत बुमराह ने टीम के लिए सबसे अधिक तीन विकेट चटकाने में कामयाबी हासिल की। भारत ने तीसरे सेशन में सबसे अधिक चार विकेट झटके। स्टीव स्मिथ और कप्तान पैट कमिंस पहले दिन पिच पर नाबाद हैं। पहले दिन के खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी दिखाई पड़ रहा है।

जसप्रीत बुमराह ने ट्रेविस हेड को क्लीन बोल्ड किया और वह इस मैच में खाता नहीं खोल सके। यह इस सीरीज में पहली बार है जब हेड खाता खोलने में नाकाम रहे हैं। बुमराह की यह गेंदबाजी शानदार थी और उन्होंने हेड को बिना कोई रन बनाए पवेलियन भेज दिया। वॉशिंगटन सुंदर ने मार्नस लाबुशेन को विराट कोहली के हाथों कैच करा लिया। लाबुशेन ने 145 गेंदों में सात चौकों की मदद से 72 रन बनाकर आउट हुए, जो उनके टेस्ट करियर का 22वां अर्धशतक था। लाबुशेन और स्टीव स्मिथ के बीच तीसरे विकेट के लिए 83 रन की साझेदारी हुई। बुमराह ने भारत को दूसरी सफलता दिलाते हुए उस्मान ख्वाजा को 154 के स्कोर पर पवेलियन भेजा। ख्वाजा ने 121 गेंदों पर छह चौके की मदद से 57 रन बनाए। उन्होंने मार्नस लाबुशेन के साथ दूसरे विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी निभाई। फिलहाल, लाबुशेन का साथ निभाने के लिए स्टीव स्मिथ क्रीज पर आए हैं। इससे पहले रवींद्र जडेजा ने सैम कोंस्टास को आउट किया था। ऑस्ट्रेलिया को 89 के स्कोर पर पहला झटका तब लगा जब रवींद्र जडेजा ने डेब्यूटांट सैम कोंस्टास को पवेलियन भेजा। कोंस्टास ने 65 गेंदों पर 60 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें उन्होंने 6 चौके और 2 छक्के लगाए।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 78,472 और निफ्टी 23,750 अंक पर सेटल

नईदिल्ली। बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी50 गुरुवार (26 दिसंबर) को लगभग सपाट नोट पर बंद हुए। डॉमेस्टिक और इंटेरेशनल लेवल पर किसी बड़े ट्रिगर पॉइंट नहीं होने की वजह से बाजार ने एक सिमित दायरे में कारोबार किया और अंत में लगभग पिछले बंद भाव पर बंद हुआ। हालांकि घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ खुले। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स गुरुवार को तेजी के साथ 78,557.28 अंक पर खुला। खुलते ही यह 78,851.92 अंक तक चढ़ गया। लेकिन बाद में फिसल गया। अंत में सेंसेक्स अपने पिछले बंद भाव 78,472.48 अंक पर ही सपाट बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी आज हरे निशान में खुला और बाद में लाल रंग में फिसल गया। अंत में यह 22.55 अंक या 0.1% की मामूली बढ़त के साथ 23,750.20 पर क्लोज हुआ।

इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 28 प्रतिशत की वृद्धि

नईदिल्ली। भारत से इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्यात वित्तवर्ष 25 की अप्रैल-नवंबर अवधि में 22.5 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जो वित्तवर्ष 24 में इसी अवधि के 17.66 बिलियन डॉलर के मुकाबले लगभग 28 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। यह बढ़ोतरी इलेक्ट्रॉनिक्स को भारत के शीर्ष दस निर्यात क्षेत्रों में सबसे तेजी से बढ़ने वाला सेक्टर बना रही है। इसने छठे स्थान से तीसरे स्थान पर छलांग लगाई है, केवल इंजीनियरिंग उत्पादों और पेट्रोलियम के बाद। इस वृद्धि का मुख्य श्रेय स्मार्टफोन उत्पादन को बढ़ावा देने वाली प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना को जाता है। स्मार्टफोन निर्यात 13.11 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जो वित्तवर्ष 24 के 9.07 बिलियन डॉलर के मुकाबले 45% की वृद्धि है। स्मार्टफोन अब कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात का 58% हिस्सा रखते हैं।

भारत 2035 तक तेल की वैश्विक मांग बढ़ाएगा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2035 तक वैश्विक तेल मांग में वृद्धि का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत इस अवधि के दौरान वैश्विक तेल मांग में लगभग 2 मिलियन बैरल प्रति दिन (एमबी/डी) जोड़ेगा, जिससे यह पूरे पेट्रोलियम उद्योग का प्राथमिक विकास चालक बन जाएगा। रिपोर्ट ने कहा, भारत 2035 तक लगभग 2 मिलियन बैरल प्रति दिन (एमबी/डी) जोड़कर तेल मांग वृद्धि का मुख्य स्रोत बन गया है। यह बदलाव ऐसे समय में आया है जब चीन, जो ऐतिहासिक रूप से तेल बाजार की वृद्धि का नेतृत्व कर रहा है, बिजली से चलने वाली ऊर्जा के उपयोग की ओर बढ़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ने के कारण सड़क परिवहन के लिए चीन की तेल खपत में गिरावट आने का अनुमान है।

स्टार्टअप की दुनिया में महिलाओं का दबदबा

नईदिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि भारत कम से कम एक महिला निदेशक के साथ 73,000 से अधिक स्टार्टअप का घर है, जिन्हें स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत मान्यता प्राप्त है। मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि यह सरकार द्वारा समर्थित 1,57,066 स्टार्टअप में से लगभग आधे का प्रतिनिधित्व करता है, जो नवाचार और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। भारत विश्व स्तर पर सबसे जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में से एक के रूप में उभरा है, जिसने तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप हब के रूप में अपनी स्थिति हासिल की है। 100 से अधिक यूनिकॉर्न के साथ, भारतीय स्टार्टअप परिदृश्य नवाचार और उद्यमिता के भविष्य को आकार दे रहा है।

पैकेजिंग उद्योग को जवाबदेह बनाने से बनेगी बात

विवेक एस अग्रवाल

हर साल 25 फीसदी से अधिक वृद्धि दर से बढ़ती पैकेजिंग इंडस्ट्री को रोकने के लिए आखिरकार सरकार ने एक पहल की है, ताकि बेलगाम बढ़ती पैकेजिंग सामग्री पर अंकुश लगाया जा सके और निर्माण तथा उपयोग कर रहे उद्यमों को जवाबदेह भी बनाया जाए। वर्तमान में लगभग एक हजार खरब रुपयों के इस उद्योग को जवाबदेह बनाने के लिए सबसे जरूरी है कि उसके साथ एक क्षतिपूर्ति लागत को शामिल करना, ताकि यह एहसास बना रहे कि यदि पैकेजिंग हेतु किसी भी सामग्री का उपयोग किया गया, तो उस बाबत क्षतिपूर्ति राशि भी वहन करनी पड़ेगी। संभावना है कि यह पैकेजिंग उद्योग 2030 तक लगभग पांच गुना तक बढ़ जाएगा।

इस बारे में पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय द्वारा कागज, बोर्ड, धातु, कांच की पैकेजिंग समेत सेनेटरी उत्पादों के सुदृढ़ पर्यावरणीय प्रबंधन बाबत एक अप्रैल, 2026 से लागू होने वाले प्रस्तावित नियमों पर आगामी 60 दिनों में आमजन से सुझाव एवं आपत्तियां आमंत्रित की हैं। इन प्रस्तावित नियमों के पीछे मंशा है कि निर्माण एवं उपयोग करने वाले उद्यम विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व के माध्यम से पुनः उपयोग, पुनर्प्राप्ति और पुनर्चक्रण पर अमल करते हुए चक्रीय अर्थव्यवस्था को अंजाम देने में मददगार साबित हों। लेकिन प्रस्तावित नियमों में सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को दायरे से बाहर रखकर शायद लक्ष्य की पूर्ति में बाधा ही उत्पन्न की है, क्योंकि पैकेजिंग सामग्री का उपयोग मात्र बड़े उद्यमों द्वारा ही नहीं होता है, अपितु बहुत बड़ी मात्रा छोटे उद्योगों के माध्यम से भी उपयोग में ली जाती है। सामान्य तौर पर विगत एक दशक और

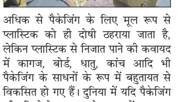

अधिक से पैकेजिंग के लिए मूल रूप से प्लास्टिक को ही दोषी ठहराया जाता है, लेकिन प्लास्टिक से निजात पाने की कवायद में कागज, बोर्ड, धातु, कांच आदि भी पैकेजिंग के साधनों के रूप में बहुतायत से विकसित हो गए हैं। दुनिया में यदि पैकेजिंग की दृष्टि से देखा जाए, तो हम 11वें स्थान पर हैं, लेकिन ऑनलाइन शॉपिंग तथा सामग्री के दिखावटी विपणन एवं साज-सज्जा के नाम पर पैकेजिंग सामग्री का बेतहाशा उपयोग किया जा रहा है।

प्रस्तावित कानून के दायरे में उत्पादक, आयातक और ब्रांड मालिक को तो लिया गया है, लेकिन पैकेजिंग सामग्री को अन्य उपयोगों यथा सजावटीकरण, भेंट आदान-प्रदान एवं अन्य उत्पादों में अप्रत्यक्ष रूप से उपयोग करने वालों का कहीं पर भी कोई उल्लेख नहीं है। बढ़ती आयोजन उद्यमिता में इस सजावट सामग्री के रूप में पैकेजिंग सामग्री का निरंतर उपयोग बढ़ता जा रहा है। इस दृष्टि से उक्त संवर्ग को भी शामिल करना न्यायोचित होगा, ताकि निरंकुश तरीके से उपयोग में आ रही सामग्री और उससे प्रभावित हो रहे पर्यावरण के बारे में भी जवाबदेही तथा संवेदनशीलता कायम हो सके। विभिन्न पैकेजिंग सामग्री को हतोत्साहित करने के लिए प्रस्तावित नियम निश्चित रूप से स्वागत योग्य है, जिसमें 2026-27 में 70 फीसदी ईपीआर से लेकर 2028-29 में शत प्रतिशत के लक्ष्य को प्राप्त करना तय किया गया है। लेकिन इस संदर्भ में एक गंभीर आशंका यह भी उत्पन्न होती है कि ईपीआर की लागत के दृष्टिगत कहीं उसका आर्थिक बोझ आम उपभोक्ता की जेब पर न पड़ जाए।

पूर्व में प्लास्टिक पर लागू ईपीआर नियमों के रहते भी उसकी लागत में वृद्धि हुई और अंत में आम उपभोक्ता उससे प्रभावित हुआ। यदि उक्त नियम किसी भी रूप में कागज, धातु, कांच आदि के उत्पादन को धीरे-धीरे समाप्त करने एवं विकल्प के तौर पर नए पर्यावरणसम्मत पैकेजिंग सामग्री को विकसित करने पर केंद्रित होते, तो शायद पर्यावरण का अधिक कल्याण हो पाता। वर्तमान स्वरूप में तो, उद्योगों के लिए यह अत्यंत ही सरल है कि क्षतिपूर्ति राशि की अदायगी कर वे कितना भी कागज, धातु और कांच उपयोग में ला सकते हैं तथा उसे खुले में अथवा सह प्रसंस्करण माध्यम से निष्पादन के लिए छोड़ सकते हैं।

पर्वतदान (अन्न) एवं अश्वमेध यज्ञ महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मां नाथल दाई पर्यटन केंद्र के रूप में होगा विकसित

कण कण में बसी हुई है भगवान श्रीराम की स्मृतियां : साय

रायपुर। हमारी सरकार लगातार लोगों की सुख-समृद्धि के लिए काम कर रही है। 3100 रुपए प्रति क्विंटल में धान खरीदी, 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी से किसानों में समृद्धि आई है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से हर महीने 70 लाख माताओं-बहनों को एक हजार रुपए प्रति महीने की किश्त हम दे रहे हैं। देश के प्रमुख तीर्थस्थलों की यात्रा के लिए हम लोग मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा योजना आरंभ करने जा रहे हैं। इस योजना के माध्यम से भी यात्रियों को नि:शुल्क तीर्थ यात्रा का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के ग्राम टिमरलगा में आयोजित पर्वतदान (अन्न) एवं अश्वमेध यज्ञ महोत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने ग्राम टिमरलगा में पर्वतदान एवं अश्वमेध यज्ञ महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि जब भी बड़े धार्मिक आयोजन होते हैं, आसपास का पूरा क्षेत्र भक्ति के रंग में सराबोर हो जाता है।छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल है। यह वो धरती है जहां भगवान श्रीराम ने अपने वनवास का अधिकतम समय बिताया। छत्तीसगढ़ की पावन धरती में शिवरीनारायण में माँ शबरी ने प्रभु श्रीराम को जूठे बेर खिलाये थे। हमारी छत्तीसगढ़ की भूमि बहुत पवित्र भूमि है। हमारे यहां वाल्मीकि जी का आश्रम तुरतुरिया में है।वाल्मीकि आश्रम ही वह भूमि है जहां लव और कुश ने अश्वमेध यज्ञ के घोड़े को पकड़ा था। छत्तीसगढ़ के कण कण में भगवान श्रीराम की स्मृतियां बसी हुई हैं। प्रभु श्रीराम की स्मृतियों को सहेजने के लिए हम लगातार कार्य कर रहे हैं।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हम प्रदेश की पांच शक्तिपीठों को जोड़ने के लिए भी हम कार्य कर रहे हैं। हम लोगों ने त्रिवेणी संगम की नगरी राजिम में भी कुंभ मेले का पुन: आयोजन शुरू किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने ग्राम टिमरलगा के माध्यमिक स्कूल का हाईस्कूल में उन्नयन, मां नाथल दाई को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने सौंदर्यीकरण, ग्राम टिमरलगा के उपस्वास्थ्य केंद्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन की घोषणा की। इस अवसर पर रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया, श्रीमती केरा बाई मनहर,शमशेर सिंह, श्रीमती पुष्पा देवी सिंह सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पाठ्यक्रम में शामिल होगी जोरावर सिंह और फतेह के अमर बलिदान की कहानी

वीर बाल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने की बड़ी घोषणा

रायपुर। गुरु गोविंद सिंह जी के वीर साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी के अमर बलिदान की कहानी अब छत्तीसगढ़ के स्कूली बच्चों को पढ़ाई जाएगी। वीर साहिबजादों के वीरता की यह कहानी देश के युवाओं को साहस के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज वीर बाल दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित बौद्धिक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए यह बड़ी घोषणा की। उन्होंने गुरु गोविंद सिंह और वीर साहिबजादों का पुण्य स्मरण कर कहा कि हमें उनकी शिक्षाओं को अपनाना चाहिए और नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से जोड़ना चाहिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वीर साहिबजादों के जीवनी पर आधारित एनिमेटेड फिल्म भी देखी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वीर बाल दिवस हमें राष्ट्र की रक्षा के लिए सिख गुरुओं के त्याग की महान सिख परंपरा की याद दिलाता है। हमें ऐसे महान वीर सपूतों की प्रेरक कहानियां अपने बच्चों और समाज को बतानी चाहिए। उन्होंने श्री गुरु गोविंद सिंह जी के साहेबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद दिया। श्री साय ने कहा कि भारत की प्रत्येक पीढ़ी गुरु गोविंद सिंह जी एवं उनके साहेबजादों के बलिदान को सदैव याद रखेगी। देश के लिए जीना और देश के लिए जरुरत पड़ने पर अपने प्राणों की आहुति देने की प्रेरणा हमें वीर बाल दिवस से मिलती है। उन्होंने कहा कि वीर बाल दिवस हमें राष्ट्र की एकता और अखंडता का भी स्मरण कराता है।समाज को तोड़ने वाली ताकतें हर दौर में सक्रिय रहती हैं।

कोंडागांव की बिटिया हेमबती नाग को मिला प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

रायपुर। राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में आयोजित प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2024 से राष्ट्रीय जुडो खिलाड़ी, कोंडागांव की बिटिया हेमबती नाग को आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया।

इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हेमबती नाग को शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह समस्त प्रदेशवासियों के लिए यह गर्व का विषय है। हेमबती ने कठिन परिस्थितियों में भी अपना हौसला नहीं खोया, अपनी अथक मेहनत और कड़े संघर्ष से उन्होंने खेलो इंडिया नेशनल गेम्स और राष्ट्रीय स्तर की अन्य प्रतियोगिताओं में स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक जीतकर छत्तीसगढ़ का परचम लहराया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार ऐसे प्रतिभावान बच्चों को प्रोत्साहित करने और उनके सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बिटिया की यह उपलब्धि प्रदेश की अन्य बेटियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

नेशनल चाइल्ड अवॉर्ड देने के बाद राष्ट्रपति ने सभी पुरस्कार विजेता बच्चों को बधाई दी. उन्होंने कहा कि बच्चों ने असाधारण काम करते हुए अद्भुत उपलब्धियां हासिल की हैं. देश के बच्चों के लिए एक मिसाल कायम की है. दिल्ली में हेमबती नाग को नेशनल चाइल्ड अवॉर्ड मिलने पर सीएम विष्णुदेव साय ने खुशी जताई हैं. उन्होंने एक्स पर हेमबती को ये सम्मान मिलने पर बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की.सीएम ने लिखा- शाबाश बिटिया! राष्ट्रीय जुडो खिलाड़ी, कोंडागांव की बिटिया हेमबती नाग को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार मिलना पूरे प्रदेशवासियों के लिए गर्व का विषय है. हेमबती ने कठिन परिस्थितियों में भी अपना हौसला नहीं खोया.अपनी अथक मेहनत और कड़े संघर्ष से कई पदक जीतकर प्रदेश का नाम रौशन किया. हमारी सरकार ऐसे प्रतिभावान बच्चों को प्रोत्साहित करने और उनके सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अटल की शैली में काव्यपाठ सम्मानित हुए विकास शर्मा

अटल जन्म शताब्दी पर राजभवन में काव्यपाठ

रायपुर। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मशती के अवसर पर राजभवन में काव्यांजलि का आयोजन किया गया। इस मौके पर राज्यपाल श्री रमेन डेका ने अटल जी से जुड़े संस्मरणों को याद करते हुए उन्हें विराट व्यक्तित्व का धनी बताया। अटल जी पर केंद्रित काव्यपाठ में अटल जी की भाव भंगिमाओं के साथ ही हूबहू उन्हीं की शैली में उनकी कविताओं का पाठ, विचारों की अभिव्यक्ति बेहद जीवंत प्रभावी ढंग से विकास शर्मा ने प्रस्तुत किया।

राज्यपाल डेका ने छत्तीसगढ़ सहित राष्ट्रीय स्तर पर लघु अटल के नाम से ख्याति प्राप्त विकास शर्मा को अनूठी प्रतिभा के लिए प्रतीक चिन्ह एवं राजकीय गमछा से सम्मानित किया।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में जनसंपर्क अधिकारी के पद पर सेवारत विकास शर्मा पहले भी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय गोयल, सुरेश सोनी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह समेत अनेक वरिष्ठ नेताओं के समक्ष अटल जी कविताओं की प्रस्तुति अटल जी की शैली में दे चुके हैं।

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत छत्तीसगढ़ प्रवास पर रहेंगे

रायपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूजनीय सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत 27 से 31 दिसंबर तक रायपुर प्रवास पर रहेंगे। पूजनीय सरसंघचालक जी का यह संगठनात्मक प्रवास है। इस दौरान वह अलग-अलग सत्र में कार्यकताओं व वरीय अधिकारियों के साथ संगठन के दृढीकरण पर चर्चा करेंगे। 1925 में स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 2025-26 में अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इसके निमित्त देश के अलग-अलग प्रांतों में पूजनीय सरसंघचालक जी का प्रवास हो रहा है। इस प्रवास में संबंधित प्रांत में संगठनात्मक कार्यों पर वह चर्चा करते हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संगठनात्मक विषयों व शताब्दी वर्ष पर चलने वाले कार्यक्रमों पर वह संगठन के अधिकारियों व कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे।

विभिन्न सत्र में लेंगे बैठक

पूजनीय सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत अपने प्रवास के दौरान विषय आधारित विभिन्न बैठकों में संगठनात्मक कार्यों की चर्चा करेंगे।

पूजनीय सरसंघचालक जी की इन बैठकों में कार्य विस्तार के साथ कार्यकर्ताओं व स्वयंसेवकों के गुणात्मक विकास पर विशेष रूप से चर्चा होगी। वह पंच परिवर्तन स्व का बोध, सामाजिक समरसता कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण अनुकूल विकास व नागरिक कर्तव्य पर चर्चा करेंगे। संघ ने शताब्दी वर्ष में प्रत्येक गांव व शहरी क्षेत्र तक शाखा के माध्यम से पहुंचने का लक्ष्य रखा है। पूजनीय सरसंघचालक का प्रवास छत्तीसगढ़ में संघ कार्य को सर्वव्यापी एवं सर्वस्पर्शी बनाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

भाजपा सरकार नौकरियां बेच रही है : दीपक बैज

रायपुर। भाजपा सरकार सरकारी विभागों की नौकरियां बेच रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राज्य में भाजपा सरकार नौकरियों का व्यापार कर रही है। प्रदेश में वन एवं पुलिस की भर्तियों में बोलियां लग रही। कांग्रेस मांग करती है इन भर्तियो को रोक कर पूरी भर्ती प्रक्रिया की सीबीआई से अथवा उच्च न्यायालय के जज से जांच करवाई जाये। जिलों में आरक्षक भर्ती के

साथ वन विभाग में वन रक्षको की भर्ती में भी घपले हो रहे है। पूरे प्रदेश के सभी जिलों में चल रही आरक्षक भर्ती और वन विभाग की भर्तियों में खुले आम बोलियां लगाई जा रही है। राजनांदगांव आरक्षक भर्ती के भ्रष्टाचार का खुलासा भी हो चुका है। कहा कि बड़े अधिकारियो और सत्त रूढ़ नेताओं चहेतो की भर्तियां सुनिश्चित करने शारीरिक परीक्षण में अधिक नंबर पक्षपात पूर्वक दिया जा रहा है। हैदराबाद की एक कपंनी को वन एवं पुलिस विभाग में शारीरिक परीक्षण का ठेका दिया गया। कंपनी से मिली भगत करके पूरा गड़बड़ किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि प्रदेश के सभी जिलों की पुलिस एवं वन भर्ती प्रक्रिया को रद्द करके फिर से शारीरिक परीक्षण करवाया जाये।

भाजपा का डीएनए संविधान विरोधी है : शुक्ला

रायपुर। गांधी जी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के 100वें वर्ष पर बेलगांव में हो रहे कांग्रेस की नव सत्याग्रह बैठक से भाजपा बौखला गयी है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपाई झूठ बोलने और मिथ्या प्रचार करने के हथकंडे पर उतर आये है। भाजपा अध्यक्ष झूठ बोल रहे कि कांग्रेस ने बैठक स्थल पर देश का गलत मानचित्र लगाया है। भाजपाईयों को यह

हजम नहीं हो रहा है कि कांग्रेस राष्टपिता महात्मा गांधी के मूल्यों को लेकर आगे बढ़ रही है। गांधी जी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के 100 वर्ष होने पर कांग्रेस द्वारा गांधी जी की स्मृतियों को सहेजने उनके आदर्शों को जिवित रखने के प्रयास गोंडसे के अनुयायियों को हजम नहीं हो रहा है। 10 सालो में चीन देश के गलवान क्षेत्र में घुस आया है, 56 इंची वाले प्रधानमंत्री मौन है भाजपाई प्रलाप कर रहे।कहा कि भाजपा आदतन गांधी जी के विरोधी रही है। नाथू राम गोडसे और सावरकर के अनुयायियों से गांधी जी के आदर्शों पर चलने की उम्मीद भी नहीं की जा सकती। देश की आजादी की लड़ाई के समय भी और आजादी के लड़ाई के बाद भाजपा और उसके पितृ संगठनो ने महात्मा गांधी का विरोध किया।

ओबीसी आरक्षण में षड़यंत्र पूर्वक कटौती किया है : वर्मा

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि नगरीय निकायों के चुनाव में आरक्षण प्रक्रिया के बाद जो स्थिति सामने आई है, वह बेहद दुर्भाग्यजनक है। छत्तीसगढ़ में बहुसंख्यक आबादी पिछड़ा वर्ग की है लेकिन साय सरकार पिछड़ा वर्ग के साथ ही अन्याय कर रही है। आरक्षण नियमों में बदलाव करते वक्त प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा था कि पिछड़ा वर्ग

की जहां जनसंख्या ज्यादा है वहां पंचायत और नगरीय निकाय क्षेत्र में पिछड़ा वर्ग को लाभ दिया जाएगा, लेकिन भाजपा सरकार ने जो नए नियम तय करके राजपत्र में प्रकाशित कर प्रक्रिया तय किया है उसमें ओबीसी वर्ग को अलग से कोई आरक्षण का लाभ देने का उल्लेख नहीं है। ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, जिला पंचायत एवं नगरीय निकायों में अनुसूचित जातियों व जनजातियों के लिए 50 या उससे अधिक स्थान आरक्षित हो वहां पर पिछड़ा वर्ग के लिए स्थान आरक्षित नहीं करने का स्पष्ट उल्लेख है। पूर्व में कांग्रेस की सरकार के द्वारा अनुसूचीत क्षेत्रों में भी पिछड़ा वर्ग के लिए 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित थी, लेकिन अब ऐसा नहीं रहा, जिसके चलते अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों को नुकसान हो रहा है।

पटवारी संघ ने ऑनलाइन कामों का किया बहिष्कार

रायपुर। राजधानी समेत सभी जिलों के पटवारी अपनी मांगों को लेकर 16 दिसंबर से ऑनलाइन कामों को बंद कर प्रदर्शन कर रहे हैं. ऑनलाइन वर्क बंद होने से राजस्व संबंधी जितने भी काम हैं जैसें नामांतरण, बंटवारा, डिजिटल साइन, ऋण प्रतिवेदन, पुस्तिका में सुधार जैसे काम बंद हैं. सरकारी व्हाट्सएप ग्रुप से भी पटवारी लेफ्ट हो चुके हैं. राजस्व विभाग के मैदानी पटवारी पिछले 6 महीने से पटवारी कार्यालय में तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराए जाने की मांग कर रहे हैं.ऑनलाइन कामों का किया बहिष्कार- राजस्व पटवारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष भागवत कश्यप ने बताया कि पिछले कई महीने से पटवारी कार्यालय में संसाधन की कमी के संबंध में शासन प्रशासन को अवगत कराया गया है. बावजूद इसके अब तक कोई भी सुविधा पटवारीयो को उपलब्ध नहीं कराई गई है. जिसके कारण 16 दिसंबर से प्रदेश भर के सभी पटवारी ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार कर दिए हैं. इसके साथ ही सरकारी व्हाट्सएप ग्रुप से भी सभी पटवारी लेफ्ट हो चुके हैं. 9 दिसंबर को प्रदेश के सभी पटवारी अपने अपने जिला मुख्यालय में विरोध स्वरूप काले ड्रेस कोड में अपने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप चुके हैं. जब तक संसाधन उपलब्ध नहीं कराया जाता तब तक प्रत्येक सोमवार को काले कपड़े पहनकर काम करेंगे. सरकार को 15 दिसंबर तक पटवारी संघ ने आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए टाइम लाइन दी थी।

अवैध धान के खिलाफ जारी है अभियान

बिलासपुर। कलेक्टर अवनीश शरण के निर्देश पर आज फिर छापेमार कार्रवाई की गई। दो ठिकानों पर कार्रवाई कर 281 क्विंटल धान जब्त किया गया। जब्त किए गए धान की कीमत लगभग 9 लाख रुपए बताई गई है। एक ट्रेडर्स को साढ़े 53 हजार रुपए का मंडी अधिनियम के तहत जुर्माना भी ठोंका गया है। बताया गया कि ये धान को खरीदी केन्द्रों में खपाने के प्रयास में लगे थे। सुराग मिलने पर प्रशासन की त्वरित दबिश से पकड़ लिए गए। धान के संबंध में कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये जा सकने पर उपरोक्त धान को मण्डी अधिनियम् के तहत् जप्ती की कार्रवाई की गई। तहसील कोटा में मारूति ट्रेडर्स, कोटा की जाँच के दौरान गोदाम में उपलब्ध 240 क्विंटल धान के भण्डारण के संबंध में किसी प्रकार का दस्तावेज नहीं दिखाया गया। जिसके कारण उपरोक्त धान का मण्डी अधिनियम् के तहत् जप्ती की कार्यवाही करते हुए 53,500/- रूपये का जुर्माना लगाया गया। भविष्य में भी इसी प्रकार अवैध धान विक्रय, परिवहन एवं व्यापार पर इसीप्रकार कार्यवाही जारी रहेगी।

छत्तीसगढ़ बनेगा फार्मास्यूटिकल एवं मेडिकल डिवाइसेस हब : स्वास्थ्य मंत्री

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में आज रायपुर के सिविल लाइन सर्किट हाउस में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के सहायक औषधि नियंत्रक, औषधि निरीक्षक एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रदेश के 100 औषधि नियामकों की उपस्थिति रही।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा देश के 30 लाख करोड़ के मेडिकल व्यापार का आधार आप सब हैं। उन्होंने औषधि निरीक्षको के कार्यो के संबंध में कहा कि आप लोगों के द्वारा दवा एवं मेडिकल डिवाइसेस की गुणवत्ता का निर्धारण सुनिश्चित किया जाता है और आपके कार्यों पर विश्वास कर पूरा देश मेडिकल प्रोडक्ट्स का उपयोग कर रहा हैं। इस परिस्थितियों में आपको अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए उस विश्वास को बनाये रखना है। जायसवाल ने प्रशिक्षण की उपयोगिता तथा प्रशिक्षण के बाद उसके संवेदनशील क्रियान्वयन के महत्व को लेकर विस्तार से बात की। जायसवाल ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यशाला छत्तीसगढ़ को फार्मास्यूटिकल एवं मेडिकल डिवाइस हब के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभायेगी।

इस मौके पर अधिकारियों को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य एवं औषधि विभाग के नियंत्रक चंदन कुमार ने कहा कि औषधि एवं मेडिकल डिवाइसेस के व्यापार में लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने भारत के संबंध में बात करते हुए कहा कि पूरे विश्व में ऐसा कोई देश नहीं है जहां पर भारतीय दवा अथवा मेडिकल डिवाइसेस की आपूर्ति नहीं की जाती। चंदन कुमार ने खाद्य नियंत्रको और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की भूमिका के बारे में बात करते हुए कहा कि आपके अच्छे कार्यों की वजह से ही लोगों को सुविधा मिल पाती है और उन्हें बेहतर मेडिकल संसाधन उपलब्ध हो पाते हैं।

प्रशिक्षण कार्यशाला में खाद्य एवं औषधि प्रशासन के राज्य नियंत्रण प्राधिकारी बंसत कुमार कौशिक ने कार्यशाला में होने वाले प्रशिक्षण के विषय में प्रशिक्षण की रूपरेखा एवं विस्तृत तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई। प्रशिक्षण कार्यशाला का आरंभ बिहार राज्य के औषधि नियंत्रण अधिकारी डॉ. अमल कुमार के व्याख्यान से प्रारंभ हुआ जिसमें उनके द्वारा विस्तृत जानकारी के साथ ही अपने अनुभव को कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों के साथ साझा किया गया। कार्यशाला में हरियाणा के प्रबंधक-क्वालिटी एवं रेगुलेटरी एक्सपर्ट डॉ. कांत नामा द्वारा मेडिकल डिवाईस रूल्स 2017 के विषय में आवश्यक एवं महत्वपूर्ण सावधानियों के बारे में बताया गया।

छात्रावास-आश्रम भवन निर्माण में गुणवत्ता और समयसीमा पर दें विशेष ध्यान: सोनमणि बोरा

रायपुर। आदिम जाति कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने आज इंद्रावती भवन स्थित आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग का औचक निरीक्षण किया और विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति, जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रेषित मांग-पत्रों के शीघ्र निराकरण, और छात्रावास-आश्रम भवन निर्माण की अद्यतन स्थिति पर चर्चा की गई।

प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए कि छात्रावास और आश्रम भवनों के निर्माण में पूर्ण गुणवत्ता और समयसीमा का पालन किया जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी के लिए विभागीय अधिकारियों और सहायक आयुक्तों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सभी कार्यों को तय समय-सीमा में पूर्ण करना आवश्यक है और इसके लिए मासिक व पाक्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। योजनाओं की प्रगति और अपडेशन कार्य को डिजिटाइजेशन के माध्यम से और बेहतर किया जा सकता है, जिससे समय की बचत होगी।

बैठक में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में निर्माणाधीन ट्रायबल म्यूजियम और शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय के निर्माण कार्य की स्थिति की समीक्षा की गई। श्री बोरा ने निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में इन दोनों परियोजनाओं का कार्य 30 जनवरी 2025 तक पूर्ण हो जाना चाहिए। कार्य में तेजी लाने के लिए मैनपावर और अतिरिक्त तकनीकी टीम को बढ़ाने के निर्देश दिए गए।प्रमुख सचिव ने कहा कि यह म्यूजियम केवल रायपुर ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय होगा। यह जनजातीय जीवनशैली और इतिहास को देशभर में एक अलग पहचान दिलाने में मदद करेगा। उन्होंने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों, इंजीनियर्स, और क्यूरेटर को कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और समय पर इसे पूरा करने के निर्देश दिए।प्रमख सचिव श्री बोरा ने जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रेषित मांग-पत्रों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश भी दिए।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.